Registered Office
Post Box No. 8, Post - Ladnun - 341 306
Dist. Nagaur, Rajasthan (India) +91-1581-222025/080/977
Fax : +91-1581-223280, E-mail : secretariatldn@jvbharati.org Website : www.jvbharati.org

Kolkata Office
Mahasabha Bhawan, 3, Portuguese Church Street, Kolkata - 700 001
Phone : +91-33-2235 9800, Fax : +91-33-2235 9799
E-mail : secretariatkol@jvbharati.org

जैन विश्व भारती

(ISO 9001 : 2000 प्रमाणित संस्था)

2012

मंत्री प्रतिवेदन एवं आय व्यय विवरण 2011-2012

जैन विश्व भारती

जैन विश्व भारती की 41वीं वार्षिक साधारण सभा की सूचना

मान्यवर,

सादर जय जिनेन्द्र

जैन विश्व भारती की 41वीं वार्षिक साधारण सभा रविवार दिनांक 02 सितम्बर, 2012 को सायं 4.00 बजे आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास स्थल, जसोल (राजस्थान) में होगी, जिसमें निम्नलिखित विषयों पर विचार किया जाएगा –

1. जैन विश्व भारती की 40वीं वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही का पठन और स्वीकृति।
2. जैन विश्व भारती के वर्ष 2011-12 के मंत्री के वार्षिक प्रतिवेदन पर विचार एवं स्वीकृति।
3. जैन विश्व भारती के हिसाब परीक्षक द्वारा अंकेक्षित 1 अप्रैल 2011 से 31 मार्च 2012 तक के आय-व्यय लेखा एवं संतुलन पत्र का प्रस्तुतीकरण एवं स्वीकृति।
4. आगामी दो वर्षों के लिए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष, मुख्य न्यासी एवं 7 न्यासीगण तथा बोर्ड ऑफ आरबीट्रेटर के 3 सदस्यों का चुनाव।
5. आगामी एक वर्ष हेतु अंकेक्षक की नियुक्ति।
6. प्रेक्षा फाउण्डेशन को स्वायत्तता प्रदान करने संबंधी संचालिका समिति के निर्णय के बारे में चिंतन।
7. आये हुए प्रस्तावों एवं सुझावों पर विचार।
8. विविध – अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

जैन विश्व भारती की वार्षिक साधारण सभा में सभी सदस्यों की उपस्थिति सादर प्रार्थित है। कोरम के अभाव में स्थगित सभा उसी दिन और उसी स्थान पर आधा घण्टे पश्चात् आयोजित होगी।

भवदीय

जितेन्द्र नाहटा
मंत्री

13 अगस्त 2012

पो.बॉक्स नं. 8, लाडनूं – 341 306, दूरभाष : 01581-222 025/080, फैक्स : 223280

जैन विश्व भारती के अध्यक्ष और मंत्री एवं उनके कार्यकाल

अध्यक्ष

नाम	कार्यकाल
श्री मोहनलाल बांठिया	1970-72
श्री खेमचन्द सेठिया	1972-76, 1984-90
श्री सूरजमल गोठी	1976-79
श्री श्रीचन्द रामपुरिया	1979-81
श्री बिहारीलाल जैन	1981-84
श्री गुलाबचन्द घिण्डालिया	1990-92, 1997-2000
श्री श्रीचन्द बैंगानी	1992-94
श्री धरमचन्द चौपड़ा	1994-96
श्री चैनरूप भंसाली	1996-97
श्री मूलचन्द बोथरा	2000-02
श्री बुधमल दूगड़	2002-04
श्री सिद्धराज भण्डारी	2004-06
श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया	2006-12

मंत्री

नाम	कार्यकाल
श्री सूरजमल गोठी	1970-72
डॉ. महावीरराज गेलड़ा	1972-73
श्री सम्पतराज भूतोड़िया	1973-77
श्री श्रीचन्द बैंगानी	1977-80, 1983-92
श्री श्रीचन्द सुराणा	1980-81
श्री शंकरलाल मेहता	1981-83
श्री झूमरमल बैंगानी	1992-94
श्री ताराचन्द रामपुरिया	1994-96, 1997-2000
श्री हनुमानमल घिण्डालिया	1996-97
श्री गुलाबचन्द घिण्डालिया	2000-02
श्री भागचन्द बरड़िया	2002-04
श्री नरेन्द्र छाजेड़	2004-06
श्री भीखमचन्द पुगलिया	2006-10
श्री जितेन्द्र नाहटा	2010-12

कुलपति

श्री झूमरमल बैंगानी – बीदासर (स्वर्गवास – 31 जुलाई 2012)

संचालिका समिति

पदाधिकारी

क्रम. सं.	नाम	स्थान	पद
1.	श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया	कोलकाता	अध्यक्ष
2.	श्री सुमेरमल सुराणा	कोलकाता	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
3.	श्री भंजरंगलाल बोथरा	नोएडा	उपाध्यक्ष
4.	श्री बसन्त कुमार पारख	कोलकाता	उपाध्यक्ष
5.	श्री भीकमचन्द नाहटा	मुम्बई	उपाध्यक्ष
6.	श्री इन्द्रचन्द दुधेड़िया	बैंगलोर	उपाध्यक्ष (14 मार्च 2012 तक)
7.	श्री धनपतसिंह दूगड़	कोलकाता	उपाध्यक्ष (31 मार्च 2012 से)
8.	श्री जितेन्द्र नाहटा	कोलकाता	मंत्री
9.	श्री अरविन्द गोठी	इंदौर	संयुक्त मंत्री
10.	श्री विजयसिंह चोरड़िया	कोलकाता	संयुक्त मंत्री
11.	श्री पारस बोहरा	कोलकाता	कोषाध्यक्ष

संचालिका समिति सदस्य

क्रम. सं.	नाम	स्थान
1.	श्री अशोक कुमार बैंगानी	कोलकाता
2.	श्री बाबुलाल राठौड़	मुम्बई
3.	श्री बच्छराज नाहटा	लाडनूं
4.	श्री बहादुर सेठिया	बैंगलोर
5.	श्री भागचंद बरड़िया	लाडनूं
6.	श्री भरत दूगड़	कोलकाता
7.	श्री भीखमचन्द पुगलिया	कोलकाता
8.	श्री भूरामल श्यामसुखा	इन्दौर
9.	श्री बुधसिंह सेठिया	नई दिल्ली
10.	श्री चैनरूप घिण्डालिया	कोलकाता
11.	श्री डी.बी. प्रकाशचन्द जैन	चेन्नई
12.	श्री दामोदरलाल कोठारी	अहमदाबाद
13.	श्री धनपतसिंह दूगड़	कोलकाता (31-03-2012 तक)
14.	श्री धरमचन्द धाड़ेवा	कोलकाता
15.	श्री फतेहलाल मेहता	मुम्बई
16.	श्री हंसराज बेताला	भागलपुर
17.	श्री हंसराज डागा	गंगाशहर
18.	श्री हसमुख आर. मेहता	मुम्बई
19.	श्री जोधराज बैद	नई दिल्ली
20.	श्री के.एल. पसमार	मुम्बई
21.	श्री कैलाशचन्द्र जैन	नई दिल्ली

22.	श्रीमती कल्पना बैद	कोलकाता
23.	श्री कन्हैयालाल डूंगरवाल	गुवाहाटी
24.	श्री करणीसिंह बरड़िया	सिकन्दराबाद
25.	श्री केवलचन्द जैन	रायपुर
26.	श्री ललित कुमार सिंधी	कोलकाता
27.	श्री एम.मेघराज लूणावत	चेन्नई
28.	श्री मनोज कुमार लुणिया	शिलॉंग
29.	श्री मर्यादा कुमार कोठारी	जोधपुर
30.	श्रीमती नमिता कोठारी	जयपुर
31.	श्री निर्मल कुमार डाकलिया	कोलकाता
32.	श्री निर्मल कुमार कोठारी	पूणे
33.	श्री प्रदीप कुमार कुण्डलिया	कोलकाता
34.	श्री प्रकाश कुमार चोरड़िया	कोलकाता
35.	श्री प्रमोद नाहटा	कोलकाता
36.	श्री रघुवीर जैन	गुडगांव
37.	श्री राजेन्द्र भूतोड़िया	कोलकाता
38.	श्री राजेश सुराणा	सूरत
39.	श्री रमेश कोठारी	सूरत
40.	श्री रवीन्द्र बच्छावत	कोलकाता
41.	श्री रूपचन्द दूगड़	मुंबई
42.	श्री सम्पतमल नाहटा	नई दिल्ली
43.	श्रीमती संतोष चोरड़िया	कोलकाता
44.	श्री शान्तिलाल मारू	उदयपुर
45.	श्रीमती सोनाली पटावरी	नई दिल्ली
46.	श्री सुखराज सेठिया	दिल्ली
47.	श्री सुमेरमल डागा	कोलकाता
48.	श्री सुरेन्द्र कुमार बच्छावत	कोलकाता
49.	श्री सुशील कुमार खटेड़	मुम्बई
50.	श्री स्वरुपचन्द बरड़िया	नई दिल्ली
51.	श्री ताराचन्द रामपुरिया	लाडनूं
52.	श्री विजयसिंह डागा	गुवाहाटी

न्यास मण्डल

क्रम.	नाम	स्थान	पद
1.	श्री रणजीतसिंह कोठारी	कोलकाता	प्रधान न्यासी
2.	श्री धरमचन्द लूंकड़	मुंबई	न्यासी
3.	श्री जयसिंह सेठिया	जयपुर	न्यासी
4.	श्री नरपतसिंह चोरड़िया	बैंगलोर	न्यासी
5.	श्री नवरत्नमल बच्छावत	होसपेट	न्यासी
6.	श्री पन्नालाल बैद	नई दिल्ली	न्यासी
7.	श्री राजेन्द्र प्रेमचन्द धोड़ावत	माधव नगर	न्यासी
8.	श्री रमेश कुमार धाकड़	मुम्बई	न्यासी

पंच मण्डल

क्रम. सं.	नाम	स्थान
1	श्री कैलाशचन्द गोयल	कोलकाता
2	श्री राजेन्द्र कुमार डाबड़ीवाल	कोलकाता
3	श्री टोडरमल लालानी	फरीदाबाद

परामर्शक मण्डल

क्रम. सं.	नाम	स्थान	पद
1.	श्री जसकरन चोपड़ा	सूरत	सदस्य
2.	श्री कन्हैयालाल छाजेड़	लाडनूं	सदस्य
3.	श्री कन्हैयालाल जैन (पटावरी)	नई दिल्ली	सदस्य
4.	श्री मांगीलाल सेठिया	नई दिल्ली	सदस्य
5.	श्री रतनलाल पारख	कोलकाता	सदस्य
6.	श्री शार्दूलसिंह जैन	कोलकाता	सदस्य
7.	श्री सुमतिचन्द गोठी	मुम्बई	सदस्य
8.	श्री सुरिन्दर मित्तल	मण्डी गोबिन्दगढ़	सदस्य
9.	श्रीमती तारा देवी सुराणा	कोलकाता	सदस्य

विभागीय समितियां

समण संस्कृति संकाय

1.	श्री रतनलाल चोपड़ा	गंगाशहर	विभागाध्यक्ष
2.	श्री पन्नालाल पुगलिया	जयपुर	निदेशक

जीवन विज्ञान अकादमी, केन्द्रीय कार्यालय, लाडनूं

1.	डॉ. सूरजमल सुराणा	दिल्ली	संयोजक
2.	श्री प्रेम सुराणा	जयपुर	संयुक्त सह-संयोजक
3.	श्री सुरेश कोठारी	इंदौर	संयुक्त सह-संयोजक

हस्तलिखित एवं पाण्डुलिपि विभाग

1.	श्री कन्हैयालाल छाजेड़	लाडनूं	विभागाध्यक्ष

विमल विद्या विहार प्रबंधन समिति

1.	श्री प्रकाशचंद बैद	लाडनूं	चेयरमैन
2.	समणी मधुरप्रज्ञा	लाडनूं	निदेशक

महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर प्रबंधन समिति

1.	श्री रणजीतसिंह कोठारी	कोलकाता	चेयरमैन
2.	समणी निर्देशिका प्रतिभाप्रज्ञा	टमकोर	निदेशक

प्रेक्षाध्यान प्रबंधन समिति

1.	श्री कैलाश डागा	जयपुर	संयोजक

तुलसी कला प्रेक्षा विभाग

1.	श्री ताराचंद रामपुरिया	लाडनूं	विभागाध्यक्ष

वेबसाइट समिति

1.	श्री मानबर्धन बैद	कोलकाता	संयोजक
2.	श्री विनय पगारिया	कोलकाता	सदस्य

	नाम	स्थान	पद	20.11.11 गुवाहाटी	05.02.12 बंगलुरु	13.05.12 नई दिल्ली	07.07.12 कोलकाता
1.	श्री सुरेन्द्र चोरड़िया	कोलकाता	अध्यक्ष	✓	✓	✓	✓
2.	श्री सुमेरमल सुराणा	कोलकाता	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	✓	✓	✓	✓
3.	श्री बजरंगलाल बोथरा	नोएडा	उपाध्यक्ष			✓	
4.	श्री बसन्त कुमार पारख	कोलकाता	उपाध्यक्ष	✓		✓	✓
5.	श्री भीकमचन्द नाहटा	मुंबई	उपाध्यक्ष				
6.	श्री धनपतसिंह दूगड़	कोलकाता	उपाध्यक्ष (14 मार्च 2012 तक)	✓	✓	✓	✓
7.	श्री इन्द्रचन्द दुधोड़िया	बंगलुरु	उपाध्यक्ष (31 मार्च 2012 से)		✓		
8.	श्री जितेन्द्र नाहटा	कोलकाता	मंत्री	✓	✓	✓	✓
9.	श्री अरविंद गोठी	नई दिल्ली	संयुक्त मंत्री		✓	✓	
10.	श्री विजयसिंह चोरड़िया	कोलकाता	संयुक्त मंत्री	✓	✓	✓	✓
11.	श्री पारस बोहरा	कोलकाता	कोषाध्यक्ष	✓	✓	✓	✓
12.	श्री अशोक कुमार बैंगानी	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य			✓	✓
13.	श्री बाबूलाल राठौड़	मुंबई	संचालिका समिति सदस्य				
14.	श्री चक्धराज नाहटा	लाडनूं	संचालिका समिति सदस्य				
15.	श्री बहादुर सेठिया	बंगलुरु	संचालिका समिति सदस्य		✓		
16.	श्री भागचन्द बरड़िया	लाडनूं	संचालिका समिति सदस्य				
17.	श्री भरत दूगड़	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				
18.	श्री भीखमचन्द पुगलिया	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य	✓			
19.	श्री भूरामल श्यामसुखा	इन्दौर	संचालिका समिति सदस्य				
20.	श्री बुधसिंह सेठिया	नई दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य			✓	
21.	श्री चैनरूप चिड़ालिया	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				

	नाम	स्थान	पद	20.11.11 गुवाहाटी	05.02.12 बंगलुरु	13.05.12 नई दिल्ली	07.07.12 कोलकाता
22.	श्री डी.बी. प्रकाशचन्द मुथा	चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य		✓		
23.	श्री दामोदरलाल कोठारी	अहमदाबाद	संचालिका समिति सदस्य				
24.	श्री धरमचन्द धाड़ेवा	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				
25.	श्री फतेहलाल मेहता	मुंबई	संचालिका समिति सदस्य				
26.	श्री हंसराज बेताला	भागलपुर सिटी	संचालिका समिति सदस्य				
27.	श्री हंसराज डागा	गंगाशहर	संचालिका समिति सदस्य				
28.	श्री हैसमुख आर. मेहता	मुंबई	संचालिका समिति सदस्य				
29.	श्री जोधराज वैद	नई दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य				
30.	श्री के. एल. परमार	मुंबई	संचालिका समिति सदस्य				
31.	श्री कैलाशचन्द जैन	नई दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य			✓	
32.	श्रीमती कल्पना वैद	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				
33.	श्री कन्हैयालाल डूंगरवाल	गुवाहाटी	संचालिका समिति सदस्य	✓			
34.	श्री करणीसिंह बरड़िया	सिकन्दराबाद	संचालिका समिति सदस्य		✓		
35.	श्री केवलचन्द जैन	रायपुर	संचालिका समिति सदस्य				
36.	श्री ललित कुमार सिंघी	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य			✓	
37.	श्री एम. मंघराज लूणावत	चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य		✓		
38.	श्री मनोज कुमार लूणिया	शिलांग	संचालिका समिति सदस्य			✓	
39.	श्री मर्यादा कुमार कोठारी	जोधपुर	संचालिका समिति सदस्य				
40.	श्रीमती नमिता कोठारी	जयपुर	संचालिका समिति सदस्य				
41.	श्री निर्मल कुमार डाकलिया	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓		✓
42.	श्री निर्मल कुमार कोठारी	पूणे	संचालिका समिति सदस्य				

जैन विश्व भारती

नाम	स्थान	पद	20.11.11 गुवाहाटी	05.02.12 बंगलुरु	13.05.12 नई दिल्ली	07.07.12 कोलकाता
43. श्री प्रदीप कुमार कुंडलिया	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				✓
44. श्री प्रकाश कुमार चोरड़िया	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				✓
45. श्री प्रमोद नाहटा	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				✓
46. श्री रघुवीर जैन	गुड़गांव	संचालिका समिति सदस्य				
47. श्री राजेन्द्र भुतोड़िया	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				
48. श्री राजेश सुराणा	सूरत	संचालिका समिति सदस्य				
49. श्री रमेश कोठारी	सूरत	संचालिका समिति सदस्य				
50. श्री रवीन्द्र बच्छावत	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				✓
51. श्री रूपचन्द दुगड़	मुंबई	संचालिका समिति सदस्य				
52. श्री सम्पतमल नाहटा	नई दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य			✓	
53. श्रीमती संतोष चोरड़िया	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				
54. श्री शांतिलाल मारू	उदयपुर	संचालिका समिति सदस्य				
55. श्रीमती सोनाली पटावरी (जैन)	नई दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य				
56. श्री सुखराज सेठिया	दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य			✓	
57. श्री सुमेरमल डागा	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				✓
58. श्री सुरेन्द्र कुमार बच्छावत	कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				
59. श्री सुशील कुमार खटेड़	मुंबई	संचालिका समिति सदस्य				
60. श्री स्वरूपचन्द बरड़िया	नई दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य			✓	
61. श्री ताराचन्द रामपुरिया	लाडनूं	संचालिका समिति सदस्य				
62. श्री विजयसिंह डागा	गुवाहाटी	संचालिका समिति सदस्य	✓			

जैन विश्व भारती की 41वीं वार्षिक साधारण सभा पर प्रस्तुत प्रतिवेदन

सत्र 2011-12

परम पावन पंच-परमेष्ठी को श्रद्धायुक्त वंदन। परम वंदनीय वैराग्यमूर्ति युवाशक्ति के मूर्त रूप आचार्यश्री महाश्रमणजी, संघमहानिदेशिका महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी एवं समस्त चारित्रात्माओं के श्रीचरणों में सविनय वंदन।

सम्माननीय अध्यक्ष श्री सुरेन्द्रकुमारजी चोरड़िया, आदरणीय प्रधान ट्रस्टी श्री रणजीतसिंहजी कोठारी, सम्मानित पदाधिकारीगण, ट्रस्टीगण, परामर्शकगण, संचालिका समिति के सदस्यगण, देश भर से उपस्थित सम्मानित सदस्यगण एवं समस्त श्रावक-श्राविका समाज को सादर जय जिनेन्द्र।

राजस्थान की मरुधरा मालाणी के मुकुट के रूप में प्रसिद्ध ऐतिहासिक कस्बे जसोल में आयोजित जैन विश्व भारती की 41वीं वार्षिक साधारण सभा पर आप सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

गत वर्ष वैशाख शुक्ला 9 वि. सं. 2068 से वैशाख शुक्ला 9 वि. सं. 2069 को हमने अपने आराध्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का 50वां जन्मदिवस आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के रूप में सौल्लास मनाया। विगत वर्ष में चतुर्विध धर्मसंघ ने पंचाचार की आराधना और अनुपालना कर अमृत पुरुष की अभिवंदना तथा अभ्यर्थना की। इस वर्षव्यापी विशिष्ट आयोजन की संपन्नता पर मैं जैन विश्व भारती की ओर से पूज्यप्रवर की वर्धापना करते हुए हार्दिक अभिनंदन करता हूं। मैं यह मंगलकामना करता हूं कि आचार्य प्रवर चिरायु एवं शतायु हों तथा उनके आध्यात्मिक

नेतृत्व में धर्मसंघ विकास के नये कीर्तिमान स्थापित करे। सम्पूर्ण मानव जाति उनके उपदेशों को आत्मसात् कर कल्याण के मार्ग पर प्रशस्त हों।

आलोच्य वर्ष में अनेक चारित्रात्माओं ने अपनी संयम यात्रा सम्पन्न कर पण्डित मरण को प्राप्त किया है। मैं विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूंगा 'तेरापंथ इतिहास मनीषी' मुनि सागरमलजी 'श्रमण' का जिन्होंने दीर्घकाल तक संयम की साधना करते हुए धर्मसंघ की प्रभावना व श्रीवृद्धि में अमूल्य एवं उल्लेखनीय योगदान दिया। प्रलंब अनशन में समाधिमरण को प्राप्त श्रीडूंगरगढ़ सेवा केन्द्र में प्रवासित साध्वीश्री राजवतीजी, बीदासर समाधि केन्द्र में प्रवासित साध्वीश्री लक्ष्मीवतीजी, विराट नगर (नेपाल) में अनशन में दीक्षित साध्वीश्री अमृतश्रीजी का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूंगा, जिन्होंने अपना आत्म कल्याण कर धर्मसंघ की गौरव वृद्धि की है। लाडनूं सेवा केन्द्र में प्रवासित साध्वीश्री सिद्धप्रज्ञाजी का भी उल्लेख करना चाहूंगा, जिन्होंने आगम संपादन के महत्त्वपूर्ण कार्य में लम्बे समय तक अपने श्रम का नियोजन कर संघ की श्रीवृद्धि की। वे अत्यंत सहज, सरल एवं पापभीरू साध्वी थी। उपर्युक्त एवं अन्य सभी दिवंगत चारित्रात्माओं को जैन विश्व भारती परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि समर्पित करते हुए उनके आध्यात्मिक विकास की मंगल कामना करता हूं।

आलोच्य वर्ष के दौरान दिवंगत हुए तेरापंथ धर्मसंघ के वरिष्ठ श्रावक एवं जैन विश्व भारती के कुलपति 'शासनसेवी' श्री झूमरमलजी बैंगानी का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूंगा। स्व. झूमरमलजी बैंगानी सहज, सरल, सौम्य स्वभाव वाले अत्यन्त जागरूक श्रावक थे। लगभग पांच दशक पूर्व वे धर्मसंघ की सेवा में प्रविष्ट हुए जो जीवन पर्यन्त सक्रियता के साथ संघ एवं समाज की सेवा में जुड़े रहे। जैन विश्व भारती की स्थापना की परिकल्पना के चिंतन में वे सहभागी रहे तथा इस संस्था की स्थापना के साथ ही इससे जुड़े जो जुड़ाव आजीवन बना रहा। जैन विश्व भारती के कार्याध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री व अन्य अनेक पदों पर उन्होंने अपनी उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की तथा वर्तमान में वे जैन विश्व भारती के कुलपति पद को सुशोभित कर रहे थे। जैन विश्व भारती के विकास में उनका अहर्निश योगदान रहा। जैन विश्व भारती में संचालित सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला को उन्होंने अपने श्रम से विकसित किया तथा लंबे समय तक इसके प्रधान न्यासी के रूप में अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान की। सहजता, सरलता, गंभीरता, सौम्यता, संघ के हितों की सुरक्षा के लिए सदैव चिंतन आदि अनेक विशिष्टताओं के कारण धर्मसंघ के तीन-तीन आचार्यों का विश्वास, वात्सल्य एवं कृपा का प्रसाद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जैन विश्व भारती एवं सेभावादी आयुर्वेदिक रसायनशाला को उनका योगदान व सेवाएं इतिहास के अमिट दस्तावेज बनकर उनकी स्मृतियों को चिरजीवी बनाये रखेंगे। ऐसे विशिष्ट व्यक्तित्व को जैन विश्व भारती की ओर से सादर श्रद्धांजलि समर्पित करते हुए उनके आध्यात्मिक विकास की मंगल कामना करता हूं।

जैन विश्व भारती के प्रेक्षा फाउण्डेशन से जुड़े विशेष कार्यकर्त्ता डॉ. जी.एल. जैन, उदयपुर का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूंगा जो प्रबुद्ध होने के साथ-साथ एक श्रद्धालु, संघनिष्ठ एवं जिम्मेदार श्रावक थे। जैन विश्व भारती की मुख्य प्रवृत्तियों प्रेक्षाध्यान एवं जीवन विज्ञान के प्रचार-प्रसार व विकास में उनका विशेष सहयोग, सहभागिता तथा मार्गदर्शन प्राप्त था। उनको एवं इस वर्ष के दौरान दिवंगत हुए सभी श्रावक-श्राविकाओं को सादर श्रद्धांजलि समर्पित करता हूं।

एक परिचय

गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी एवं आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के स्वप्नों की साकार प्रतिमान जैन विश्व भारती की स्थापना शिक्षा, शोध, साधना एवं सेवा के विशेष उद्देश्यों के साथ सन् 1970 में राजस्थान के नागौर जिले के लाडनूं नगर में हुई। प्राकृत एवं जैन दर्शन का उच्चस्तरीय अध्ययन व शोध संस्थान होने के अलावा इस संस्था ने अहिंसा प्रशिक्षण, जीवन विज्ञान व प्रेक्षाध्यान के अंतरराष्ट्रीय केन्द्र के रूप में ख्याति अर्जित की है। जिसे गणाधिपति श्री तुलसी एवं आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने 'कामधेनु' के रूप में संकल्पित किया था, उस जैन विश्व भारती ने चार दशकों की कालयात्रा में जो उपलब्धियां अर्जित की है, वे निश्चित ही जैन विद्या-विकास के क्षेत्र में मील की पत्थर हैं। इतिहास के पृष्ठों में इन्हें स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया जाएगा।

सम्पूर्ण मूल आगमों के समीक्षात्मक संस्करण का प्रकाशन वाचना प्रमुख गुरुदेव गणाधिपति तुलसी एवं मुख्य सम्पादक आचार्य महाप्रज्ञ के वे अमर स्मारक हैं जो संभवतः शताब्दियों तक अपने ज्ञानालोक से सम्पूर्ण मानव-जाति को भगवान महावीर के उन शाश्वत स्वरों का अवबोध प्रदान करता रहेगा। इसी के साथ अधिकांश आगमों के सभाष्य (सटिप्पण) हिन्दी अनुवाद (संस्कृत छाया-सहित) का प्रकाशन कर संस्था ने जैन जगत की अपूर्व सेवा का लाभ प्राप्त किया है।

लगभग दो दशक पूर्व संस्थापित जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय एक अत्यधिक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है जिसके लिए सम्पूर्ण विद्या-जगत् आचार्यद्वय के इस अमर अवदान के लिए उनके प्रति चिर कृतज्ञ रहेगा। संस्था द्वारा संचालित तुलसी अध्यात्म नीडम् तथा प्रेक्षाध्यान साधना की समस्त गतिविधियां - जिनके द्वारा न केवल भारत के अपितु समस्त विश्व के अनेक अध्यात्म-साधक इस वैज्ञानिक साधना-पद्धति का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। यह जैन विश्व भारती की एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार जीवन विज्ञान, जो शिक्षा क्षेत्र में सक्षमुच नव अभियान के रूप में सफलता के साथ आगे चरण बढ़ा रहा है, जैन विश्व भारती की अन्य महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। लगभग 300 पुस्तकों का प्रकाशन जैन वाङ्मय के इतिहास में अभिवृद्धि का स्मारक चिह्न बन गया है। समण संस्कृति संकाय द्वारा हजारों बालक-बालिकाओं के संस्कार-निर्माण एवं तत्त्वज्ञान-अभिवृद्धि का अमूल्य कार्य हुआ है। विमल विद्या विहार से उत्तीर्ण होकर सैकड़ों बालक-बालिकाएं उच्च शिक्षा एवं सफल कैरियर के लिए तैयार हुए हैं। सेवाभावी कल्याण केन्द्र ने हजारों व्यक्तियों की आरोग्य-सेवा में अपना योगदान दिया है। सुरम्य हरीतिमा से सुशोभित परिसर का विकास जैन विश्व भारती के बाह्य सौन्दर्य की मुखर कहानी कह रहा है।

जैन विश्व भारती के वर्तमान में 1 संस्थापक सदस्य, 13 मानद सदस्य एवं 877 आजीवन सदस्य हैं। इस वर्ष 18 नये आजीवन सदस्य बने। जैन विश्व भारती शिक्षा, सेवा, साधना, साहित्य, शोध, समन्वय एवं संस्कृति के समरसकार रूपी उद्देश्यों के साथ निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। संस्था के वर्ष 2011-12 की गतिविधियों एवं विकास कार्यों का विवरण प्रस्तुत है -

शिक्षा

जैन विश्व भारती की स्थापना जिन उद्देश्यों को लेकर हुई थी उनमें से एक मुख्य प्रवृत्ति है – शिक्षा। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु यहां प्राथमिक से विश्वविद्यालय स्तर तक समस्त शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जैन विश्व भारती के तत्वावधान में वर्तमान में जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, विमल विद्या विहार सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर एवं महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर संचालित हैं।

भावी पीढ़ी में संस्कारों के संरक्षण तथा आध्यात्मिक व नैतिक शिक्षा के विकास की दृष्टि से 'समण संस्कृति संकाय' के अंतर्गत जैन विद्या की शिक्षा प्रदान की जाती है।

मनुष्य के बौद्धिक विकास के साथ मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास हेतु आचार्यश्री तुलसी एवं आचार्यश्री महाप्रज्ञजी ने 'जीवन विज्ञान' की परिकल्पना प्रस्तुत की। ध्यान, योग एवं विज्ञान प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षा का यह क्रांतिकारी प्रयोग जैन विश्व भारती के अंतर्गत 'केन्द्रीय जीवन विज्ञान अकादमी' द्वारा संचालित हो रहा है।

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय

प्राच्य विद्याओं के अध्ययन, अनुसंधान एवं शोध के साथ जैन दर्शन, अहिंसा, शांति, प्रेक्षाध्यान एवं जीवन विज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से सन् 1991 में स्थापित यह संस्थान एक अनूठे विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ है। जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय अपने अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी के महनीय मार्गदर्शन एवं मातृ संस्था जैन विश्व भारती के संरक्षण में शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्य के क्षेत्र में गति से प्रगति की ओर अग्रसर है। संस्थान की स्थापना के समय स्नातकोत्तर स्तर पर 4 पाठ्यक्रम चालू थे जो क्रमशः बढ़ते-बढ़ते आज नियमित स्तर पर 36 तथा पत्राचार स्तर पर 18 कुल 54 शैक्षिक (स्नातक, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा प्रमाण पत्र के) पाठ्यक्रम चल रहे हैं, जिनमें हजारों की संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत पत्राचार के माध्यम से विश्वविद्यालय वर्तमान में स्नातकोत्तर स्तर पर 6 विषयों में एम.ए./एम.एससी. का पाठ्यक्रम तथा स्नातक स्तर पर जैन विद्या एवं संबंधित विषयों में बी.ए. का पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इसके अतिरिक्त पत्राचार में 7 सर्टिफिकेट कोर्स भी संचालित हो रहे हैं। शिक्षा विभाग के अन्तर्गत बी.एड. एवं एम.एड. का पाठ्यक्रम संचालित है।

शैक्षणिक सत्र 2011-12 में नियमित पाठ्यक्रम एवं पत्राचार पाठ्यक्रम के अन्तर्गत गत शैक्षणिक सत्र की संख्या क्रमशः 502 एवं 6404 विद्यार्थियों के स्थान पर इस वर्ष नियमित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 689 एवं पत्राचार पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 6069 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। वर्तमान में पूर्णकालिक व अंशकालिक 83 शोधार्थी विभिन्न विभागों में पंजीकृत हैं एवं गत सत्र की संख्या 21 के स्थान पर इस सत्र में कुल 31 शोधार्थियों को पी.एच.डी. उपाधि प्रदान की गई।

लाडनूं नगर के आसपास के 5 गांवों में महिला शिक्षा के विकास की दिशा में 'आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना' का कार्य चल रहा है। इस परियोजना को आर्थिक सहयोग अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल से प्राप्त हो रहा है, जिसको National Institute of Open Schooling (NIOS) से मान्यता प्राप्त है।

सत्र 2011-12 में कुल 211 छात्राओं/महिलाओं का इन विद्यालयों में नामांकन हुआ। आचार्य महाप्रज्ञ महिला सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र दो गांवों में चल रहा है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न विभागों, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय आदि में खेल-कूद, सांस्कृतिक प्रतियोगिता, व्यक्तित्व विकास शिविर एवं अन्यान्य गतिविधियों का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय की इस वर्ष की विशिष्ट उपलब्धियां इस प्रकार हैं –

- 'इंटरनैशनल समर स्कूल ऑफ अण्डरस्टेण्डिंग जैनिज्म' की दिनांक 23 जुलाई से 12 अगस्त 2011 तक कक्षाएं लाडनूं में आयोजित हुई। यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा एवं इंडियाना यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।
- दिनांक 23 सितम्बर से 05 अक्टूबर 2011 तक आईलीड संस्थान, कोलकाता में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं के लिए सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- दिनांक 13-14 अक्टूबर 2011 को जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय कैरियर काउन्सलिंग सेल एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में राज्य स्तरीय अन्तरमहाविद्यालय सांस्कृतिक एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का 'उड़ान 2011' नामक कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजन किया गया। जिसमें राज्य भर के विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। सुधर्मा सभा में प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी के सान्निध्य में आयोजित इस द्विदिवसीय कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री राजेश बालिया एवं विशिष्ट अतिथि जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के तत्कालीन उपाध्यक्ष श्री प्यारेलाल पितलिया व प्रो. कुसुमलता भंडारी थे।

उड़ान 2011

- दिनांक 17 अक्टूबर 2011 को महादेवलाल सरावगी अनेकान्त शोधपीठ के अंतर्गत आचार्य तुलसी श्रुत संवर्धनी व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।
- जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग द्वारा जैन विद्वान् निर्माण योजना प्रारम्भ की गई।
- दिनांक 01 नवम्बर 2011 से 19 जनवरी 2012 तक विश्वविद्यालय के विस्तार निदेशालय के तत्वावधान में राजस्थान कौशल एवं आजीविका मिशन, जयपुर द्वारा प्रायोजित दक्षता आधारित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम Tailor Children (GAR 2012) & Tailor Laidies (GAR 213) का आयोजन किया गया।
- दिनांक 02 जनवरी 2012 से विश्वविद्यालय के विस्तार निदेशालय एवं समाज कार्य विभाग द्वारा केवल महिलाओं के लिए आर्थिक क्षमता वर्धन परियोजना प्रारम्भ की गई।

- 17 से 21 जनवरी 2012 को विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रेक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया।
- दिनांक 13 फरवरी 2012 को विश्वविद्यालय के कैरियर काउन्सलिंग सेल एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में कैरियर फेयर – 2012 का आयोजन किया गया।
- दिनांक 16 फरवरी 2012 को एडवेंचर स्पोर्टस प्रोग्राम के अन्तर्गत पैरासैलिंग एवं रैपलिंग प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें एवरेस्ट विजेता गौरव शर्मा ने प्रशिक्षण प्रदान किया।
- दिनांक 20 मार्च 2012 को जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय का 22वां स्थापना दिवस समारोह सुधर्मा सभा में शासन गौरव मुनिश्री धनंजयकुमारजी के सान्निध्य में आयोजित हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति श्री एन.एन. माथुर, कुलपति – राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. पी.सी. व्यास, चेयरमैन – राजीव गांधी सेवा फाउण्डेशन, नई दिल्ली उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री मदनलाल लातेड़, मुंबई ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों के विकास हेतु रु. 21 लाख के अनुदान की घोषणा की। श्री लातेड़ के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

22वां स्थापना दिवस समारोह

- आलोच्य अवधि में (अक्टूबर 2011 – जून 2012)विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न विषयों पर 13 कार्यशालाओं, 4 सेमिनार एवं 74 अतिथि व्याख्यान आयोजित किये गये। साथ ही 3 जीवन विज्ञान शिविर, 2 अहिंसा प्रशिक्षण शिविर, 32 ग्राम विकास के कार्यक्रम एवं 43 अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये।
- आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव व्याख्यानमाला' के अंतर्गत 50 विश्वविद्यालयों में व्याख्यान आयोजित किये गये।
- विश्वविद्यालय में 30 x 35 x 16 फीट के वाटर हारवेस्टिंग टैंक का निर्माण कराया गया है।

मातृ संस्था जैन विश्व भारती से संबंधित उल्लेखनीय बिन्दु

विश्वविद्यालय के नये कुलाधिपति का मनोनयन

विश्वविद्यालय के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी की दृष्टि के अनुसार विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के पद पर दिनांक 27.12.2011 से श्री सुरेन्द्र चोरड़िया, कोलकाता को मनोनीत किया गया। दिनांक 09.04.2012 को श्री सुरेन्द्र चोरड़िया द्वारा कुलाधिपति पद से पद विसर्जन पत्र प्राप्त हुआ। दिनांक 25.04.2012 से श्री बसंतराज भंडारी, दिल्ली को आगामी चार वर्ष के लिए कुलाधिपति के पद पर मनोनीत किया गया।

विश्वविद्यालय के प्रबंध मण्डल, वित्त समिति एवं शिष्ट परिषद में मातृ संस्था की ओर से सदस्यों की नियुक्ति

विश्वविद्यालय की संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार विश्वविद्यालय के प्रबंध मण्डल में दिनांक 13.11.11 से आगामी तीन वर्षों के लिए श्री राकेश एस. कठोतिया, मुंबई को एवं दिनांक 27.12.11 से 20.10.13 तक की अवधि के लिए श्री टोडरमल लालानी, दिल्ली एवं वित्त समिति में दिनांक 06.11.11 से आगामी तीन वर्षों के लिए श्री सुमेरमल सुराणा, कोलकाता को नियुक्ति प्रदान की गई।

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय भवन हेतु फर्नीचर का आयात

विश्वविद्यालय के अंतर्गत नवनिर्मित आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय भवन की कक्षाओं के लिए फर्नीचर का आयात जैन विश्व भारती द्वारा कर विश्वविद्यालय को उपलब्ध करवाया गया। इस कार्य में श्री अरूण संचेती एवं श्री प्रदीप चौपड़ा के सहयोग हेतु आभार।

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय भवन में फर्नीचर का आयात

चेन्नई एवं बैंगलोर में जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय चिंतन गोष्ठी का आयोजन

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की गतिविधियों को श्रावक समाज से अवगत करवाने एवं अधिक से अधिक लोगों की इनमें सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 04 एवं 05 फरवरी 2012 को क्रमशः चेन्नई एवं बैंगलोर में चिंतन गोष्ठी का आयोजन मातृ संस्था जैन विश्व भारती के द्वारा किया गया।

चेन्नई की संगोष्ठी हेतु जैन विश्व भारती के ट्रस्टी श्री धर्मचंद लूंकड, संचालिका समिति सदस्य श्री प्रकाशचन्द मुथा एवं श्री मेघराज लूणावत तथा चेन्नई के वरिष्ठ श्रावक श्री प्यारेलाल पितलिया के विशेष सहयोग हेतु आभार। बैंगलोर की संगोष्ठी हेतु जैन विश्व भारती के उपाध्यक्ष श्री इंदरचंद दुधेड़िया, ट्रस्टी श्री नरपतसिंह चोरड़िया, श्री नवरत्नमल बच्छावत एवं संचालिका समिति सदस्य श्री बहादुरसिंह सेठिया के सहयोग हेतु आभार।

चेन्नई संगोष्ठी

बैंगलोर संगोष्ठी

कृतज्ञता/आभार

विश्वविद्यालय के अनुशास्ता परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का विश्वविद्यालय को निरंतर आध्यात्मिक संरक्षण प्राप्त हो रहा है, पूज्यश्री के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी का विश्वविद्यालय के विकास हेतु निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है, इस हेतु आपके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। विश्वविद्यालय के विकास हेतु पूर्व कुलाधिपति श्री लालचंद सिंघी एवं श्री सुरेन्द्र चोरड़िया तथा वर्तमान कुलाधिपति श्री बसंतराज भंडारी के कुशल परामर्श एवं सहयोग हेतु हार्दिक आभार। विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी हर पल विश्वविद्यालय को नए क्षितिज पर पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। आपके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के पूर्व वित्त सलाहकार श्री ताराचंद रामपुरिया एवं वर्तमान वित्त सलाहकार श्री प्रमोद बैद की उल्लेखनीय सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ महाविद्यालय के प्राध्यापकों/समणीवृन्द की विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों जैसे – व्याख्यान, पाठ लेखन, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सम्पर्क कक्षाओं की आयोजना में सक्रिय सहभागिता रही। विश्वविद्यालय को प्रदत्त अनुदान हेतु सभी सहयोगी महानुभावों एवं परिवारों के प्रति हार्दिक आभार। विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल, शिष्ट परिषद एवं वित्त समिति में मातृ संस्था द्वारा मनोनीत प्रतिनिधियों एवं अन्य सदस्यों की सेवाओं हेतु साधुवाद। सभी प्रशासनिक अधिकारीगण एवं प्राध्यापकगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

विमल विद्या विहार सीनियर सैकेण्डरी स्कूल

परम पूज्य आचार्य श्री तुलसी का निरंतर यह प्रयास एवं प्रेरणा रही की जैन विश्व भारती में एक ऐसा विद्यालय स्थापित हो जहां विद्यार्थियों के शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ चारित्रिक विकास पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाये। आचार्य श्री तुलसी की प्रेरणा से जैन विश्व भारती द्वारा अप्रैल सन् 1989 में विमल विद्या विहार के नाम से अंग्रेजी माध्यम के नगर के प्रथम प्राथमिक विद्यालय का प्रारंभ हुआ। इस विद्यालय में नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक अंग्रेजी माध्यम से शिक्षण की व्यवस्था है तथा यह लाडनूं व आस-पास के क्षेत्रों का एकमात्र सी.बी.एस.ई. मान्यता प्राप्त विद्यालय है। विद्यालय दो उच्च स्तरीय भवनों में विभक्त है। गत शैक्षणिक सत्र के विद्यार्थियों की संख्या 746 के स्थान पर इस शैक्षणिक सत्र में लगभग 225 विद्यार्थियों के नये प्रवेश के साथ वर्तमान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की संख्या लगभग 900 है। गत शैक्षणिक सत्र में लगभग 25 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

विद्यार्थियों के आवागमन हेतु 5 बसों की सुव्यवस्था है। वर्तमान में लाडनूं एवं आसपास की लगभग 30 किलोमीटर की परिधि में विभिन्न क्षेत्रों के विद्यार्थी इस सुविधा से लाभान्वित हो रहे है। विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं सृजनात्मक शक्ति, भाषा, लेखनी, कला एवं संगीत की विभिन्न कक्षाओं के साथ समय-समय पर विविध कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते है। विद्यार्थी प्राच्य कलाओं के साथ आधुनिक कार्यशैली में दक्ष एवं निपुण हों इस उद्देश्य से कम्प्यूटर लैब, भौतिक एवं रासायनिक प्रयोगशाला की भी समीचीन व्यवस्था है। शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु विविध खेलकूद की समुचित व्यवस्था विद्यालय प्रांगण में है। शैक्षणिक सत्र 2011-12 की विशिष्ट उपलब्धियां निम्नप्रकार है -

गत दो शैक्षणिक सत्रों का तुलनात्मक परीक्षा परिणाम

नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक -

शैक्षणिक सत्र	कुल विद्यार्थी	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	परिणाम प्रतिशत
2010-11	476	476	-	100
2011-12	480	480	-	100

कक्षा 6 से 12 तक -

शैक्षणिक सत्र	कुल विद्यार्थी	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	परिणाम प्रतिशत
2010-11	239	237	2	99.18
2011-12	270	268	2	99.25

कुल विद्यार्थी - नर्सरी से कक्षा पांच

शैक्षणिक सत्र	कुल विद्यार्थी
2010-11	476
2011-12	480

कुल विद्यार्थी - कक्षा 6 से 12

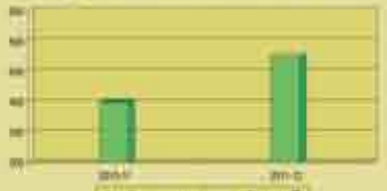

शैक्षणिक सत्र	कुल विद्यार्थी
2010-11	239
2011-12	270

नवनिर्मित प्रथम तल का उद्घाटन समारोह

दिनांक 5 मई को विद्यालय के नवनिर्मित प्रथम तल का उद्घाटन राजस्थान सरकार के ऊर्जा, जनस्वास्थ्य, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री माननीय डॉ. जितेन्द्र सिंह के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सुधर्मा सभा में एक वृहद् कार्यक्रम 'शासन गौरव' मुनिश्री धनंजयकुमारजी के सान्निध्य में आयोजित किया गया, जिसमें नवनिर्मित प्रथम तल के निर्माण में सहयोगी अनुदानदाताओं को सम्मानित किया गया तथा विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को मणिपाल फाउण्डेशन की ओर से लेपटॉप प्रदान किये गये। इस विशिष्ट कार्यक्रम में माननीय मंत्री महोदय के अतिरिक्त नागौर जिला कलेक्टर श्री अशोक भण्डारी, राजस्था क्रिकेट ऐसोसिएसन के पूर्व सचिव श्री सुभाष जोशी, इन्फोसिस जयपुर शाखा के प्रमुख श्री वासुदेवा, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा, लाडनूं नगरपालिका अध्यक्ष श्री बच्छराज नाहटा सहित जिला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विमल विद्या विहार विद्यालय के नवनिर्मित प्रथम तल का उद्घाटन समारोह

नई कम्प्यूटर लैब का निर्माण

कम्प्यूटर शिक्षा के महत्व को देखते हुए इस वर्ष विद्यालय की प्रथम ईमारत में नई कम्प्यूटर लैब का निर्माण कराया गया, जिसका उद्घाटन दिनांक 05 मई 2012 को राजस्थान सरकार के ऊर्जा, जनस्वास्थ्य, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री माननीय डॉ. जितेन्द्र सिंह के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। कम्प्यूटर लैब के लिए 40 कम्प्यूटर सेट श्री अभय जैन, बैंगलोर की प्रेरणा से इन्फोसिस लि., पुणे की ओर से प्राप्त हुए. एतदर्थ हार्दिक आभार।

नवनिर्मित कम्प्यूटर लैब

जाई.सी.टी. कक्षाएं

शिक्षा को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने अध्यापन को प्रभावी बनाने के लक्ष्य से विद्यालय की पांच कक्षाओं को गत वर्ष सूचना संवाद तकनीक (Information Comunicative Technology) के द्वारा 'स्मार्ट क्लास' के रूप में विकसित किया गया था। इस वर्ष 7 अतिरिक्त कक्षाओं को इस विधा से जोड़ा गया है। अब विद्यालय की 12 कक्षाओं में नई तकनीक से अध्ययन का क्रम प्रारंभ हो गया है। इसके लिए भी पूर्व कक्षाओं की तरह संपूर्ण आर्थिक सहयोग श्री अभय जैन (दूगड़), लाडनूं-बैंगलोर द्वारा उनके पिताजी स्व. भीकमचंदजी दूगड़ की पुण्य स्मृति में प्रदान किया गया, एतदर्थ हार्दिक आभार।

विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को लेपटॉप प्रदत्त

विद्यालय के प्रतिभावान 15 विद्यार्थियों को मणिपाल फाउण्डेशन द्वारा उपयोग में लिये हुए लेपटॉप विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु वितरित किये गये। दिनांक 05 मई 2012 को आयोजित विशेष समारोह में राजस्थान सरकार के उर्जा, जनस्वास्थ्य, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री माननीय डॉ. जितेन्द्र सिंह के करकमलों से विद्यार्थियों को लेपटॉप प्रदान किये गये। इस कार्य में श्री अभय जैन, बैंगलोर की उल्लेखनीय भूमिका एवं मणिपाल फाउण्डेशन के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

विद्यालय में Soft Skill के प्रशिक्षण का क्रम प्रारंभ

विद्यालय के कक्षा 10 एवं 11 के विद्यार्थियों के लिए नवंबर 2011 से Soft Skill के प्रशिक्षण का क्रम प्रारंभ किया गया है। प्रत्येक सप्ताह 1 घण्टे की कक्षा समणीवृंद द्वारा ली जा रही है। समणीवृंद द्वारा प्रशिक्षण सहयोग हेतु हार्दिक कृतज्ञता।

नये फर्नीचर की व्यवस्था

इस वर्ष विद्यालय के छः कमरों को जैन विश्व भारती द्वारा आयातित लगभग रु. 6 लाख की कीमत के युगानुकूल सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित किया गया।

आयातित फर्नीचर से सुसज्जित क्लास रूम

स्मार्ट क्लास

नये अध्यापकों की नियुक्तियां

शैक्षणिक सत्र 2012-13 में विद्यालय में अंग्रेजी विषय के तीन, विज्ञान विषय के एक, गणित विषय के एक, कम्प्यूटर विषय के एक, शारीरिक शिक्षा विषय के एक एवं प्राथमिक विद्यालय के तीन अध्यापकों सहित कुल 10 अध्यापकों को नव नियुक्तियां प्रदान की गई।

अन्य गतिविधियां

इसके अतिरिक्त अन्य गतिविधियों में भी विद्यालय की उपलब्धियां गौरवपूर्ण रहीं। जिनमें चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि आयोजित हुए। क्रिकेट, फुटबाल, बालीबॉल, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, खो-खो, एथलेटिक्स व प्रारम्भिक कक्षाओं के लिए अनेक खेलों की प्रतियोगिता हुई। इस प्रकार विद्यार्थियों के शारीरिक व मानसिक विकास हेतु अनेक गतिविधियां संचालित की जाती हैं। जीवन विज्ञान द्वारा विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास किया जाता है। विभिन्न आसनों, ध्यान, ध्वनि व संस्कार प्रशिक्षण के द्वारा आत्मविश्वास व प्रेरणा का संचार किया जाता है।

कृतज्ञता / आभार

समणी मधुरप्रज्ञाजी विमल विद्या विहार के निदेशक के रूप में काफी समय से अपना महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं। उनके कुशल निर्देशन में विद्यालय निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। विद्यालय मैनेजमेंट कमेटी के पूर्व चेयरमैन श्री राकेश कठोतिया का विद्यालय के संचालन एवं विकास में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है, इस हेतु उनके प्रति हार्दिक आभार। विद्यालय मैनेजमेंट कमेटी के नव नियुक्त चेयरमैन श्री प्रकाशचंद बैद के निर्देशन एवं सहयोग हेतु हार्दिक आभार। विद्यालय के प्राचार्य श्री सम्पत जैन, प्रबंधक सुश्री कमला कठोतिया की सेवाओं हेतु हार्दिक साधुवाद। विद्यालय के पूरे प्रबंधन, अध्यापकगण एवं सभी कर्मचारीगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, जयपुर

"महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल" का शुभारंभ दिनांक 6 अप्रैल, 2006 को जैन विश्व भारती की एक इकाई के रूप में किया गया। यह विद्यालय भवन जहां एक ओर प्रदूषण रहित, सघन हरीतिमा से युक्त परिवेश में बच्चों की छुपी हुई प्रतिभाओं को उजागर कर उन्हें राष्ट्रोपयोगी बनाने के प्रयासों की एक बेहतरीन पहल कर रहा है वहीं दूसरी ओर आधुनिक तकनीकी एवम् संसाधनों से युक्त इस विद्यालय को ऑडियो -विजुअल प्रोजेक्टर, सुसज्जित कम्प्यूटर लैब, सेण्डपिट एवं थिमेटिक-टीचिंग आदि आधुनिक व्यवस्थाओं से सम्पन्न बनाया गया है। एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यक्रम पर आधारित शिक्षा प्रणाली के साथ बैग-लेस एज्यूकेशन को प्राथमिकता देते हुए बच्चों के व्यक्तित्व विकास व सुसंस्कारित जीवन कौशल की क्रियान्विति पर विशेष बल दिया जा रहा है।

शैक्षणिक सत्र 2011-12 में 18 अध्यापक, अध्यापिका वर्ग एवं 185 विद्यार्थियों के पठन-पाठन के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रथम सत्र में विद्यालय को प्रारम्भिक कक्षा (प्ले ग्रुप) से कक्षा पाँच तक संचालित किया गया जो प्रतिवर्ष क्रमोन्नति के अनुसार गत सत्र में कक्षा-8 तक विस्तारित हुआ एवं वर्तमान सत्र में कक्षा 9 तक विस्तारीकरण किया गया।

शैक्षणिक सत्र 2011-12 के उल्लेखनीय कार्य निम्नलिखित है -

विद्यालय को सी.बी.एस.ई. एफिलिऐशन प्राप्त

विद्यालय को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) द्वारा प्राप्त उनके पत्र दिनांक 04.03.2012 के अनुसार एफिलिऐशन प्रदान कर दिया गया है। विद्यालय का एफिलिऐशन क्रमांक 1730522 है।

खेल मैदान का निर्माण

विद्यार्थियों की सुविधार्थ विद्यालय भवन के सामने 1728 वर्ग फीट भूमि पर विभिन्न प्रकार के खेलों हेतु कोर्ट्स तैयार किये गये।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

विद्यालय द्वारा कक्षा स्तर पर एवं अंतर्विभागीय स्तर पर सामान्य ज्ञान, वाद-विवाद, कहानी लेखन, भजन गायन, चित्रकला आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

क्रियाशीलता दिवस का आयोजन

दिनांक 19 नवंबर 2011 को विद्यालय में क्रियाशीलता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा–1 से 5 के विद्यार्थियों ने कागज के द्वारा सुंदर आकृतियों का निर्माण किया एवं कक्षा–6 से 8 के विद्यार्थियों ने अपने चेहरों एवं हाथों पर टैटू सजाये। बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को उजागर करने का यह सफल प्रयास रहा।

'रीडिंग ए फन' कार्यक्रम का आयोजन

विद्यार्थियों की अध्ययन में रुचि जागृत करने के उद्देश्य से दिनांक 25 नवंबर 2011 को विद्यालय में 'रीडिंग ए फन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन को रुचिकर बनाने के गुर विद्यार्थियों को सिखाये गये, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दैनिक भास्कर समूह द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में सहभागिता

दिनांक 08 फरवरी 2012 को दैनिक भास्कर समूह द्वारा 'मेरे सपनों का जयपुर' विषयक चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में 20,000 विद्यार्थियों ने भाग लेकर 13 कि.मी. लम्बी ड्रॉईंग सीट पर एक साथ चित्रकला कर लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कराया।

महत्त्वपूर्ण दिवस एवं त्यौहारों का आयोजन

वर्ष भर के दौरान समस्त महत्त्वपूर्ण दिवस जैसे – गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, बाल दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती आदि के साथ–साथ त्यौहारों का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया।

विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन

विभिन्न सूचना प्रदायक कार्यशालाओं जैसे – पत्रकारिता, स्वास्थ्य एवं पोषण आदि का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने भाग लिया।

विद्यालय का गौरव

विद्यालय के कक्षा 6 के छात्र श्री अनिरुद्ध कुमावत एवं कक्षा 5 की छात्रा सुश्री खुशी अग्रवाल ने टेबल टेनिस एवं स्केटिंग प्रतियोगिता में जिला स्तर व राज्य स्तर पर जीत अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

दिनांक 02 मार्च 2012 को वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया एवं विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

'कन्या बचाओ' विषयक कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 20 मार्च 2012 को विद्यालय प्रांगण में महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल एवं तेरापंथ महिला मण्डल, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में साध्वीश्री रामकुमारीजी, साध्वीश्री अणिमाश्रीजी, साध्वीश्री मंगलप्रज्ञाजी एवं साध्वीश्री संयमश्रीजी आदि साध्वीवृंद के सान्निध्य में 'कन्या बचाओ' (Save Child Girl) विषयक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मीतासिंह, डॉ. राजकुमार सोमानी, डॉ. रत्ना बैद, श्रीमती कमला पोद्दार आदि विशिष्ट महानुभावों की उपस्थिति रही। सान्निध्य प्रदान करवाने हेतु साध्वीवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता एवं तेरापंथ महिला मण्डल, जयपुर के सहयोग हेतु आभार।

ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैम्प)

विद्यालय में बीस दिवसीय ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर (समर कैम्प) का आयोजन दिनांक 10 मई से 05 जून 2012 को किया गया। विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को उजागर करने की दृष्टि से बॉस्केट बाल, स्केटिंग, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, इंग्लिश स्पोकन, संगीत, नृत्य, कम्प्यूटर आदि के प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों का सुचारु रूप से संचालन किया गया। विद्यार्थियों ने सभी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज की।

कृतज्ञता / आभार

यह विद्यालय जैन विश्व भारती की एक इकाई के रूप में कार्यरत है। विद्यालय के सुव्यवस्थित संचालन में सहयोग हेतु व्यवस्थापक बोर्ड के चेयरमैन श्री पन्नालाल बैद एवं अन्य सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती रंजना तिवारी का विद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ, इस हेतु उनके प्रति आभार। सभी अध्यापकगण, अध्यापिकागण एवं कर्मचारीगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

महाप्रज्ञ इन्टरनेशन स्कूल टमकोर

राजस्थान के झुंझुनू जिले का छोटा सा कस्बा है – 'टमकोर'। इस कस्बे को विश्व संत आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। सन् 2006 में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के टमकोर पदार्पण के अवसर पर कस्बे के शैक्षणिक विकास का चिंतन चला। उसी चिंतन की फलश्रुति के रूप में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के जन्म दिवस के अवसर पर दिनांक 12 जुलाई 2007 को टमकोर में 'महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल' का शुभारंभ हुआ। शैक्षणिक सत्र 2010–11 में हुये निर्णयानुसार यह विद्यालय जैन विश्व भारती की ईकाई के रूप में संचालित है। वर्तमान में इस विद्यालय में टमकोर तथा आस–पास के 10 गांवों के लगभग 530 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। अंग्रेजी माध्यम के इस विद्यालय में जीवन विज्ञान तथा अणुव्रत की कक्षाएं भी नियमित चल रही है। गत शैक्षणिक सत्र की संख्या 40 के स्थान पर सत्र 2011–12 में विद्यालय के 60 असहाय/अनाथ/असक्षम विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षण, पाठ्य पुस्तक, गणवेश आदि की सुविधा दी गई। विद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2011–12 की प्रमुख गतिविधियों की जानकारी निम्नलिखित है –

गत दो शैक्षणिक सत्रों का तुलनात्मक विवरण

शैक्षणिक सत्र	कुल विद्यार्थी	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	परिणाम प्रतिशत
2010–11	426	423	3	99.29
2011–12	485	485	0	100.00

विद्यालय भवन का निर्माण

विद्यालय में विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या एवं विकास की संभावनाओं को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शैक्षिक सुविधाओं एवं शैक्षिक परिवेश के विकास के उद्देश्य के साथ जुलाई 2010 में टमकोर में एक विशाल भू–खण्ड पर विद्यालय के भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। विद्यालय भवन की बिल्डिंग के प्रथम तल के लगभग 50,000 वर्ग फुट के निर्माण कार्य में 20 कमरे एवं 2 हॉल बने हैं। इस भवन के निर्माण में जैन विश्व भारती के प्रधान ट्रस्टी एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के चेयरमैन श्री रणजीतसिंह कोठारी समर्पित भाव से एवं तन, मन, धन से जुड़े हुए हैं। उनके महत्वपूर्ण सहयोग हेतु हार्दिक आभार। इस परियोजना के सभी सहयोगी महानुभावों एवं परिवारों के प्रति हार्दिक आभार।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

विद्यार्थियों की प्रतिभा को उजागर करने की दृष्टि से सितम्बर 2011 में विद्यालय में रंगोली एवं प्रश्नोत्तर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

महत्त्वपूर्ण दिवस एवं त्यौहारों का आयोजन

वर्ष भर के दौरान समस्त महत्त्वपूर्ण दिवस जैसे – गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, बाल दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती आदि के साथ–साथ त्यौहारों का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया।

विद्यालय में मुनिवृंद का आगमन एवं कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 27 मार्च को विद्यालय में 'शासनश्री' मुनिश्री सुखलालजी एवं मुनिश्री मोहजीतकुमारजी आदि मुनिवृंद के सान्निध्य में टमकोर तहसील के अनेक गांवों में संचालित अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्रों का कार्यक्रम आयोजित हुआ। विद्यालय के विद्यार्थियों की भी कार्यक्रम में सहभागिता रही तथा इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों को उनके प्रोजेक्ट के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में झुंझुनू जिला कलेक्टर श्री जोगाराम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुनिवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

अभिभावक संगोष्ठी

दिनांक 22 मार्च 2012 को विद्यालय में अभिभावकों के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन रखा गया, जिसका विषय था – 'संतान के विकास में माता–पिता की भूमिका'। अनेक अभिभावकों ने अपने विचार व्यक्त किये।

कृतज्ञता / आभार

समणी निर्देशिका प्रतिभाप्रज्ञाजी का विद्यालय के संचालन एवं विकास में महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। समणीजी जिस निष्ठा व समर्पण भाव के साथ पूज्यवरों के स्वप्न के अनुरूप इस विद्यालय को एक मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित करने हेतु प्रयासरत है, वह निश्चित ही स्तुत्य है। उनके निर्देशन में समणी पुण्यप्रज्ञाजी प्राचार्या के पद पर कार्यरत हैं। समणीवृंद के उल्लेखनीय श्रम हेतु हार्दिक कृतज्ञता। जैन विश्व भारती के प्रधान ट्रस्टी एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के चेयरमैन श्री रणजीतसिंह कोठारी के महत्वपूर्ण सहयोग एवं सेवाओं हेतु हार्दिक आभार।

समण संस्कृति संकाय

गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी और आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के लोककल्याणकारी अवदानों में से सामाजिक, आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक स्तर पर एक महत्वपूर्ण गतिविधि है – 'जैन विद्या का प्रचार'। पूज्यवरों की दृष्टि को आराधते हुए नई पीढ़ी में सद्-संस्कार जागृत करने एवं उनके उन्नत व सुदृढ़ भविष्य के निर्माण के लक्ष्य के साथ 'समण संस्कृति संकाय' सन् 1977 से जैन विश्व भारती के अन्तर्गत कार्यरत है एवं वर्तमान में यह विभाग पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के मार्गदर्शन में सतत् विकासशील है।

समण संस्कृति संकाय द्वारा संचालित जैन विद्या परीक्षाओं का उपक्रम निरन्तर गतिशील है। संकाय 36 वर्षों से जैन विद्या परीक्षाओं का आयोजन कर रहा है। प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में परीक्षार्थी सम्मिलित होकर संस्कार निर्माण की दिशा में गति कर रहे हैं। जैन विद्या का अध्ययन न केवल आध्यात्मिक क्षेत्र में उपयोगी है अपितु सामाजिक व व्यावहारिक क्षेत्र में इसकी उपादेयता है। नौ वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेशिका, विशारद, रत्न व विज्ञ की परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। नौ वर्षीय परीक्षाएं उत्तीर्ण कर लेने पर विद्यार्थी को 'विज्ञ' उपाधि से सम्मानित किया जाता है। प्रतिवर्ष सम्पूर्ण भारत व नेपाल में जैन विद्या केन्द्र स्थापित किये जाते हैं। इन केन्द्रों के संचालन हेतु केन्द्र व्यवस्थापकों की नियुक्ति की जाती है, जो इन केन्द्रों के सुसंचालन का दायित्व ग्रहण करते हैं। लगभग 235-40 केन्द्रों पर प्रतिवर्ष परीक्षाएं आयोजित होती हैं। अब तक स्थापित केन्द्रों में गत वर्ष की संख्या 232 के स्थान पर इस वर्ष स्थायी केन्द्रों की संख्या 239 हो गयी है। भारत के 16 प्रान्तों व नेपाल में जैन विद्या परीक्षाओं का आयोजन होता है।

जैन विद्या परीक्षा परिणाम 2011

समण संस्कृति संकाय द्वारा संचालित सत्र 2011-12 की जैन विद्या परीक्षाएं दिनांक 05 व 06 नवम्बर को 239 केन्द्रों पर आयोजित हुई। इन परीक्षाओं में 8466 आवेदकों में से 5652 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा परिणाम 88.29 प्रतिशत रहा। परीक्षा परिणाम दिनांक 24 मार्च 2012 को सिरियारी में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में घोषित किया गया। परीक्षा परिणाम जैन विश्व भारती व तेरापंथ की वेबसाइट www.jvbharati.org एवं www.terapanthinfo.com माध्यम से सबको उपलब्ध करवाया गया।

गत दो वर्षों में स्थापित केन्द्र, आवेदक, परीक्षार्थी एवं परीक्षा परिणाम

वर्ष	केन्द्र स्थापित	स्थायी/अस्थायी	आवेदक	परीक्षार्थी	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	परिणाम प्रतिशत
2010-11	232	176/56	9324	6355	4809	546	89.80
2011-12	239	182/57	8466	5652	4990	662	88.29

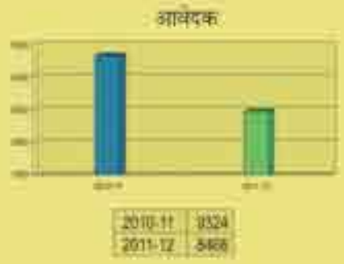

जैन विद्या कार्यशाला

समण संस्कृति संकाय एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा संयुक्त रूप से गत तीन वर्षों से जैन विद्या कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जैन विद्या कार्यशाला भाग-3 का आयोजन किया गया। पाठ्य पुस्तक समण संस्कृति संकाय, जैन विश्व भारती द्वारा तैयार कर प्रकाशित की गयी। देशभर की तेरापंथ युवक परिषदों को अपेक्षानुसार पुस्तकें जैन विश्व भारती द्वारा उपलब्ध करवायी गयी। इस परीक्षा में 45 केन्द्रों से 1050 संभागियों ने हिस्सा लिया। परिणाम 69.24 प्रतिशत रहा। स्थानीय स्तर पर आयोजन में स्थानीय तेरापंथ युवक परिषदों के संचालन सहयोग हेतु आभार। जैन विद्या कार्यशाला भाग दो व तीन की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर वरीयता प्राप्त परीक्षार्थियों का पुरस्कार वितरण समारोह पूज्यवर के सान्निध्य में केलवा में दिनांक 04 नवम्बर 2011 को आयोजित किया गया। पुरस्कार प्रायोजक श्री मालचन्द बैंगानी, दिल्ली के सहयोग हेतु आभार। जैन विद्या कार्यशाला भाग-1 व 2 के सभी प्रतियोगियों को इस वर्ष प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। कार्यशालाओं की व्यवस्थाओं के नियोजन में श्री निलेश बैद, चेन्नई के सहयोग व सेवाओं हेतु आभार।

जय तिथि पत्रक का प्रकाशन

समण संस्कृति संकाय द्वारा मर्यादा महोत्सव के अवसर पर विगत 32 वर्षों से निरन्तर जन-जन उपयोगी सामग्री के साथ जय तिथि पत्रक (पंचांग) का प्रकाशन किया जा रहा है। इस वर्ष आगेट मर्यादा महोत्सव के अवसर पर विक्रम संवत 2069 का जय तिथि पत्रक प्रकाशित किया गया। तिथि पत्र के सम्पादन में 'मंत्री मुनि' मुनिश्री सुमेरमलजी, लाडनूं अपना बहुमूल्य समय व श्रम नियोजित कर रहे हैं, मुनिश्री के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। जय तिथि पत्रक के प्रकाशन एवं विज्ञापन संग्रह संबंधी विभिन्न व्यवस्थाओं के नियोजन में श्री रतनलाल बाँठिया की उल्लेखनीय सेवाओं व सहयोग हेतु हार्दिक आभार। प्रकाशन में आर्थिक सौजन्य के रूप में सहयोगी संस्थाओं, महानुभावों एवं परिवारों के प्रति हार्दिक आभार।

जैन विद्या पाठ्यक्रम में संशोधन

सत्र 2011-12 की जैन विद्या परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में विज्ञ प्रथम वर्ष के द्वितीय प्रश्नपत्र में संशोधन किया गया। 'आत्मा का दर्शन' पुस्तक के स्थान पर 'आचार्य भिक्षु' पुस्तक लागू की गयी।

आंचलिक संयोजक कार्यशाला

दिनांक 02 अक्टूबर 2011 को केलवा में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में आंचलिक संयोजक कार्यशाला का आयोजन किया गया। संकाय की गतिविधियों, जैन विद्या के विकास के संदर्भ में चिंतन-मंथन किया गया। तीन सत्रों में विभक्त कार्यक्रम में आंचलिक संयोजकों, केन्द्र व्यवस्थापकों, विज्ञ उपाधि धारकों के साथ जैन विद्या परीक्षाओं के संदर्भ में आपसी चर्चा हुई। आंचलिक संयोजकों के दायित्व, लक्ष्य एवं विकास बिन्दु निर्धारित किये गये।

न्यूज बुलेटिन 'समण संस्कृति

समण संस्कृति संकाय की गतिविधियों को व्यापकता प्रदान करने के उद्देश्य से 'समण संस्कृति' के नाम से त्रैमासिक न्यूज बुलेटिन का प्रारम्भ किया गया जिसका प्रवेशांक 01 अक्टूबर 2011 को केलवा में आचार्यश्री महाश्रमणजी को भेंट किया गया। अंक-1 के लिए आर्थिक सौजन्य हेतु श्री दौलत, कैलाश, प्रताप, अभिनीत डागा, जयपुर के प्रति आभार। अंक-2 के लिए आर्थिक सौजन्य हेतु श्री जतन गारखे, हावड़ा के प्रति आभार।

जैन विद्या दीक्षांत समारोह

जैन विद्या दीक्षांत समारोह

समण संस्कृति संकाय का सबसे महत्वपूर्ण समारोह है– जैन विद्या दीक्षांत समारोह। संकाय का 14वां दीक्षांत समारोह 01 अक्टूबर 2011 को केलवा में परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में आयोजित किया गया। जिसमें करीब 185 संभागियों की उपस्थिति रही। विज्ञ उपाधि प्राप्तकर्ताओं को मेडल व उपाधि प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्तकर्ताओं को स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक प्रदान किये गये। इस अवसर पर आचार्यश्री महाश्रमणजी ने फरमाया – 'जैन विश्व भारती की अनेक गतिविधियां है, उनमें एक सक्षम ठोस गतिविधि समण संस्कृति संकाय की है। आज के दीक्षांत समारोह को देखकर विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह की झलक प्रतीत होती है। वही गरिमा, वही स्थिति दिखाई दे रही है।' पुरस्कार हेतु अर्थ सौजन्य के लिए श्री मालचंद बैगानी, दिल्ली–काठमाडू–बीकानेर के सहयोग हेतु आभार। आगन्तुकों के भोजन व आवास के लिए अर्थ सौजन्य के लिए श्री दौलत, कैलाश, प्रताप, अभिनीत डागा, जयपुर के सहयोग हेतु आभार।

परीक्षार्थियों के लिए विशेष सुविधा

इस वर्ष जैन विद्या परीक्षार्थियों के लिए विशेष सुविधा निर्धारित की गयी– 21 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति सीधे ही जैन विद्या रत्न प्रथम वर्ष की परीक्षा देना चाहे तो उन्हें एक प्रारम्भिक प्रवेश परीक्षा न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण करनी होगी। उक्त परीक्षा के दो प्रश्न पत्र जैन विद्या भाग 1–4 तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे।

कृतज्ञता / आभार

समण संस्कृति संकाय के प्रभारी संत मुनि श्री सुमेरमलजी 'सुदर्शन' एवं सहप्रभारी मुनिश्री जयंतकुमारजी का इसके विकास हेतु महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन समय–समय पर प्राप्त होता रहता है, उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद का निरन्तर दिशादर्शन प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। समण संस्कृति संकाय के विभागाध्यक्ष श्री रतनलाल बोथरा का इसके विकास में निरन्तर चिंतन प्राप्त होता रहता है, उनके प्रति हार्दिक आभार। समण संस्कृति संकाय के निदेशक श्री पन्नालाल पुगलिया को उनकी महत्त्वपूर्ण सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। केन्द्र व्यवस्थापकों ने अपनी सम्पूर्ण जिम्मेदारी व सजगता से अध्ययन, अध्यापन व परीक्षा संबंधी स्थानीय व्यवस्थाओं आदि का दायित्व निर्वहन किया, इस हेतु उनके प्रति आभार। जैन विद्या परीक्षाओं के आयोजन में विभिन्न स्थानीय संघीय संस्थाओं, आंचलिक संयोजकों एवं कार्यकर्त्ताओं के सहयोग एवं श्रम हेतु हार्दिक साधुवाद। समण संस्कृति संकाय, लाडनूं कार्यालय की प्रभारी श्रीमती सरिता सुराणा एवं उनकी सहयोगी बहिनों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

केन्द्रीय जीवन विज्ञान अकादमी

गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी और आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के लोककल्याणकारी अवदानों में से एक है – 'जीवन विज्ञान'। शिक्षा के इस क्रान्तिकारी आयाम को राष्ट्रव्यापी बनाने के लिए जीवन विज्ञान अकादमी सन् 2000 से जैन विश्व भारती के अन्तर्गत कार्यरत है। इस वर्ष के उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी निम्नानुसार है –

जीवन विज्ञान दिवस समारोह 2011

आचार्यश्री महाप्रज्ञ को 'महाप्रज्ञ' अलंकरण के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष की भांति आलोच्य वर्ष में भी 'जीवन विज्ञान दिवस समारोह' का आयोजन 08 नवम्बर 2011 को किया गया। मुख्य समारोह आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य एवं जीवन विज्ञान के प्रभारी संत 'प्रेक्षा प्राध्यापक' मुनिश्री किशनलालजी के निर्देशन में केलवा में आयोजित हुआ, जिसमें लगभग 2500 स्कूली विद्यार्थियों द्वारा रैली निकाली गई एवं पूज्यप्रवर का प्रेरक उद्बोधन प्राप्त हुआ। जैन विश्व भारती, लाडनूं सहित पूरे देश में जीवन विज्ञान दिवस समारोह आयोजित हुआ। जैन विश्व भारती, लाडनूं में प्रोफेसर मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी के सान्निध्य एवं नागौर जिला पुलिस अधीक्षक श्री हरिप्रसाद शर्मा के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लाडनूं क्षेत्र के 21 विद्यालयों के लगभग 1000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके अन्तर्गत रैली, गीत, लेख प्रतियोगिता तथा जीवन विज्ञान एकांकी प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व विशाल जीवन विज्ञान रैली नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई जैन विश्व भारती पहुंची। रैली में विद्यार्थियों ने जीवन विज्ञान के संदेशों को उद्घोषों के माध्यम से प्रसारित किया। इस समारोह के राष्ट्रव्यापी प्रचार–प्रसार के प्रायोजकीय सहयोग हेतु श्री चुन्नीलाल मन्नीराम कोठारी (राजगढ़) चेरिटेबल ट्रस्ट, कोलकाता के प्रति हार्दिक आभार।

जीवन विज्ञान दिवस समारोह केलवा

जीवन विज्ञान दिवस समारोह लाडनूं

जीवन विज्ञान पुरस्कार

जैन विश्व भारती द्वारा आयोजित एवं नाहटा चैरिटेबल ट्रस्ट, कोलकाता द्वारा प्रयोजित वर्ष 2011 का जीवन विज्ञान पुरस्कार जीवन विज्ञान अकादमी, जलगांव को प्रदान करने की घोषणा की गई। इस पुरस्कार स्वरूप रु. 1,25,000 /- की राशि, प्रशस्ति-पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में आयोजित विशेष समारोह में जीवन विज्ञान अकादमी, जलगांव को दिया जायेगा। पुरस्कार प्रायोजक परिवार के प्रति हार्दिक आभार।

जीवन विज्ञान चिंतन गोष्ठी

जीवन विज्ञान अकादमी, जैन विश्व भारती, लाडनूं की एक चिंतन गोष्ठी दिनांक 16 मई 2012 को पूज्यप्रवर आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन, बालोतरा में आयोजित हुई, जिसमें जीवन विज्ञान अकादमी, केन्द्रीय कार्यालय से जुड़े पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्तागण की सहभागिता रही। पूज्यप्रवर ने अणुव्रत, जीवन विज्ञान, अहिंसा प्रशिक्षण एवं प्रेक्षाध्यान को एकाग्रिमुखी करने की आवश्यकता पर बल देते हुए न्यूनतम संसाधनों में लक्षित उपलब्धि प्राप्त करने की प्रेरणा प्रदान की।

जीवन विज्ञान संस्कार निर्माण प्रतियोगिता

जीवन विज्ञान विषय में विद्यार्थियों की रुचि जागृत करने एवं उत्साहवर्द्धन हेतु जीवन विज्ञान अकादमी द्वारा जीवन विज्ञान से संबंधित विभिन्न पुस्तकों पर आधारित जीवन विज्ञान संस्कार निर्माण प्रतियोगिताओं का आयोजन वर्ष 2008 से प्रतिवर्ष किया जा रहा है। इस क्रम में वर्ष 2011-12 में आयोजित प्रतियोगिताओं की जानकारी निम्नांकित है-

जीवन विज्ञान संस्कार निर्माण प्रतियोगिता 2011

आचार्यश्री महाश्रमणजी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 13 मई 2011 को पूज्यप्रवर के सान्निध्य में जीवन विज्ञान संस्कार निर्माण प्रतियोगिता 2011 का शुभारंभ किया गया। जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित 'आओ हम जीना सीखें', 'जीवन विज्ञान : एक परिचय' एवं 'आचार्य महाश्रमण : जीवन परिचय' पुस्तकों पर आधारित इस प्रतियोगिता में 21 साधु-साध्वियों सहित कुल 2008 प्रतियोगियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में मोनिका छाजेड़ - लूणकरणसर ने प्रथम, नेहा चौपड़ा - जसोल ने द्वितीय एवं वीना कोठारी - मुंबई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दिनांक 23 अप्रैल 2012 को प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में बालोतरा में आयोजित हुआ, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को क्रमशः रु. 5000/-, 4000/- एवं 3000/- की राशि तथा सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले सात प्रतियोगियों को रु. 1000/- की राशि तथा प्रतीक चिन्ह प्रदान किये गये। प्रतियोगिता के पूर्व निर्धारित दस पुरस्कार श्री एस.ए. माणकराज शांताबाई सिंघवी चैरिटेबल ट्रस्ट, वंदवासी-चेन्नई एवं प्रथम 100 स्थान प्राप्त करने वाले प्रत्येक प्रतियोगी को रु. 500/- का नगद पुरस्कार आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव समिति के आर्थिक सौजन्य से प्रदान किये गये। श्री एस.ए. माणकराज शांताबाई सिंघवी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव समिति के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

जीवन विज्ञान संस्कार निर्माण प्रतियोगिता 2011 - पुरस्कार वितरण समारोह

जीवन विज्ञान संस्कार निर्माण प्रतियोगिता 2012

प्रतिवर्ष आयोजित प्रतियोगिता के क्रम में जीवन विज्ञान संस्कार निर्माण प्रतियोगिता 2012 का प्रारंभ आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में दिनांक 11 जुलाई 2012 को जसोल में किया गया। यह प्रतियोगिता आचार्य महाप्रज्ञजी की कृति 'शिक्षा जगत् के लिए जरूरी है नया चिंतन' एवं आचार्यश्री महाश्रमणजी की कृति 'दुःख मुक्ति का मार्ग' पर आधारित है। इस प्रतियोगिता के प्रायोजक के रूप में श्री माणकराज शांताबाई सिंघवी चैरिटेबल ट्रस्ट, वंदवासी (तमिलनाडु) के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

जीवन विज्ञान प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एन.आई.ओ.एस.) द्वारा संचालित 6 माह के 'जीवन विज्ञान प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम' की परीक्षा हेतु इस वर्ष 20 आवेदन पत्र भरकर भेजे गये हैं, जो जीवन विज्ञान अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष भेजे जाने वाले आवेदनों में अब तक की सर्वाधिक संख्या है। परीक्षा नवम्बर 2012 में प्रस्तावित है।

प्री-स्टार पब्लिक स्कूल, छोटी खाटू में सप्ताह में एक दिन जीवन विज्ञान के प्रशिक्षण का क्रम प्रारम्भ

दिनांक 24 सितम्बर 2011 से प्री-स्टार पब्लिक स्कूल, छोटी खाटू में प्रार्थना-सभा में जीवन विज्ञान के प्रयोग एवं कक्षाओं में जीवन विज्ञान के शिक्षण-प्रशिक्षण का क्रम प्रारम्भ किया गया। जीवन विज्ञान अकादमी, केन्द्रीय कार्यालय, लाडनूं से प्रति सप्ताह प्रशिक्षक भेजकर मई 2012 तक यह क्रम निरन्तर चलाया गया। कक्षा प्रथम से लेकर कक्षा आठ तक के 250 विद्यार्थियों एवं 08 शिक्षकों को जीवन विज्ञान के प्रयोग करवाये गये एवं वर्तमान में विद्यालय में यह क्रम निरंतर जारी है।

जीवन विज्ञान इंटरनेशनल रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट

जीवन विज्ञान के अध्ययन/अध्यापन के साथ-साथ शोध एवं परियोजनाओं के सुगम संचालन तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार की दृष्टि से जैन विश्व भारती में 'जीवन विज्ञान इंटरनेशनल रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट' के भवन निर्माण का कार्य जारी है। इसके अंतर्गत मानव के विभिन्न शारीरिक, मानसिक एवं भावात्मक पक्षों पर जीवन विज्ञान के प्रभाव का अध्ययन वैज्ञानिक संदर्भों में किया जायेगा। इस भवन के निर्माण हेतु माइक्रोलेब्स लि., बैंगलोर के श्री दिलीप सुराणा एवं श्री देवराज मूलचंद नाहर, बैंगलोर के सम्पूर्ण आर्थिक सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

प्रस्तावित जीवन विज्ञान इंटरनेशनल रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट भवन

जीवन विज्ञान प्रशिक्षक एवं कार्यकर्ता सम्मेलन

दिनांक 25 जुलाई 2012 को 'जीवन विज्ञान प्रशिक्षक एवं कार्यकर्ता सम्मेलन' आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में जसोल में आयोजित हुआ जिसमें 40 संभागीगण की सहभागिता रही।

तेरापंथ समाज द्वारा संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों/संचालकों का सम्मेलन

दिनांक 26 जुलाई 2012 'तेरापंथ समाज द्वारा संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों/संचालकों का सम्मेलन' आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में जसोल में आयोजित हुआ जिसमें 35 संभागीगण की सहभागिता रही।

'जीवन विज्ञान सेवी' संबोधन

आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा श्री अशोक कुमार बरमेचा - हैदराबाद, श्री वी.डी.एस. गौतम कुमार सेठिया - तिरुवन्नामलाई, श्री संतोष कुमार गुप्ता - भिवानी, श्री श्यामसुन्दर सोनी - उदयपुर, श्री प्रेम कुमार मणोत - मदुराई एवं श्री प्रदीप लूंकड़ - जलगांव को जीवन विज्ञान के क्षेत्र में प्रदत्त उनकी विशिष्ट सेवाओं का मूल्यांकन करते हुए 'जीवन विज्ञान सेवी' के संबोधन से संबोधित किया गया। सभी संबोधन प्राप्तकर्त्ताओं को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामना।

गत वर्ष में आयोजित 33 शिविरों में 11959 विद्यार्थियों एवं 358 शिक्षकों के स्थान पर इस वर्ष आयोजित 58 शिविरों/कार्यशालाओं/सेमिनारों में 13403 विद्यार्थी, 1621 शिक्षक एवं 1157 अन्य व्यक्तियों सहित कुल 16181 लाभान्वित हुए।

आयोजित शिविर/कार्यशाला

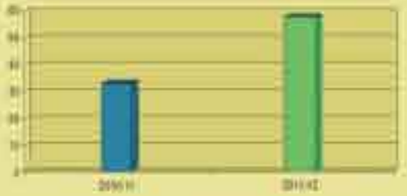

2010-11	33
2011-12	58

लाभान्वित शिक्षक / विद्यार्थी,

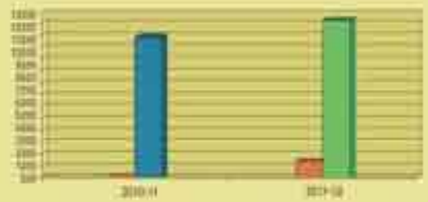

	शिक्षक	विद्यार्थी
2010-11	33	33
2011-12	58	58

वर्ष 2011-12 में आयोजित शिविरों/कार्यशालाओं/सेमिनारों की जानकारी निम्नलिखित है –

जीवन विज्ञान अकादमी, लाडनूं के प्रयास से आयोजित शिविर –

क्र. सं.	दिनांक	विवरण	लाभान्वित शिक्षक	लाभान्वित विद्यार्थी	लाभान्वित अन्य	लाभान्वित योग
1.	13 से 17 सितम्बर 2011	जीवन विज्ञान शिक्षक शिविर, केलवा	–	–	70	70
2.	21 से 25 सितम्बर 2011	पूर्वजन्म अनुभूति शिविर, केलवा	–	–	17	17
3.	27 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2011	जीवन विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण शिविर, भिलाई	48	–	–	48
4.	12 से 16 अक्टूबर 2011	जीवन विज्ञान शिक्षक शिविर, कल्लर	–	–	105	105
5.	13 से 17 नवम्बर 2011	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर, टीकमगढ़	15	–	–	15
6.	26 से 31 दिसम्बर 2011	जीवन विज्ञान शिक्षक शिविर, आमेट	–	–	25	25
7.	27 दिसम्बर 2011	व्यक्तित्व विकास शिविर (जिला शिक्षा अधिकारी, पाली द्वारा आयोजित)	–	120	–	120
8.	18 से 19 जनवरी 2012	प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान प्रशिक्षण, लाडनूं	15	300	–	315
9.	28 से 29 फरवरी 2012	रतन देवी सेठिया उ.मा.वि. (जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर)	10	250	–	260
10.	10 से 12 मई 2012	प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान प्रशिक्षण, बाल भारती विद्यापीठ, सुजानगढ़	05	250	–	255
11.	10 से 11 मई 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण, लाडनूं	429	–	–	429
12.	16 जून 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर, मुम्बई	200	–	–	200
13.	10 अप्रैल 2011	जीवन विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला, भाईंदर	50	–	–	50
14.	23 अप्रैल 2011	दा स्टडी पब्लिक स्कूल के छात्रों की कार्यशाला, लाडनूं	10	150	–	160
15.	2 मई 2011	चित्रकूट पब्लिक स्कूल, गोरिया, सीकर	10	400	–	410
16.	6 से 7 जून 2011	व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, राजसमन्द	–	–	60	60
17.	5 अगस्त 2011	जीवन विज्ञान विद्यार्थी शिक्षक कार्यशाला, केलवा (केलवा क्षेत्र के 10 विद्यालयों के विद्यार्थीगण)	10	150	–	160
18.	6 अगस्त 2011	जीवन विज्ञान विद्यार्थी कार्यशाला, केलवा (आलोक पब्लिक स्कूल, कांकरोली के विद्यार्थी)	–	600	–	600
19.	16 से 17 अगस्त 2011	जीवन विज्ञान व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, केलवा (विभिन्न जीवन विज्ञान अकादमियों के प्रतिनिधि)	–	–	40	40
20.	18 अगस्त 2011	तेरापंथ शिक्षण संस्था प्रतिनिधि सम्मेलन	–	–	20	20
21.	19 अगस्त 2011	जीवन विज्ञान कार्यशाला, चूरू	–	250	100	350
22.	2 से 9 अक्टूबर 2011	जीवन विज्ञान सप्ताह, चूरू के 25 विद्यालयों में कार्यशाला	25	2000	–	2025
23.	6 अक्टूबर 2011	जीवन विज्ञान विद्यार्थी कार्यशाला, कांकरोली (हरिता इंटरनेशनल प. स्कूल, कांकरोली)	–	150	–	150
24.	13 अक्टूबर 2011	जीवन विज्ञान विद्यार्थी कार्यशाला, केलवा (संगीता प. स्कूल, केलवा)	–	300	–	300
25.	21 से 22 अक्टूबर 2011	जीवन विज्ञान योग प्रशिक्षण कार्यशाला, केलवा (मोदी एकेडमिक इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली)	–	13	–	13
26.	19 जनवरी 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण कार्यशाला (आदर्श विद्या मंदिर, जवाहर पब्लिक स्कूल एवं बालवाड़ी उ.मा. विद्यालय, बीदासर)	–	155	–	155
27.	19 जनवरी 2012	जीवन विज्ञान से संबंधित चर्चा	9	–	1	10
28.	30 जनवरी 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण कार्यशाला (कस्तूरबा गांधी विद्यालय)	5	60	–	65
29.	13 फरवरी 2012	जीवन विज्ञान व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, बिसाऊ (ज्ञानोदय प. स्कूल, बिसाऊ)	–	250	20	270
30.	14 फरवरी 2012	जीवन विज्ञान व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, लाडनूं (जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, लाडनूं)	–	100	35	135
31.	15 फरवरी 2012	जीवन विज्ञान व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, सुजानगढ़ (सुजानगढ़ डिग्री कॉलेज, सुजानगढ़)	–	250	50	300
32.	15 फरवरी 2012	साध्वी मानकुमारी जी के सान्निध्य में संगोष्ठी	–	–	20	20
33.	16 फरवरी 2012	जीवन विज्ञान व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, गंगाशहर (श्री आदर्श उ.मा. विद्यालय, चूरू)	–	900	100	1000
34.	17 फरवरी 2012	जीवन विज्ञान व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, चूरू (श्रीमती केसरदेवी सोनी उ.मा. विद्यालय, गंगाशहर)	–	900	100	1000
35.	17 फरवरी 2012	जीवन विज्ञान व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, चूरू (कमल कुंज, चूरू साध्वीश्री के सान्निध्य में)	–	–	20	20
36.	18 फरवरी 2012	जीवन विज्ञान व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, चूरू (श्री जैन केशर बालिका उ.मा. विद्यालय, चूरू)	–	150	25	175
37.	19 फरवरी 2012	जीवन विज्ञान व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, चूरू (श्री प्रजापति ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय, चूरू)	–	80	50	130
38.	19 फरवरी 2012	जीवन विज्ञान व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, चूरू (आदर्श वि.म. के अभिभावक, चूरू)	–	–	125	125
39.	23 जनवरी से 23 फरवरी 2012 प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान योग प्रशिक्षण	गणेश विद्या हा.से. स्कूल, अहमदाबाद	5	300	–	305
		महर्षि श्री अरविन्द उ.प्रा.वि. नवरंगपुरा, अहमदाबाद	5	250	–	255
		शान्ति विद्या निकेतन, अहमदाबाद	5	200	–	205
		वल्लभ सी.बी. स्कूल, अहमदाबाद	5	260	–	265
		प्राथमिक पगार शाला, जूना कोबा, गांधीनगर	10	300	–	310
		विवेकानन्द विद्या विहार, गांधीनगर	5	150	–	155
		गुजरात राज्य स्काउट–गाईड सेमिनार प्र.वि.मा., कोबा	100	1000	–	1100

40.	4 मार्च 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण एवं नशामुक्ति संकल्प पत्र (चूरू चार विद्यालय)	40	600	–	640
41.	12 मार्च 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण (आदर्श बालिका माध्यमिक, चूरू)	13	200	–	213
42.	17 मार्च 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण एवं नशामुक्ति संकल्प पत्र (चूरू के पांच विद्यालय)	17	400	–	417
43.	27 मार्च 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण एवं नशामुक्ति संकल्प पत्र (तोदी सरस्वती विद्या मंदिर)	11	175	–	186
44.	29 मार्च 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण ममता पब्लिक स्कूल, चूरू	30	400	–	430
45.	5 मई 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण जीवन विज्ञान अकादमी सरदारशहर में (रा.उ.मा.वि. जसासर के छात्र)	40	–	25	65
46.	6 मई 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण भारत विकास परिषद्, लाडनूं	–	–	150	150
47.	7 मई 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण आई.टी.आई. कॉलेज, चूरू	25	–	–	25
48.	8 मई 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण राजकीय उ.मा. विद्यालय, सांखू	–	45	–	45
		कुल	1152	12056	1158	14366

उक्त शिविरों की आयोजना में आयोजक संस्थाओं, आयोजन स्थल की स्थानीय संस्थाओं एवं कार्यकर्त्ताओं के विशेष सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

अन्य संस्थाओं की मांग पर निम्न स्थानों पर प्रशिक्षक सहयोग उपलब्ध करवाया गया –

1. छत्तीसगढ़ जीवन विज्ञान अकादमी, भिलाई
2. प्रेक्षा विश्व भारती, कोबा
3. जीवन विज्ञान अकादमी, मुम्बई
4. जीवन विज्ञान अकादमी, बस्सर–सिवान
5. जिला योग परिषद, टीकमगढ़
6. श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, बगड़ीनगर, पाली
7. जिला शिक्षा अधिकारी, पाली
8. फ्री–स्टार पब्लिक स्कूल, छोटी–खाटू (नागौर)

जीवन विज्ञान अकादमी के दिल्ली कार्यालय द्वारा आयोजित शिविर
(दिनांक 1 सितम्बर 2011 से 30 जून 2012)

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम	स्थान	उपस्थिति		
				छात्र	शिक्षक	योग
1.	15 सितम्बर 2011	जीवन विज्ञान योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर	R.P.V.V. No. 4, शंकराचार्य मार्ग, नई दिल्ली	–	195	195
2.	16 सितम्बर 2011	जीवन विज्ञान योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर	R.P.V.V. No. 2, रेसलिंग स्टेडियम, नई दिल्ली	–	195	195
3.	8 नवम्बर 2011	जीवन विज्ञान दिवस समारोह	सुमेरमल जैन पब्लिक स्कूल, दिल्ली	–	–	–
4.	3 से 5 जनवरी, 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर	जहांगीरपुर, दिल्ली	45	5	50
5.	16 से 29 फरवरी, 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर	अनुभव पब्लिक स्कूल, उत्तराखण्ड एन्क्लेव, कमल विहार, संतनगर, बुराड़ी, दिल्ली–84	100	5	105
6.	1 से 3 मार्च, 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर	लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल, संतनगर, दिल्ली–84	300	8	308
7.	13 से 16 मार्च, 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर	राजधानी मॉडर्न स्कूल, बुराड़ी, दिल्ली	100	10	110
8.	मार्च, 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर	मदर टेरेसा पब्लिक स्कूल, बाबा कॉलोनी, दिल्ली–84	500	45	545
9.	मार्च, 2012	जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर	गीतांजलि पब्लिक स्कूल, दिल्ली–84	300	15	315
			कुल	1345	478	1823

उक्त शिविरों की आयोजना में आयोजक संस्थाओं, आयोजन स्थल की स्थानीय संस्थाओं एवं कार्यकर्त्ताओं के विशेष सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

कृतज्ञता / आभार

जीवन विज्ञान के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु प्रेक्षा प्राध्यापक एवं जीवन विज्ञान प्रभारी संत 'प्रेक्षा प्राध्यापक' मुनिश्री किशनलालजी तथा मुनिश्री नीरजकुमारजी का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन निरन्तर प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ हार्दिक कृतज्ञता। जीवन विज्ञान अकादमी, केन्द्रीय कार्यालय, लाडनूं के संयोजक डॉ. सूरजमल सुराणा – दिल्ली, संयुक्त सह संयोजक श्री प्रेम सुराणा – जयपुर एवं श्री सुरेश कोठारी – इंदौर तथा अन्य सदस्यों के सहयोग हेतु हार्दिक आभार। क्षेत्रीय अकादमियों एवं शिविरों की आयोजना में स्थानीय संस्थाओं के सहयोग हेतु आभार। जीवन विज्ञान संबंधी सभी गतिविधियों में श्री के.सी. जैन, दिल्ली एवं श्री मर्यादाकुमार कोठारी, जोधपुर के मार्गदर्शन व सहयोग हेतु हार्दिक आभार। जीवन विज्ञान अकादमी, केन्द्रीय कार्यालय के संयुक्त निदेशक श्री ओमप्रकाश सारस्वत, सहायक निदेशक श्री हनुमानमल शर्मा तथा अन्य सभी कर्मचारीगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद। पूज्यप्रवर के साथ यात्रायित जीवन विज्ञान अकादमी के प्रशिक्षक श्री गिरजाशंकर दुबे की सेवाओं हेतु हार्दिक धन्यवाद। इस प्रवृत्ति से जुड़े सभी कार्यकर्त्तागण, सहयोगीगण एवं प्रशिक्षकगण के प्रति आभार।

सेवा

शिक्षा के साथ-साथ सेवा के क्षेत्र में भी जैन विश्व भारती अग्रणी है। जैन विश्व भारती परिसर में 'सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला' तथा बीदासर में 'श्रीमद् आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र' सुचारु रूप से संचालित है।

सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला

सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला द्वारा चिकित्सा सेवा विषयक जन कल्याणकारी प्रवृत्ति का संचालन किया जाता है। रसायनशाला का मुख्य उद्देश्य प्रामाणिक एवं विश्वसनीय आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण करना और जन सामान्य को चिकित्सा सेवा से लाभान्वित कराना है। सम्प्रति रसायनशाला में मुख्यतया 180 प्रकार की शास्त्रीय तथा 24 प्रकार की प्रोप्राइटरी आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण होता है। यहां इन औषधियों के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की बहुमूल्य औषधियों, रस, कूपी पक्व रसायन, पर्पटी, भस्म, पिष्टी, वटी, चूर्ण, गुग्गुल, आसवारिष्ट, तैल, लौह मण्डूर, अवलेह, क्वाथ, शोधित द्रव्य, सत्व एवं क्षार तथा विशिष्ट एवं अनुभूत औषधियों का निर्माण कुशल एवं विद्वान वैद्यों के निर्देशन में उच्च स्तरीय क्वालिटी कण्ट्रोल के साथ किया जाता है। यहां जिन औषधियों का निर्माण होता है वे आयुर्वेद विभाग से प्राप्त ड्रग मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस के अन्तर्गत जी.एम.पी. प्रमाणित हैं।

रसायनशाला द्वारा लाडनूं में आरोग्यम् के नाम से संचालित आयुर्वेदिक औषधालय में प्रसिद्ध एवं अनुभवी वरिष्ठ चिकित्सक वैद्य श्री संतोषकुमार शर्मा एवं वैद्य श्री रामकुमार शर्मा रोगोपचार एवं परामर्श हेतु अपनी नियमित सेवाएं दे रहे हैं। प्रतिदिन प्रति रोगी के हिसाब से आलोच्य अवधि (1 सितम्बर 2011 से 30 जून 2012 तक) में 12605 रोगियों ने रसायनशाला के आरोग्यम् आयुर्वेदिक चिकित्सालय - सेवाभावी कल्याण केन्द्र से निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्राप्त की।

दिनांक 05 नवम्बर 2011 को सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला के ट्रस्ट बोर्ड की एक मीटिंग जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला के पदेन न्यासी श्री सुरेन्द्र चोरड़िया की अध्यक्षता में जैन विश्व भारती में आयोजित हुई। रसायनशाला के ट्रस्टी श्री खेमचंद सेठिया एवं श्री सुखराज सेठिया के सेवा समर्पण पत्र सदन की सर्वसम्मति से स्वीकृत किये गये तथा श्री रूपचंद दूगड़, मुंबई व श्री शांतिलाल बरमेचा, मुंबई को ट्रस्टी के पद पर नियुक्ति प्रदान करने का निर्णय लिया गया। मीटिंग में रसायनशाला की ट्रस्ट डीड में आवश्यक संशोधन, रसायनशाला व जैन विश्व भारती के आपसी संबंधों तथा रसायनशाला की भावी संचालन व्यवस्था आदि पर भी चर्चा एवं चिंतन किया गया।

दिनांक 18 जुलाई 2012 को सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला के ट्रस्ट बोर्ड की एक मीटिंग जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला के पदेन न्यासी श्री सुरेन्द्र चोरड़िया की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित हुई, जिसमें रसायनशाला के प्रधान न्यासी श्री झूमरमल बैंगानी की शारीरिक अस्वस्थता के कारण स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के निवेदन को ध्यान में रखते हुए उन्हें ससम्मान सेवा निवृत्त किया गया तथा उनके स्थान पर प्रधान न्यासी के रूप में सर्वसम्मति से श्री शांतिलाल बरमेचा, लाडनूं-मुंबई को मनोनीत किया गया।

श्री झूमरमल बैंगानी की लंबे समय तक रसायनशाला के प्रधान न्यासी के रूप में प्रदत्त उल्लेखनीय सेवाओं, कुशल निर्देशन एवं सहयोग हेतु हार्दिक आभार। नवनियुक्त प्रधान न्यासी श्री शांतिलाल बरमेचा को हार्दिक बधाई एवं उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामना।

आलोच्य अवधि (सितम्बर 2011 से जून 2012) में रसायनशाला की चिकित्सा सेवा प्रवृत्ति के अन्तर्गत निःशुल्क वितरित की गई औषधियों की राशि रु. 2,75,817/- है।

कार्यकारी निदेशक श्री विजयसिंह कोठारी द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद। आयुर्वेद के अनुभवी वरिष्ठ चिकित्सक वैद्य श्री संतोषकुमार शर्मा एवं वैद्य श्री रामकुमार शर्मा की सेवाओं एवं सभी कर्मचारीगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

श्रीमद् आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र

प्राकृतिक चिकित्सा, एक्युप्रेशर एवं फिजियोथेरेपी पद्धति से रोगियों की चिकित्सा हेतु श्रीमद् आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र की स्थापना जैन विश्व भारती की एक इकाई के रूप में बीदासर में की गई। यहां आधुनिक उपकरणों द्वारा व्यायाम की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में केन्द्र के अंतर्गत होम्योपैथिक चिकित्सा से रोगियों को स्वास्थ्य लाभ दिया जा रहा है, जिसमें केवल बीदासर ही नहीं अपितु आस-पास के अनेक गांवों से रोगी आकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करते हैं। प्रत्येक रविवार को तेरापंथ भवन, बीदासर में शिविर लगाया जाता है, जिसमें चारित्रात्माओं के अलावा गांव के लोग भी स्वास्थ्य लाभ हेतु आते हैं। प्रतिदिन रोगी के हिसाब से इस चिकित्सालय से आलोच्य अवधि (1 सितम्बर 2011 से 30 जून 2012) में 5877 रोगियों ने निःशुल्क चिकित्सा सेवा का लाभ प्राप्त किया। केन्द्र में व्यायामशाला (जिम) संचालित है, जिससे प्रतिदिन 20-25 व्यक्ति लाभ उठाते हैं।

दिनांक 29-30 मार्च 2012 को केन्द्र में श्री कुंदनमल चोरड़िया परिवार एवं जिला अंधता निवारण समिति, बीदासर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 301 रोगी लाभान्वित हुए तथा कुल 92 रोगियों की शल्य चिकित्सा की गई। चोरड़िया परिवार एवं जिला अंधता निवारण समिति के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

वर्तमान में होम्योपैथिक विभाग में डॉ. विजेन्द्रकुमार गौड़ चिकित्सा प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं। उनको कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा केन्द्र

सेवा के क्षेत्र में जैन विश्व भारती द्वारा 'विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा पद्धति' के नाम से एक नया उपक्रम गत वर्ष से प्रारम्भ किया गया। जैन विश्व भारती स्थित आरोग्यम चिकित्सालय में संचालित इस चिकित्सा केन्द्र में विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा पद्धति द्वारा विभिन्न जटिल रोग जैसे - लकवा, गोलियो, स्लिप डिस्क, स्पोण्डिलाइटिस, रीढ़ की हड्डी के रोगों के ईलाज के साथ दमा, उच्च रक्तचाप आदि का भी सुगम ईलाज किया जा सकता है। जैन विश्व भारती में आवासित लोगों के साथ-साथ स्थानीय सभी जाति एवं वर्ग के लोग स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस चिकित्सा केन्द्र से आलोच्य अवधि (1 सितम्बर 2011 से 30 जून 2012) में 148 नये एवं 111 पुराने रोगियों सहित कुल 259 रोगियों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया तथा प्रतिदिन रोगी के हिसाब से यह संख्या 2590 होती है। केन्द्र में मई 2012 तक मुख्य चिकित्सक के रूप में डॉ. जयदेव मालपुरी एवं सहायक चिकित्सक के रूप में डॉ. हिमांशु मालपुरी कार्यरत थे एवं जून 2012 से मुख्य चिकित्सक के रूप में डॉ. हिमांशु मालपुरी कार्यरत है। कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

स्व. मनोहरी देवी दूगड़ आयुर्वेद चिकित्सा केन्द्र, बीदासर

जैन विश्व भारती के अंतर्गत बीदासर में माणकचंद रूपचंद दूगड़ चैरिटेबल ट्रस्ट, बीदासर-मुंबई के प्रायोजकत्व में दिनांक 1 नवंबर 2011 से 'स्व. मनोहरी देवी दूगड़ आयुर्वेद चिकित्सा केन्द्र' का प्रारंभ किया गया। यह केन्द्र बीदासर निवासी श्री रूपचंद दूगड़ के निजी अतिथि गृह में प्रारंभ किया गया है। यहां आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति द्वारा चिकित्सा की व्यवस्था है तथा सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला में निर्मित आयुर्वेदिक औषधियां चिकित्सा की दृष्टि से प्रयोग की जाती है। वैद्य श्री विजयकुमार शर्मा चिकित्सक के रूप में कार्यरत हैं। इस केन्द्र में

उक्त ट्रस्ट के सौजन्य से रोगियों के उपचार की निःशुल्क व्यवस्था है। प्रतिदिन रोगी के हिसाब से इस चिकित्सालय से आलोच्य अवधि (1 नवंबर 2011 से जून 2012) में 13904 रोगियों ने निःशुल्क चिकित्सा सेवा का लाभ प्राप्त किया। प्रायोजक ट्रस्ट के आर्थिक सौजन्य हेतु हार्दिक आभार। वैद्य श्री विजयकुमार शर्मा को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

समणी केन्द्र व्यवस्था

समण श्रेणी के प्रारंभ से ही उनकी व्यवस्था का दायित्व निर्वहन कर जैन विश्व भारती अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रही है। जैन विश्व भारती परिसर में स्थित गौतम ज्ञानशाला में समणीवृंद का निरंतर प्रवास रहता है। जैन विश्व भारती की समस्त गतिविधियों में समण श्रेणी की सक्रिय सहभागिता रहती है। विदेश यात्रा से संबंधित पासपोर्ट, वीजा, कानूनी दस्तावेज आदि तैयार करवाने तथा देश-विदेश में यात्रायित समण श्रेणी के विभिन्न वर्गों से बराबर सम्पर्क एवं अपेक्षित कार्यों की सम्पूर्ति में जैन विश्व भारती की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है। समण श्रेणी की भारत एवं विदेश यात्राओं से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं का समन्वय भी जैन विश्व भारती द्वारा किया जाता है।

इस वर्ष आमेट मर्यादा महोत्सव के अवसर पर परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा समणी नियोजिका के रूप में समणी ऋजुप्रज्ञाजी को नियुक्त किया गया। हम मंगलकामना करते हैं कि पूज्यप्रवर की अनुशासना एवं समणी नियोजिकाजी के कुशल निर्देशन में समण श्रेणी विकास के नवशिखरों पर आरोहित होती हुई धर्मसंघ की श्रीवृद्धि में योगभूत बने। समणीजी के सफल कार्यकाल की मंगलकामना। इससे पूर्व समणी नियोजिका के रूप में समणी मधुरप्रज्ञाजी ने पांच वर्षों तक कुशलतापूर्वक पूज्यवरों द्वारा प्रदत्त दायित्व का निर्वहन किया।

वर्ष 2011-12 में समण-समणीवृंद की विदेशों में हुई धर्मप्रभावना यात्राओं का विवरण इस प्रकार है -

1.	समणी ऋजुप्रज्ञा एवं समणी विनयप्रज्ञा	–	सेनफ्रांसिस्को
2.	समणी मधुरप्रज्ञा एवं समणी रोहिणीप्रज्ञा	–	दुबई
3.	समणी कुसुमप्रज्ञा एवं समणी चैतन्यप्रज्ञा	–	इण्डोनेशिया, सिंगापुर
4.	समणी प्रतिभाप्रज्ञा एवं समणी पुण्यप्रज्ञा	–	लंदन
5.	समण सिद्धप्रज्ञ एवं निर्मल नौलखा (उपासक)	–	सेक्रामेन्टो

इसके अतिरिक्त विदेश के केन्द्रों में वर्ष 2011-12 में लगभग [illegible] से निम्नलिखित समणी वर्ग प्रवासित रहे -

1.	समणी जयंतप्रज्ञा एवं समणी सन्मतिप्रज्ञा	–	न्यूजर्सी
2.	समणी चारित्रप्रज्ञा एवं समणी विनयप्रज्ञा	–	ओरलैण्डो
3.	समणी अक्षयप्रज्ञा एवं समणी परिमलप्रज्ञा	–	ह्यूस्टन
4.	समणी मल्लिप्रज्ञा एवं समणी निर्वाणप्रज्ञा	–	लन्दन
5.	समणी नीतिप्रज्ञा एवं समणी उन्नतप्रज्ञा	–	मियामी

यात्राओं के दौरान वहां प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान, अणुव्रत, अहिंसा प्रशिक्षण एवं जैन धर्म दर्शन के अनेक विषयों पर समणीवृंद के व्याख्यान, सेमिनार, शिविर एवं कार्यशालाएं आयोजित हुईं। पूज्यवरों ने विश्वास व्यक्त कर इस व्यवस्था का दायित्व जैन विश्व भारती को प्रदान किया, एतदर्थ हार्दिक कृतज्ञता। समणीवृंद की विदेश यात्रा से संबंधित विभिन्न कार्यों में समन्वयक के रूप में स्वामी धर्मानन्दजी के विशेष सहयोग एवं सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। श्री हुकमाराम जाट द्वारा गौतम ज्ञानशाला की व्यवस्थाओं के कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

साधना

प्रेक्षा फाउण्डेशन

'प्रेक्षा फाउण्डेशन' जैन विश्व भारती का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। यह प्रेक्षाध्यान संबंधी समग्र गतिविधियों की सर्वोच्च नियामक संस्था है। इसका ध्येय है - प्रेक्षाध्यान को विश्वव्यापी बनाकर समस्त मानव जाति की आध्यात्मिक सेवा करना। प्रेक्षा फाउण्डेशन पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री तुलसी एवं प्रेक्षा प्रणेता आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के अमूल्य अवदान 'प्रेक्षाध्यान' को आचार्यश्री महाश्रमणजी के कुशल आध्यात्मिक नेतृत्व में निष्ठा से संचालित कर रहा है।

तुलसी अध्यात्म नीडम्

प्रकृति के सुरम्य वातावरण में स्थित आचार्य तुलसी के नाम से बना यह केन्द्र साधना का पवित्र स्थान है। यह वह स्थान है जहां युगप्रधान आचार्यश्री तुलसी और प्रेक्षा प्रणेता आचार्यश्री महाप्रज्ञजी से हजारों लोगों ने प्रेक्षाध्यान के प्रयोग कर अपने जीवन में बदलाव एवं शान्ति का अनुभव किया है। इस केन्द्र में ध्यान कक्ष, वाचनालय, 30 आवासीय कमरे, भोजनालय, कार्यालय आदि अवस्थित हैं।

साधक निवास

प्रेक्षा फाउण्डेशन साधकों के साधना की समुचित व्यवस्था करता है। जो व्यक्ति लम्बे समय तक तुलसी अध्यात्म नीडम् में रहकर साधना करना चाहें उनके लिए उपयुक्त व्यवस्था उपलब्ध है। समुचित आवास, सात्विक भोजन व पवित्र वातावरण सहज ही साधकों को साधना के मार्ग पर अग्रसर होने में सहायक बनता है। इच्छुक साधक साधिकाएं व्यवस्थापकों से संपर्क कर अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक साधना के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं।

प्रेक्षाध्यान शिविर एवं कार्यशाला

जीवन को रूपान्तरित करने का एक सशक्त माध्यम है - प्रेक्षाध्यान शिविर। प्रेक्षा फाउण्डेशन नियमित रूप से प्रेक्षाध्यान शिविरों का आयोजन करता है, जिसमें हजारों लोग संभागी बनकर लाभान्वित हो चुके हैं। प्रेक्षा फाउण्डेशन जैन विश्व भारती, लाडनूं सहित देश के अन्य शहरों में भी प्रेक्षाध्यान शिविरों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इस वर्ष प्रेक्षाध्यान के 10 शिविर आयोजित किये गये, जिनमें 125 शिविरार्थी लाभान्वित हुए। शिविरों का विवरण निम्नलिखित है-

क्र.सं.	दिनांक	शिविर का नाम	संभागी संख्या	स्थान
01.	31 जुलाई से 6 अगस्त, 2011	प्रेक्षाध्यान शिविर	07	अहिंसा भवन, लाडनूं
02.	24 से 31 अगस्त, 2011	प्रेक्षाध्यान शिविर	15	अहिंसा भवन, लाडनूं
03.	11 से 18 सितम्बर, 2011	प्रेक्षाध्यान शिविर	06	अहिंसा भवन, लाडनूं
04.	28 सित. से 05 अक्टू., 2011	प्रेक्षाध्यान शिविर	15	बैंगलोर
05.	13 से 20 नवम्बर, 2011	प्रेक्षाध्यान शिविर	16	तुलसी अध्यात्म नीडम्
06.	11 से 18 दिसम्बर, 2011	प्रेक्षाध्यान शिविर	19	तुलसी अध्यात्म नीडम्
07.	11 से 18 मार्च, 2012	प्रेक्षाध्यान शिविर	21	तुलसी अध्यात्म नीडम्
08.	08 से 15 अप्रैल, 2012	प्रेक्षाध्यान शिविर	09	तुलसी अध्यात्म नीडम्
09.	10 से 17 जून, 2012	प्रेक्षाध्यान शिविर	08	तुलसी अध्यात्म नीडम्
10.	08 से 15 जुलाई, 2012	प्रेक्षाध्यान शिविर	09	तुलसी अध्यात्म नीडम्

उक्त शिविरों में केलवा के शिविर में आचार्यश्री महाश्रमणजी का सान्निध्य तथा लाडनूं में जुलाई, अगस्त, सितम्बर, नवम्बर व दिसम्बर 2011 के शिविरों में प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी एवं मार्च, अप्रैल, जून व जुलाई 2012 के शिविरों में 'शासन गौरव' मुनिश्री धनंजयकुमारजी का सान्निध्य रहा, एतदर्थ पूज्यप्रवर व मुनिवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। शिविरों में सान्निध्य एवं प्रशिक्षण प्रदान करवाने हेतु समणीवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। शिविरों की व्यवस्थाओं में प्रायोजकीय सहयोग हेतु सहयोगीगण के प्रति आभार।

प्रेक्षाध्यान शिविर

दिनांक 15-16 अक्टूबर 2011 को प्रेक्षा फाउण्डेशन के तत्वावधान में द्विदिवसीय प्रेक्षाध्यान प्रशिक्षण शिविर जयपुर में समण सिद्धप्रज्ञजी के सान्निध्य व निर्देशन में आयोजित हुई, जिसमें जयपुर के जैन-जैनेतर लगभग 375 लोगों की सहभागिता रही। समणजी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। कार्यशाला के आयोजन में प्रेक्षाध्यान प्रबंधन समिति के राष्ट्रीय संयोजक श्री कैलाश डागा एवं श्री पन्नालाल पुगलिया, श्री गौरव माण्डोत आदि की उल्लेखनीय भूमिका व सहयोग हेतु आभार।

प्रेक्षाध्यान शिविर, जयपुर

प्रेक्षाध्यान कार्यशाला

दिनांक 17-18 मार्च 2012 को प्रेक्षा वाहिनी, जयपुर द्वारा अणुविभा, जयपुर में द्विदिवसीय प्रेक्षाध्यान कार्यशाला समणी श्रेयसप्रज्ञाजी एवं समणी अमलप्रज्ञाजी के सान्निध्य में आयोजित हुई, जिसमें 80 संभागीगण की उपस्थिति रही। सान्निध्य एवं प्रशिक्षण सहयोग हेतु समणीवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। प्रायोजकीय सहयोग हेतु अणुविभा, जयपुर के प्रति आभार।

विदेशियों को प्रेक्षाध्यान का प्रशिक्षण

तुलसी अध्यात्म नीडम् में जर्मनी से समागत मिस अन्ने विजर एवं अंगोला से समागत मिस सोयॉ अमरेल को दिनांक 9-25 जनवरी 2012 तक तथा फरवरी 2012 में जापान से समागत मिस आयाको एवं कोरिया से समागत मिस माग सून को तथा मेक्सिको से समागत जैम गोमज को प्रेक्षाध्यान के प्रयोग करवाये गये एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रेक्षा वाहिनी

प्रेक्षाध्यान में रुचि रखने वाले साधकों के समूह का नाम है - प्रेक्षा वाहिनी। साधकों में परस्पर संपर्क एवं संवाद बना रहे इस दृष्टि से स्थानीय स्तर पर अनेक स्थानों पर प्रेक्षा वाहिनी गठित हो चुकी है। प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को प्रेक्षा वाहिनी द्वारा प्रेक्षाध्यान की एक घण्टे की एक कक्षा आयोजित की जाती है। इस क्रम में अभी तक मुंबई, चेन्नई, दिल्ली, कटक, बैंगलोर, सूरत, रायपुर, टिटिलागढ़, बीकानेर, जोधपुर एवं जयपुर में प्रेक्षा वाहिनियां संचालित हो रही है। इस वर्ष दिल्ली के सूर्यनगर, विवेक विहार एवं शालीमार बाग क्षेत्र में तथा ईचलकरंजी में नई प्रेक्षा वाहिनियों का गठन हुआ। प्रेक्षा वाहिनी के सदस्य प्रेक्षाध्यान का प्रचार-प्रसार करने के लिए कटिबद्ध है तथा जागरूकता के साथ स्वयं साधना के पथ पर आसित हैं एवं दूसरों को साधना के मार्ग पर बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। प्रेक्षा वाहिनी निदेशक मण्डल के सदस्य श्री मर्यादा कुमार कोठारी - जोधपुर, श्री अरविंद गोठी - दिल्ली, श्री सुबोध पुगलिया - जयपुर एवं श्री डालमचंद सेठिया - बैंगलोर के सहयोग हेतु आभार।

प्रेक्षा प्रशिक्षक

प्रेक्षा प्रशिक्षकों के निर्माण हेतु प्रेक्षा फाउण्डेशन की एक महत्त्वपूर्ण योजना जारी है। इसके अंतर्गत प्रेक्षाध्यान का एक समग्र पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षाओं का क्रम रखा गया है। यह परीक्षाएं उत्तीर्ण कर व्यक्ति प्रेक्षाध्यान का सम्यक प्रशिक्षण प्राप्त कर कुशल प्रशिक्षक बनकर दीपक की तरह स्वयं प्रकाशित होकर दूसरों के जीवन को भी प्रकाशित कर सकता है। प्रेक्षा फाउण्डेशन प्रशिक्षकों के निर्माण, उनसे नियमित संपर्क एवं प्रशिक्षण विधि की एकरूपता के लिए कटिबद्ध है। प्रतिवर्ष पूज्यप्रवर के सान्निध्य में देश भर के प्रेक्षा प्रशिक्षकों का अधिवेशन भी आयोजित किया जाता है। इस वर्ष दिनांक 1-2 अक्टूबर 2011 को प्रेक्षावाहिनी से जुड़े कार्यकर्त्ताओं का अधिवेशन केलवा में आचार्य महाश्रमणजी के सान्निध्य में आयोजित हुआ, जिसमें 19 संभागीगण की सहभागिता रही। प्रेक्षा प्रशिक्षक परीक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम आदि तैयार करने तथा प्रेक्षा प्रशिक्षण संबंधी विभिन्न गतिविधियों में मार्गदर्शन, सहयोग व सहभागिता हेतु श्री एन.सी. जैन, मुंबई के प्रति हार्दिक आभार।

आचार्य तुलसी इंटरनेशनल प्रेक्षा मेडिटेशन सेन्टर

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रेक्षाध्यान के विकास, विस्तार एवं संवर्द्धन के उद्देश्य से जैन विश्व भारती परिसर में 'आचार्य तुलसी इन्टरनेशनल प्रेक्षा मेडिटेशन सेन्टर' का निर्माण कार्य जारी है। प्रथम चरण में 21000 वर्ग फुट के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 3 करोड़ रु. आयेगी। इस केन्द्र में 7000 वर्ग फुट का पिरामिडनुमा प्रेक्षाध्यान हॉल, ऑडिटोरियम, पुस्तकालय, भोजनशाला, योगा गार्डन, ईर्या पथ, कार्यालय एवं आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 36 कमरों का साधक निवास प्रस्तावित है। यह निर्माण कार्य जैन विश्व भारती के उपाध्यक्ष श्री बसंत पारख के निर्देशन में चल रहा है, एतदर्थ हार्दिक आभार।

प्रस्तावित आचार्य तुलसी इंटरनेशनल प्रेक्षा मेडिटेशन सेन्टर

www.preksha.com का नया वर्जन प्रारंभ

बदलते परिवेश एवं वर्तमान अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुये लोकप्रिय वेबसाईट www.preksha.com का नया वर्जन प्रारंभ किया गया है, जिसमें प्रेक्षाध्यान से संबधित और अधिक सूचनाओं, अपडेट्स एवं नई सुविधाओं का समावेश किया गया है। ऑनलाईन मेडिटेशन, ई-बुक्स, प्रवचन, लेख, ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन आदि सुविधाएं प्रेक्षाध्यान के प्रति रुचि बढ़ाने वाली सिद्ध हो रही है। इस कार्य में श्री उमेश सेठिया-जलगांव, श्री अमित जैन-जर्मनी, सुश्री अपेक्षा मेहता-बड़ौदा, एवं सुश्री अर्चना जैन-टिटिलागढ़ के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

Preksha Meditation के नाम से नई मोबाईल एप्लिकेशन का प्रारंभ

प्रेक्षाध्यान को जन सुलभ बनाने की दृष्टि से मोबाईल में 'Preksha Meditation' के नाम से एक नई एप्लिकेशन का शुभारंभ जुलाई 2012 से किया गया। इस एप्लिकेशन को कोई भी एन्ड्रॉयड मोबाईल धारक अपने मोबाईल में निःशुल्क डाउनलोड कर सकता है एवं बिना प्रशिक्षक के प्रेक्षाध्यान का विभिन्न चरणों में अभ्यास व प्रयोग कर सकता है। इस कार्य में सुश्री अपेक्षा मेहता, बड़ौदा के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

कृतज्ञता / आभार

प्रेक्षाध्यान प्रवृत्ति के विकास हेतु समय-समय पर प्रभारी संत मुनिश्री कुमारश्रमणजी एवं मुनिश्री जयकुमारजी तथा 'प्रेक्षा प्राध्यापक' प्रोफेसर मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी व 'प्रेक्षा प्राध्यापक' मुनिश्री किशनलालजी का महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है, इस हेतु उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। प्रेक्षाध्यान प्रबंधन समिति के संयोजक श्री कैलाश डागा एवं जैन विश्व भारती के संयुक्त मंत्री श्री अरविन्द गोठी तथा श्री पन्नालाल पुगलिया व श्री गौरव जैन का प्रेक्षाध्यान संबंधी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में निरन्तर सहयोग प्राप्त हुआ, एतदर्थ उनके प्रति हार्दिक आभार। विभिन्न शिविरों में प्रशिक्षण प्रदान करवाने हेतु चारित्रात्माओं एवं समणीवृन्द के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। नीडम् में साधक एवं मानद व्यवस्थापक के रूप में सेवारत श्री जीतमल गुलगुलिया की सेवाओं एवं प्रशिक्षण सहयोग हेतु हार्दिक आभार। साधक श्री मदनलाल फूलफगर के प्रशिक्षण सहयोग हेतु आभार। शिविरों की आयोजना में स्थानीय संस्थाओं एवं कार्यकर्ताओं तथा प्रशिक्षकगण की सेवाओं हेतु हार्दिक आभार।

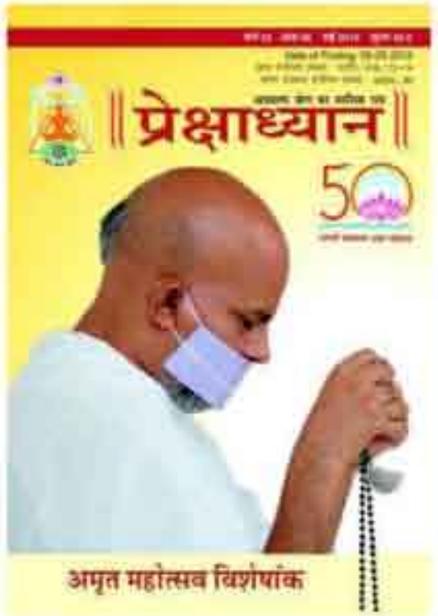

प्रेक्षाध्यान मासिक पत्रिका

अध्यात्म, योग और अन्य जीवनोपयोगी विषयों पर आधारित मासिक पत्रिका 'प्रेक्षाध्यान' का विगत 31 वर्षों से जैन विश्व भारती के अन्तर्गत तुलसी अध्यात्म नीडम् द्वारा प्रकाशन किया जा रहा है। गत वर्ष की प्रसार संख्या 2900 के स्थान पर वर्तमान में इसकी सदस्य संख्या लगभग 2800 है। इस वर्ष के उल्लेखनीय कार्य इस प्रकार है :-

आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव विशेषांक

आचार्यश्री महाश्रमणजी के 50वें जन्मोत्सव वर्ष की सम्पन्नता के अवसर सादर अभिवंदना स्वरूप प्रेक्षाध्यान के मई 2012 के अंक को 'आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव विशेषांक' के रूप में प्रकाशित किया गया। विशेषांक में विज्ञापनदाताओं के रूप में सहयोगी व्यक्तियों, परिवारों एवं संस्थाओं के प्रति हार्दिक आभार।

प्रेक्षाध्यान पत्रिका के सम्पादक की नवनियुक्ति

'प्रेक्षाध्यान' पत्रिका के सम्पादक के रूप में सितम्बर 2012 से श्री अशोक संचेती, दिल्ली को नियुक्ति प्रदान की गई।

कृतज्ञता / आभार

अप्रैल 2010 से अगस्त 2012 तक सम्पादक के रूप में समणी डॉ. सत्यप्रज्ञाजी ने अपना महनीय मार्गदर्शन प्रदान किया तथा पत्रिका के स्वरूप को नया आयाम दिया। उनके श्रमपूर्ण कुशल संपादन हेतु हार्दिक कृतज्ञता। सह-सम्पादक डॉ. अन्नुना कुम्हलिया की सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। पत्रिका संबंधी व्यवस्थागत कार्यों में जैन विश्व भारती के संयुक्त मंत्री श्री अरविंद गोठी, प्रेक्षाध्यान प्रकाशन समिति के संयोजक श्री कैलाश बाफणा एवं श्री पन्नालाल पुगलिया के सहयोग एवं श्रम हेतु आभार। सभी विज्ञापनदाताओं तथा पत्रिका के सदस्यता अभियान में सहयोगी व्यक्तियों एवं संस्थाओं के सहयोग हेतु हार्दिक आभार। पत्रिका के आवरण पृष्ठ की डिजाइन आदि कार्य में सुश्री सुरभि नाहटा, नागपुर की सेवाओं हेतु आभार। पत्रिका की कंपोजिंग व डिजाइनिंग कार्य के कुशलतापूर्वक निष्पादन हेतु श्री अनूप चौधरी को धन्यवाद।

साहित्य

साहित्य प्रकाशन

साहित्य प्रकाशन जैन विश्व भारती की महत्वपूर्ण गतिविधि है। आगम, जैन विद्या, जीवन विज्ञान से संबंधित साहित्य के साथ पूज्यवरों, चारित्रात्माओं, समण-समणीवृंद तथा शोधार्थियों द्वारा लिखित/सम्पादित साहित्य का प्रकाशन विगत 38 वर्षों से किया जा रहा है। पिछले वर्ष की संख्या 43 प्रकार की नवीन पुस्तकों तथा 52 प्रकार की पुनर्मुद्रित पुस्तकों के स्थान पर आलोच्य अवधि (अगस्त 2011 से जुलाई 2012) 39 शीर्षकों से नवीन पुस्तकों तथा 41 शीर्षकों से पुस्तकों का पुनर्मुद्रण हुआ है। इन संस्करणों के अंतर्गत गत वर्ष की संख्या 2,09,750 प्रतियों के स्थान पर इस वर्ष कुल 1,86,834 प्रतियां प्रकाशित हुई है। आलोच्य अवधि में प्रकाशित पुस्तकों की सूची निम्नलिखित है :-

नवीन संस्करण

	पुस्तक का नाम	लेखक	प्रतियां
01.	चौबीसी	जयाचार्य	3000
02.	धम्मो सुद्धस चिट्ठई	आचार्य तुलसी	241
03.	धम्मो सरणं मुत्तम	आचार्य तुलसी	250
04.	धर्म की लौ जलाये हम	आचार्य तुलसी	250
05.	ताव धम्मं समायरे	आचार्य तुलसी	230
06.	ढाई अक्षर धर्म का	आचार्य तुलसी	250
07.	धर्म की जय हो जय	आचार्य तुलसी	254
08.	रे! धार्मिकों विचारो	आचार्य तुलसी	250
09.	उठिए नो पमाइये	आचार्य तुलसी	240
10.	अष्टकम्	आचार्य महाप्रज्ञ	2945
11.	एक विचार एक पथ	आचार्य महाप्रज्ञ	1100
12.	कथा कुबेर	आचार्य महाप्रज्ञ	1100
13.	प्रेक्षाध्यान दर्शन और प्रयोग	आचार्य महाप्रज्ञ	1100
14.	Technique of Prekshadhyan	Acharya Mahapragya	1000
15.	रोज की एक सलाह	आचार्य महाश्रमण	13025
16.	शिलान्यास धर्म का	आचार्य महाश्रमण	8000
17.	आध्यात्मिक वैभव	आचार्य महाश्रमण	975
18.	भाग्य का निर्माता पुरुषार्थ	आचार्य महाश्रमण	975
19.	दुःख मुक्ति के बाधक तत्त्व	आचार्य महाश्रमण	975

20.	सम्पन्न बनो	आचार्य महाश्रमण	15000
21.	अदृश्य हो गया महासूर्य	आचार्य महाश्रमण	3000
22.	बंधन टूटे	मुनि दुलहराज	1070
23.	मेरी प्रिय कथाएं	मुनि दुलहराज	1100
24.	चित्रलेखा	मुनि दुलहराज	1020
25.	जरूरत है ऐसे लोगों की	मुनि सुखलाल	560
26.	दिल की दरियो	मुनि वत्सराज	550
27.	पंचरंगी प्रेक्षा	मुनि वत्सराज	535
28.	संगीत सुधा	मुनि विजयकुमार	1015
29.	मधु कलश	मुनि विजयकुमार	550
30.	भावों का संसार	मुनि विजयकुमार	1020
31.	प्रयाण	मुनि भूपेन्द्रकुमार	450
32.	मुक्तक माला	मुनि भूपेन्द्रकुमार	530
33.	चैतन्य रश्मि कनकप्रभा	साध्वी कनकश्री	2000
34.	षडावश्यक	साध्वी कंचनकुमारी	1100
35.	कथा कौमुदी	साध्वी सोमप्रभा	500
36.	मनहर साध्वी मनोहरा	साध्वी काव्यलता	530
37.	समन रोशनी का	साध्वी कुलविभा	550
38.	इसिभासियाइं	समणी डॉ. कुसुमप्रज्ञा	736
39.	आचार्य महाप्रज्ञ का स्तोत्र काव्य	समणी डॉ. संगीतप्रज्ञा	250

पुनर्मुद्रण

01.	जैन तत्त्व विद्या-खण्ड 2, 3	आचार्य तुलसी	2200
02.	सचित्र श्रावक प्रतिक्रमण	आचार्य तुलसी	20140
03.	जैन तत्त्व विद्या खण्ड-1	आचार्य तुलसी	790
04.	दसवेआलियं	आचार्य तुलसी/आचार्य महाप्रज्ञ	500
05.	नन्दी	आचार्य तुलसी/आचार्य महाप्रज्ञ	2000
06.	तब होता है ध्यान का जन्म	आचार्य महाप्रज्ञ	1095
07.	श्रमण महावीर	आचार्य महाप्रज्ञ	2095
08.	परिवार के साथ कैसे रहें	आचार्य महाप्रज्ञ	3790
09.	सोया मन जग जाये	आचार्य महाप्रज्ञ	1188
10.	सुप्रभातम भाग-1	आचार्य महाप्रज्ञ	1100
11.	जैन परंपरा का इतिहास	आचार्य महाप्रज्ञ	2170
12.	जीव अजीव	आचार्य महाप्रज्ञ	1540

13.	लोकतंत्र नया व्यक्ति नया समाज	आचार्य महाप्रज्ञ	539
14.	साधना और सिद्धी	आचार्य महाप्रज्ञ	1100
15.	शिक्षा जगत के लिए जरूरी है नया चिंतन	आचार्य महाप्रज्ञ	3040
16.	अनुप्रेक्षा	आचार्य महाप्रज्ञ	100
17.	जो सहता है वह रहता है	आचार्य महाप्रज्ञ	1300
18.	Abstract Thinking	Acharya Mahapragya	1085
19.	सुखी बनो	आचार्य महाश्रमण	12000
20.	आओ हम जीना सीखें	आचार्य महाश्रमण	5600
21.	संवाद भगवान से भाग - 1	आचार्य महाश्रमण	2225
22.	दुःख मुक्ति का मार्ग	आचार्य महाश्रमण	4200
23.	संवाद भगवान से भाग - 2	आचार्य महाश्रमण	2190
24.	क्या कहता है जैन साहित्य	आचार्य महाश्रमण	2192
25.	Let us Learn to Live	Acharya Mahashraman	1075
26.	वैर का अनुबंध	मुनि दुलहराज	540
27.	नल दमयंती	मुनि दुलहराज	565
28.	यह है जीने की कला	मुनि सुखलाल	652
29.	जीवन विज्ञान शिक्षण प्रशिक्षण मार्गदर्शिका	मुनि किशनलाल	5020
30.	प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान	मुनि किशनलाल	11900
31.	Jeevan vigyan a guide of Teacher	Muni Kishanlal	1871
32.	Jeevan vigyan in prayer assembley	Muni Kishanlal	12000
33.	Jeevan Vigyan Part - IV	Muni Kishanlal	2660
34.	Jeevan Vigyan Part - III	Muni Kishanlal	1100
35.	Jeevan Vigyan Sanskarmala	Muni Kishanlal	1120
36.	सात कौडियों से राज्य	मुनि धनंजयकुमार	398
37.	प्रेक्षाध्यान व्यक्तित्व विकास	मुनि धर्मेश	2213
38.	संतो के बोल	मुनि विजयकुमार	430
39.	Truth of Presem	Sadhvi Vishrutvibha	550
40.	तत्त्व दीपिका	साध्वी जिनप्रभा	200
41.	आचार्य महाश्रमण जीवन परिचय	साध्वी सुमतिप्रभा	2235

तुलसी वाङ्मय प्रवचनमाला भाग-22 से 30 का लोकार्पण

आचार्य तुलसी के 98वें जन्म दिवस के अवसर पर जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित आचार्य तुलसी के प्रवचनों के संग्रह 'तुलसी वाङ्मय' प्रवचनमाला के भाग-22 से 30 तक 9 पुस्तकों का सेट दिनांक 28 अक्टूबर 2011 को परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के करकमलों में लोकार्पित किया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व तुलसी वाङ्मय प्रवचनमाला के भाग-1 से 21 जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित हो चुके हैं। इनके कुशल एवं श्रमपूर्ण संपादन हेतु आदरास्पद मुनिश्री धर्मरुचिजी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

गुजराती साहित्य विभाग का गठन

जैन विश्व भारती के अंतर्गत धर्मसंघ के गुजराती साहित्य के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से गुजराती साहित्य विभाग का गठन किया गया। अनेकान्त भारती प्रकाशन, अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित लगभग रु. 8 लाख मूल्य की 53 प्रकार की 13480 प्रतियां जैन विश्व भारती द्वारा गुजराती साहित्य विभाग के अंतर्गत क्रय की गई। उक्त साहित्य को रखने के लिए स्थान उपलब्ध करवाने हेतु प्रेक्षा विश्व भारती, कोबा, अहमदाबाद के अध्यक्ष श्री बाबूलाल सेखानी एवं प्रबंधन समिति के सहयोग हेतु हार्दिक आभार। गुजराती साहित्य विभाग के संरक्षक श्री शुभकरन सुराणा, संयोजक श्री दामोदरलाल कोठारी एवं विभाग के अन्य सदस्यों के सहयोग हेतु आभार। संघीय साहित्य के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय सेवाओं हेतु अनेकांत भारती प्रकाशन, अहमदाबाद के प्रति आभार।

'Transform Your Self' पुस्तक का लोकार्पण

दिनांक 18 दिसंबर 2011 को फिक्की ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में जैन विश्व भारती एवं हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स इण्डिया लि. के संयुक्त तत्वावधान में मुनिश्री जयकुमारजी के सान्निध्य में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की नवीन कृति 'Transform Your Self' का लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ। श्री कपिल सिब्बल, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने नवीन कृति का विमोचन किया। परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन संदेश को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रसारित किया गया। कार्यक्रम में जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी का भी सान्निध्य रहा। इस कार्यक्रम की आयोजना में दिल्ली के वरिष्ठ श्रावक श्री मांगीलाल सेठिया, जैन विश्व भारती के उपाध्यक्ष श्री बजरंगलाल बोथरा, संयुक्त मंत्री श्री अरविंद गोठी, संचालिका समिति सदस्य श्री सुखराज सेठिया एवं श्री स्वरूपचंद बरड़िया के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में साहित्य का स्टॉल

गांधी स्मृति एवं दर्शन, राजघाट दिल्ली में दिनांक 11 से 13 फरवरी 2012 को की 'टीचर एजुकेशन फॉर पीस एण्ड हारमोनी' विषय पर आई.ए.एस.ई. विश्वविद्यालय, सरदारशहर एवं जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में जैन विश्व भारती द्वारा साहित्य का स्टॉल लगाया गया। इस सेमिनार में देश-विदेश के लगभग 250 अध्यापकों ने भाग लिया। संघीय पुस्तकों की अच्छी मांग रही।

'दी फैमिली एण्ड दी नेशन' पुस्तक का आसामी संस्करण प्रकाशित

आचार्य महाप्रज्ञ एवं डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा संयुक्तरूप से लिखित पुस्तक 'दी फैमिली एण्ड दी नेशन' का आसामी भाषा में संस्करण मेसर्स ज्योति प्रकाशन, गुवाहाटी द्वारा मार्च 2012 में प्रकाशित किया गया।

'सम्पन्न बनो' पुस्तक का विमोचन समारोह

दिनांक 27 अप्रैल 2012 को बालोतरा में जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित आचार्यश्री महाश्रमणजी की नवीन कृति 'संपन्न बनो' का विमोचन समारोह आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में श्री बी.एस. राजपुरोहित, कुलपति, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के मुख्य अतिथ्य में आयोजित हुआ। यह कृति उत्तराध्ययन और श्रीमद्भगवद्गीता प्रवचनमाला पर आधारित लोकप्रिय कृति 'सुखी बनो' का अग्रिम ग्रंथ है।

आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के अंतर्गत संपादित साहित्य संबंधी कार्य

आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के अंतर्गत जैन विश्व भारती द्वारा मंगलाचार की आराधना के क्रम में आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा रचित शाश्वत मूल्यों से संहित साहित्य का एकरूपता के अनुसार प्रकाशन किया गया। जैन विश्व भारती ने आकर्षित एवं सुरुचिपूर्ण कलेवर में आचार्य प्रवर की विभिन्न शीर्षकों के अंतर्गत रचनाओं की लगभग 90 हजार प्रतियों का प्रकाशन एवं वितरण कर उनकी श्रेयस वाणी को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का सद्प्रयास किया। बुद्धिजीवियों एवं राजनेताओं को तथा देश के लगभग 50 विश्वविद्यालयों व पुस्तकालयों में आचार्य प्रवर का साहित्य प्रेषित किया गया।

साहित्य संपोषण योजना का प्रारंभ

मार्च 2012 के पश्चात् केन्द्र के इंगितानुसार जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित साहित्य में अनुदानदाता का नामोल्लेख बंद कर दिया गया है एवं उसके स्थान पर 'साहित्य संपोषण योजना' के नाम से एक नई योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना में अनुदानदाता के लिए दो श्रेणियां – साहित्य संपोषक एवं साहित्य सहयोगी रखी गई है। रु. 5 लाख का अनुदान देकर कोई व्यक्ति साहित्य संपोषक एवं रु. 1 लाख का अनुदान देकर साहित्य सहयोगी बन सकता है। जैन विश्व भारती के अंतर्गत गठित एक विशेष कोष में यह राशि जमा होगी एवं साहित्य के लाभ हानि की पूर्ति इस कोष से होती रहेगी। अब तक इस योजना के अंतर्गत निम्नलिखित महानुभावों/ट्रस्टों ने अपना सहयोग प्रदान किया है-

साहित्य संपोषक

(1)देवराज मूलचंद नाहर चैरिटेबल ट्रस्ट, जागुन्दा-बैंगलोर।

साहित्य सहयोगी

(1) श्री जैन संघ-जावरा (राजस्थान), (2) श्री रतनलाल बसंत कुमार पारख (ऑरबिट ग्रुप)-कोलकाता, (3) श्री कुंदनमल सेठिया मेमोरियल ट्रस्ट-दिल्ली, (4) श्री नरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, कुशल कुमार, नितेश कुमार रायसोनी-आउआ-बैंगलोर, (5) श्री मोहनलाल जयचंदलाल संकेती, मोमासर-अहमदाबाद, (6) श्री रामचंद्र शिवलाल भंसाली द्वारा-मांगीलाल भंसाली-नीमच, (7) श्रीचंद बरड़िया चैरिटेबल ट्रस्ट, द्वारा-श्री स्वरूपचंद बरड़िया, सरदारशहर

उक्त सभी सहयोगी महानुभावों/परिवारों/ट्रस्टों के प्रति हार्दिक आभार।

आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की कृति 'ऋषभायण' के प्रकाशन हेतु अनुबंध हस्ताक्षरित

आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की कृति 'ऋषभायण' के प्रकाशन हेतु प्रतिष्ठित प्रकाशन ईकाई हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स इण्डिया लि. के साथ प्रकाशन संबंधी अनुबंध दिनांक 17 अप्रैल 2012 को जैन विश्व भारती द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।

आचार्यश्री महाश्रमणजी की पुस्तकों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद

आचार्य प्रवर की पुस्तक 'आओ हम जीना सीखें' का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद एवं 'Let us learn to live' शीर्षक से जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशन किया गया। 'दुःख मुक्ति का मार्ग' पुस्तक का बंगाली भाषा में अनुवाद कराया गया। इस कार्य में श्रीमती मधुमिता गुहा, कोलकाता के सहयोग हेतु आभार। 'आओ हम जीना सीखें' पुस्तक के कन्नड भाषा में अनुवाद हेतु श्री विमल कटारिया, बैंगलोर के सहयोग हेतु आभार। 'क्या कहता है जैन वाङ्मय' पुस्तक के तमिल भाषा में अनुवाद हेतु श्रीमती माला कातरेला, चेन्नई के सहयोग हेतु आभार। 'आचार्य महाश्रमण : जीवन परिचय' पुस्तक के नेपाली भाषा में अनुवाद हेतु श्रीमती राजलक्ष्मी गोलछा, काठमांडू एवं मराठी भाषा में अनुवाद हेतु श्री नन्दलाल नाहर, मेहकर के सहयोग हेतु आभार।

कृतज्ञता / आभार

आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के साहित्य सम्पादन में मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभाजी का महत्त्वपूर्ण श्रम रहा तथा महनीय मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, एतदर्थ हार्दिक कृतज्ञता। आचार्यश्री महाश्रमणजी के साहित्य का संपादन मुख्यतः साध्वीश्री सुमतिप्रभाजी द्वारा किया जा रहा है, साध्वीश्री के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। पूज्यवरों के साहित्य सम्पादन आदि कार्यों में मुनिश्री धनंजयकुमारजी, मुनिश्री कुमारश्रमणजी, मुनिश्री जयकुमारजी, मुनिश्री विश्रुतकुमारजी आदि का विशेष श्रम रहा तथा महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, इस हेतु हार्दिक कृतज्ञता। साहित्य समिति के चारित्रात्माओं मुनिश्री विजयकुमारजी, मुनिश्री जितेन्द्रकुमारजी, साध्वीश्री जिनप्रभाजी, साध्वीश्री मुदितयशाजी एवं साध्वीश्री शुभ्रयशाजी के महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देशन हेतु हार्दिक कृतज्ञता। साहित्य संबंधी कार्यों में चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता। सभी विद्वान लेखक चारित्रात्माओं के प्रति आभार।

साहित्य प्रकाशन हेतु जिन परिवारों और महानुभावों का आर्थिक

सौजन्य प्राप्त हुआ, उनके प्रति हार्दिक आभार। साहित्य मुद्रण संबंधी कार्य में पायोराईट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि., उदयपुर के श्री संजय कोठारी, सांखला प्रिन्टर्स, बीकानेर के श्री दीपचंद सांखला एवं वर्द्धमान प्रेस, दिल्ली के श्री संजीव जैन के सहयोग हेतु हार्दिक साधुवाद। जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित साहित्य की वितरण व्यवस्था में श्री गुलाबचंद श्यामसुखा – कोलकाता, श्री हेमराज सामसुखा – बैंगलोर, श्री जोधराज बैद – दिल्ली, श्री हसमुख भाई मेहता – मुंबई, श्री दिलीप दूगड़ – तेजपुर, श्री भूरामल श्यामसुखा – इंदौर, श्री सलिल लोढ़ा – मुंबई, श्री पुखराज बड़ौला – चेन्नई, श्री अरविन्द गोठी – दिल्ली, श्री नरेन्द्र दूगड़ – रायपुर, श्री दिलीप कोठारी – अहमदाबाद, श्री इंदर बैंगानी – दिल्ली, श्री पंकज दूगड़ – जयपुर आदि के सहयोग व सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। केलवा चातुर्मास के दौरान महाप्रज्ञ विद्यानिधि फाउण्डेशन, मुंबई द्वारा साहित्य प्रचार–प्रसार के लिए प्रदत्त विशेष सहयोग हेतु हार्दिक आभार। उदयपुर से केलवा निरंतर साहित्य की उपलब्धता में विशेष सहयोग हेतु श्री निर्मल जैन, उदयपुर के प्रति हार्दिक आभार। जैन विश्व भारती साहित्य विभाग के प्रभारी श्री जगदीश प्रसाद एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद। पूज्यवरों की यात्रा में यात्रायित जैन विश्व भारती के साहित्य विक्रय केन्द्र में श्री नन्दलाल सिमार एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

आगम मंथन प्रतियोगिता

आगम मंथन प्रतियोगिता–VI

'नन्दी' आगम ग्रंथ पर आधारित आगम मंथन प्रतियोगिता – षष्ठम का आयोजन जैन विश्व भारती द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में 1297 प्रतियोगियों ने भाग लिया, जिनमें साधु–साध्वियों की संख्या 80 भी शामिल है। दिनांक 10 मार्च 2012 को इस प्रतियोगिता के प्रथम चरण का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें 900 अंकों में से 890.5 से 898.5 के मध्य कोई भी अंक प्राप्त करने वाले प्रथम 100 प्रतियोगियों की द्वितीय चरण की परीक्षा 23 अप्रैल 2012 को जैन विश्व भारती में आयोजित हुई। विभिन्न क्षेत्रों से समागत 34 प्रतियोगियों ने यह परीक्षा दी। जिसके आधार पर अंतिम परिणाम घोषित किया गया। मोनिका छाजेड़ – लूणकरणसर ने प्रथम, ममता सांड – नोखा ने द्वितीय एवं विजयश्री मरोठी – नोखा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतियोगियों को हार्दिक बधाई। इस प्रतियोगिता के प्रायोजक के रूप में सहयोग हेतु श्री केवलचंद जैन – बेलगांव के प्रति हार्दिक आभार।

आगम मंथन प्रतियोगिता–VII

'सूयगडो' आगम ग्रंथ पर आधारित आगम मंथन प्रतियोगिता – सप्तम का प्रारंभ दिनांक 28 जुलाई 2012 को जसोल में परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के करकमलों में पुस्तक एवं प्रश्न पुस्तिका भेंट कर किया गया। इस प्रतियोगिता के प्रायोजक के रूप में माणकचंद रूपचंद दूगड़ चेरिटेबल ट्रस्ट, बीदासर–मुंबई के सहयोग की स्वीकृति प्राप्त हुई है, इस हेतु उनके प्रति हार्दिक आभार।

प्रतियोगियों को प्रश्न पुस्तिका व पुस्तकें उपलब्ध करवाने आदि के कार्यों में अनेक क्षेत्रीय कार्यकर्त्ताओं एवं स्थानीय संघीय संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ। सभी के प्रति आभार। प्रतियोगिता के व्यवस्था संबंधी दायित्व निर्वहन हेतु सुश्री प्रज्ञा सिंघी को हार्दिक धन्यवाद।

शोध

जैन विश्व भारती की स्थापना के मूलभूत उद्देश्यों में शोध का स्थान सर्वोपरि रहा है। प्रारंभ से ही गणाधिपति गुरुदेवश्री तुलसी ने इसे जैन धर्म, दर्शन, अध्यात्म आदि के एक उच्चस्तरीय शोध–संस्थान के रूप में परिकल्पित किया था। आगम–संपादन, अनुवाद, भाष्य (या टिप्पण) आदि का कार्य इसी शोध–प्रवृत्ति के अंतर्गत जारी है। यह कार्य पूर्व में वाचना–प्रमुख आचार्य तुलसी एवं मुख्य संपादक विवेचक आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के निर्देशन में चला तथा वर्तमान में यह प्रवृत्ति आचार्यश्री महाश्रमणजी के निर्देशन में उत्तरोत्तर प्रगति कर रही है। इसके प्रबंधन, मुद्रण, प्रचार–प्रसार आदि का सारा दायित्व जैन विश्व भारती द्वारा निर्वहन किया जा रहा है।

मूलतः समग्र आगम–कार्य का मुख्य निर्देशन आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत आगमों के अनुवाद, टिप्पण, विभिन्न प्रकार के कोश–निर्माण आदि की योजनाएं चल रही हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आलोच्य अवधि के उल्लेखनीय कार्यों की अवगति निम्न प्रकार से है –

'इसिभासियाइं' आगम ग्रंथ का प्रकाशन

समणी कुसुमप्रज्ञाजी द्वारा संपादित महत्त्वपूर्ण आगम ग्रंथ 'इसिभासियाइं' (ऋषिभाषित) का प्रकाशन जैन विश्व भारती द्वारा किया गया, जिसका लोकार्पण आचार्यश्री महाश्रमणजी के करकमलों में दिनांक 6 अक्टूबर 2011 को केलवा में हुआ। डॉ. भोपालसिंह लोढ़ा एवं डॉ. जितेन्द्र शाह ने ग्रंथ की प्रथम प्रति लोकार्पण हेतु पूज्यप्रवर को उपहृत की। इस आगम ग्रंथ में 45 ऋषियों की वाणी का संकलन है।

आगम मनीषी' प्रोफेसर मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी द्वारा 'सूयगडो' के अंग्रेजी अनुवाद का कार्य किया जा रहा है। छः अध्ययन का कार्य सम्पन्न हो चुका है। 'भगवती सूत्र' (हिन्दी अनुवाद) का संपूर्ण संपादन कार्य संपन्न हो चुका है। 'भगवती सूत्र' खण्ड–4,5 के भाष्य–शतक 25 का कार्य जारी है।

मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी द्वारा 'दशाश्रुतस्कंध' आगम का कार्य किया जा रहा है।

साध्वीश्री श्रुतयशाजी द्वारा 'निशीथ' आगम ग्रंथ का कार्य किया जा रहा है।

साध्वीश्री मुदितयशाजी द्वारा 'बृहत्कल्प' आगम ग्रंथ का कार्य किया जा रहा है।

साध्वीश्री शुभ्रयशाजी द्वारा 'व्यवहार' आगम ग्रंथ का कार्य किया जा रहा है।

'विशेषावश्यक भाष्य' और 'निशित भाष्य' के अनुवाद का कार्य संपन्न हो चुका है। दोनों ग्रंथों की कंपोजिंग का कार्य जैन विश्व भारती के अंतर्गत जारी है।

जैन विश्व भारती के अंतर्गत जैन गणित पर शोध परियोजना का प्रारंभ

आचार्यश्री महाप्रज्ञ का चिंतन था कि चारों अनुयोगों का समग्र रूप से अध्ययन कर गणितानुयोग पर अध्ययन एवं अनुसंधान का कार्य किया जाए। आचार्यश्री द्वारा यह चिंतन, वर्ष 2009 के लाडनूं चातुर्मास में व्यक्त किया था, जिसे मूर्त रूप देने के लिए दिनांक 29–31 अक्टूबर, 2009 को आचार्यश्री महाप्रज्ञ और तत्कालीन युवाचार्य श्री महाश्रमण (वर्तमान आचार्य) के सान्निध्य तथा समणी चैतन्यप्रज्ञाजी के संयोजकत्व में जैन विश्व भारती, लाडनूं में स्थित जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के जैन विद्या एवं

तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग द्वारा "Jain Mathamatics : Historical & Theoretical Aspects" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई, जिसमें विचार-विमर्श के उपरांत गणित के क्षेत्र में जैन दर्शन एवं जैन परंपरा के योगदान को उजागर करने की दृष्टि से "Development of Mathematical Thoughts in Jain Literature' विषयक शोध परियोजना का कार्य प्रारंभ करने का निर्णय किया गया।

सन् 2011 में समणी डॉ. चैतन्यप्रज्ञाजी के निर्देशन एवं जैन गणित के क्षेत्र के वरिष्ठ विद्वान् प्रो. अनुपम जैन के नेतृत्व में जैन विश्व भारती के अंतर्गत इस शोध परियोजना पर विधिवत कार्य प्रारंभ हुआ। इस परियोजना के अंतर्गत जैन गणित से संबंधित आगम ग्रंथों, साहित्य एवं पांडुलिपियों का संकलन किया जा चुका है। सन् 1908 से लेकर अब तक देश-विदेश की शोध पत्रिकाओं, अभिनंदन ग्रंथों, स्मृति ग्रंथों, स्मारिकाओं में प्रकाशित जैन गणित विषयक लेखों का भी संकलन किया जा चुका है। डॉ. आर. एस. शाह के माध्यम से गणितीय दृष्टि से महत्वपूर्ण 'अनुयोगद्वार सूत्र' का अंग्रेजी अनुवाद का कार्य भी संपन्न हो चुका है। 'जंबूद्वीपप्रज्ञप्ति' का अंग्रेजी अनुवाद कार्य प्रगति पर है। विषय की जटिलता और इस क्षेत्र में कार्य करने वाले विद्वानों की कमी के कारण गणितानुयोग पर अध्ययन और अनुसंधान का कार्य बहुत कम हुआ। इस दृष्टि से इस शोध परियोजना का महत्व बढ़ जाता है। इस शोध परियोजना के माध्यम से 'जैन परंपरा का भारतीय गणित को अवदान' को समग्र रूप से रेखांकित किया जाएगा, जिसे श्रमण संस्कृति का महत्व तो उजागर होगा ही साथ ही गणित इतिहास के क्षेत्र में भारतीय गणित के योगदान का महत्व भी बढ़ेगा।

उक्त शोध परियोजना जैन विश्व भारती के अंतर्गत निर्मित 'भंवरलाल बच्छावत जैन विद्या विकास निधि' नामक कोष से प्राप्त ब्याज की आय से संचालित हो रही है, एतदर्थ श्री नवरत्नमल बच्छावत परिवार, चाड़वास-होसपेट-बैंगलोर के प्रति हार्दिक आभार।

शोध के अन्तर्गत आगम सम्पादन के कार्य में अनेक चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद का श्रम मुखर हो रहा है। पूज्यप्रवर के निर्देशन में इस कार्य में मुख्य रूप से संलग्न मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, 'आगम मनीषी' प्रोफेसर मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी, मुनिश्री राजेन्द्रकुमारजी, मुनिश्री दिनेशकुमारजी, मुनिश्री योगेशकुमारजी, मुनिश्री जितेन्द्रकुमारजी, साध्वीश्री सिद्धप्रज्ञाजी, साध्वीश्री श्रुतयशाजी, साध्वीश्री मुदितयशाजी, साध्वीश्री शुभ्रयशाजी, समणी कुसुमप्रज्ञाजी एवं अन्य सभी सहयोगी चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी द्वारा संपादित कार्य में सहयोगी के रूप में मुनिश्री अजितकुमारजी एवं मुनिश्री अभिजितकुमारजी के श्रम हेतु कृतज्ञता।

उक्त कम्प्यूटर संबंधी कार्य में कार्यालय में कार्यरत श्री निमाई चरण त्रिपाठी, श्री प्रमोद कुमार, श्रीमती कुसुम जैन आदि द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

हस्तलिखित एवं पाण्डुलिपि विभाग

जैन विश्व भारती में अनेक प्राचीन एवं दुर्लभ जैन हस्तलिखित ग्रन्थ उपलब्ध हैं जिनकी सुरक्षा एवं संरक्षण जैन विश्व भारती के हस्तलिखित एवं पाण्डुलिपि विभाग के अन्तर्गत किया जा रहा है। इनकी सुरक्षा और संरक्षण की दृष्टि से विशेषज्ञ टीमों ने समय-समय पर दौरा कर अपने अमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए हैं और उनके निर्देशानुसार हस्तलिखित पाण्डुलिपियों को इनकी सुरक्षा की दृष्टि से निर्मित विशेष प्रकार की लकड़ी की बनी पेटियों में रखा गया है। वर्तमान में इन पाण्डुलिपियों की संख्या 3122 है जो 364 पेटियों में गोदरेज की आलमारियों में सुरक्षित हैं। इनकी ग्रंथ सूची में पत्र संख्या, लिपिसंवत, लिपिकर्ता, लिपिस्थान, रचनाकार आदि का उल्लेख किया हुआ है।

पाण्डुलिपियों की एक-एक प्रति की समग्रता से सार संभाल करने, इन्हें सुव्यवस्थित और सुरक्षित रखने में मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुदर्शन' का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रारंभ से ही प्राप्त हो रहा है। मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुदर्शन' वर्षों से जो अथक श्रम कर रहे हैं, उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। वर्तमान में इस विभाग को मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुदर्शन' के मार्गदर्शन में मुनिश्री जयंतकुमारजी एवं मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का निर्देशन प्राप्त है। मुनिद्वय इस अमूल्य निधि की सार-संभाल एवं संरक्षण हेतु अत्यन्त जागरूक हैं। मुनिद्वय के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। विभाग के निदेशक श्री कन्हैयालालजी छाजेड़ निष्ठा व सक्रियता के साथ इनकी देख-रेख कर रहे हैं। उनके सहयोग एवं सेवाओं हेतु हार्दिक आभार।

समन्वय

पुरस्कार एवं सम्मान

जैन विश्व भारती द्वारा कुल 10 पुरस्कारों का संचालन विभिन्न प्रायोजकों के सहयोग से किया जा रहा है। इस वर्ष निम्नलिखित पुरस्कार पूज्यवरों के पावन सान्निध्य में समारोहपूर्वक प्रदान किए गए :-

आचार्य तुलसी अनेकान्त सम्मान

प्रायोजक	एम. जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
प्राप्तकर्ता 2011	घोषणा अवशिष्ट
राशि	1,51,000/-

आचार्य महाप्रज्ञ अहिंसा प्रशिक्षण सम्मान

प्रायोजक	एम.जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
प्राप्तकर्ता 2011	श्री सौरभ आचार्य, पटना एवं श्री संजयभाई, शेरपुर (संयुक्त)
प्राप्ति तिथि एवं स्थान	08 अक्टूबर 2011, कैलगा
राशि	1,51,000/-
प्राप्तकर्ता 2012	अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्र, गौछेड एवं हैदराबाद (संयुक्त)
प्राप्ति तिथि एवं स्थान	प्रदान किया जाना अवशिष्ट

महादेवलाल रामावतार जैन आगम मनीषा पुरस्कार

प्रायोजक	एम.जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
प्राप्तकर्ता 2011	प्रो. अनुपम जैन, इंदौर
प्राप्ति तिथि एवं स्थान	प्रदान किया जाना अवशिष्ट
राशि	1,00,000/-

गंगादेवी सरावगी जैन विद्या पुरस्कार :

प्रायोजक	एम. जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
प्राप्तकर्ता 2011	श्रीमती कुसुम जैन
प्राप्ति तिथि एवं स्थान	प्रदान किया जाना अवशिष्ट
राशि	1,00,000/-

जय तुलसी विद्या पुरस्कार :

प्रायोजक	चौथमल कन्हैयालाल सेठिया चैरिटेबल ट्रस्ट, सूरत
प्राप्तकर्ता 2011	गणाधिपति तुलसी जैन इंजीनियरिंग कॉलेज, वेल्लूर
प्राप्ति तिथि एवं स्थान	प्रदान किया जाना अवशिष्ट
राशि	2,00,000/-

संघ सेवा पुरस्कार :

प्रायोजक	नेमचंद जेसराज सेखानी चैरिटेबल ट्रस्ट, कोलकाता
प्राप्तकर्ता 2012	श्री देवेन्द्र कुमार हिरण, गंगापुर
प्राप्ति तिथि एवं स्थान	08 नवंबर 2011, केलवा
राशि	1,25,000/-

आचार्य तुलसी प्राकृत पुरस्कार :

प्रायोजक	के. बी. डी. फाउण्डेशन, कोलकाता
प्राप्तकर्ता 2010	डॉ. छगनलाल शास्त्री, उदयपुर
प्राप्तकर्ता 2011	कुन्दकुन्द भारती, दिल्ली
प्राप्ति तिथि एवं स्थान	प्रदान किया जाना अवशिष्ट
राशि	1,00,000/- (प्रत्येक)

आचार्य महाप्रज्ञ साहित्य पुरस्कार :

प्रायोजक	सूरजमल सुराणा चैरिटेबल ट्रस्ट, गुवाहाटी
प्राप्तकर्ता 2010	प्रो. जयनारायण शर्मा, चंडीगढ़
प्राप्ति तिथि एवं स्थान	20 फरवरी 2012, रावलिया कलां
राशि	1,00,000/-
प्राप्तकर्ता 2011	श्री गोविन्द व्यास, दिल्ली (घोषित)
प्राप्ति तिथि एवं स्थान	प्रदान किया जाना अवशिष्ट

प्रज्ञा पुरस्कार :

प्रायोजक	श्री उम्मेदसिंह, विनोदसिंह, दिलीप दूगड़ तुरा-हैदराबाद-गुवाहाटी
प्राप्तकर्ता 2011	डॉ. एस.आर. मेहता, जयपुर
प्राप्ति तिथि एवं स्थान	प्रदान किया जाना अवशिष्ट
राशि	1,00,000/-

जीवन विज्ञान पुरस्कार :

प्रायोजक	नाहटा चैरिटेबल ट्रस्ट, कोलकाता
प्राप्तकर्ता 2011	जीवन विज्ञान अकादमी, जलगांव
प्राप्ति तिथि एवं स्थान	प्रदान किया जाना अवशिष्ट
राशि	1,00,000/-

सभी पुरस्कार प्रायोजक परिवारों के प्रति हार्दिक आभार एवं पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के प्रति मंगलकामना। पुरस्कारों के नियोजन में डॉ. बच्छराज दूगड़ एवं डॉ. वन्दना कुण्डलिया की सेवाओं हेतु उनके प्रति हार्दिक आभार।

पुरस्कार संचालन नीति का निर्माण

अक्टूबर 2011 में पूज्यप्रवर के इंगितानुसार जैन विश्व भारती द्वारा पुरस्कारों के संचालन के लिए एक निर्धारित प्रारूप एवं नीति का निर्धारण किया गया है, जिसके अनुसार सभी पुरस्कारों के लिए एक निर्धारित आचार संहिता के आधार पर आवेदन आमंत्रित कर पुरस्कारों हेतु योग्य व्यक्तियों का चयन किया जायेगा। पुरस्कारों के संचालन हेतु जैन विश्व भारती के अंतर्गत एक पुरस्कार चयन समिति का गठन भी किया गया है। पुरस्कार चयन समिति के सदस्यों के सहयोग हेतु आभार।

सरावगी फाउंडेशन द्वारा 'एम.जी. सरावगी स्मृति कोष' की स्थापना

जैन विश्व भारती के अंतर्गत महादेवलाल गंगादेवी सरावगी फाउंडेशन, कोलकाता के प्रायोजकत्व में प्रति वर्ष चार पुरस्कारों - आचार्य तुलसी अनेकांत सम्मान, आचार्य महाप्रज्ञ अहिंसा प्रशिक्षण सम्मान, जैन आगम मनीषा पुरस्कार एवं गंगादेवी सरावगी जैन विद्या पुरस्कार का संचालन किया जाता है। इस फाउंडेशन के ट्रस्टी श्री गोबिंदलालजी सरावगी ने अपने दूरदर्शी चिंतन से पुरस्कारों की आजीवन प्रयोजना को सुनिश्चित करने हेतु मार्च 2012 में 51 लाख रुपये की राशि जैन विश्व भारती को अनुदानस्वरूप प्रदान की है, जिससे जैन विश्व भारती के अंतर्गत 51 लाख रु. की राशि के 'एम.जी. सरावगी स्मृति कोष' की स्थापना की गई है। इस कोष से प्राप्त ब्याज की आय से प्रतिवर्ष फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित उक्त चारों पुरस्कारों का सुगमतापूर्वक संचालन हो सकेगा। जैन विश्व भारती परिवार श्री गोबिन्दलालजी सरावगी के प्रति अत्यंत आदर एवं सम्मान प्रकट करता है और धर्मसंघ एवं समाज के विकास में उनके योगदान हेतु उनके प्रति हार्दिक आभार ज्ञापित करता है।

विदेशों में केन्द्र

विदेशों में जैन दर्शन, जैन विद्या एवं जैन संस्कृति के प्रचार-प्रसार एवं संस्कार निर्माण व जैन संस्कृति की सुरक्षा की दृष्टि से जैन विश्व भारती के नाम से केन्द्र संचालित हो रहे हैं, जिनकी जानकारी अग्रलिखित है-

Jain Vishva Bharati, USA (Orlando)
7809 Lillwill Avenue, Orlando
Fl 32809 (USA)
Tel.: 407-852-8694
E-mail : jainvishwafl@gmail.com
चैयरमेन - श्री कमलेश भाई शाह
वर्ष 2011-12 में प्रवासित समणीवृन्द :
समणी भावितप्रज्ञाजी, समणी विशदप्रज्ञाजी।

Jain Vishva Bharati, Houston
1712 Hwy 6 South Houston
Texas 77077 (USA)
Tel.: 281-596-9642, 281-495-9733
E-mail : jvbtexas@yahoo.com
चैयरमेन - श्री स्वतंत्र जैन
वर्ष 2011-12 में प्रवासित समणीवृन्द :
समणी अक्षयप्रज्ञाजी, समणी परिमलप्रज्ञाजी

Jain Vishva Bharati, NA (New Jersey)
151 Middle Sex Avenue
Iselin, NJ - 08830, USA
Tel.: 0732-404-1430
E-mail : jvbnj@yahoo.com
चैयरमेन - श्री विरेन्द्र जैन
वर्ष 2011-12 में प्रवासित समणीवृन्द :
समणी जयंतप्रज्ञाजी, समणी सन्मतिप्रज्ञाजी

उपर्युक्त केन्द्रों में प्रवासित समणीवृन्द के सान्निध्य में संस्कार निर्माण एवं जैन विद्या से संबंधित विभिन्न गतिविधियां सुचारु रूप से संचालित हैं। विदेशों में प्रवासित अनेक जैन परिवारों से समय-समय पर आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। मुख्य रूप से सहयोगी श्री कमलेश भाई शाह, ओसवालजी तथा सभी सहयोगी परिवारों के प्रति हार्दिक आभार। केन्द्रों में निदेशकगण के सहयोग एवं सेवाओं हेतु आभार।

संस्कृति

तुलसी कला दीर्घा

गणाधिपति पूज्य गुरुदेव श्री तुलसी की पुण्य स्मृति में जैन विश्व भारती में स्थापित तुलसी कला दीर्घा (आर्ट गैलरी) आने वाले हर वर्ग के दर्शक को प्रभावित करती है। कला केन्द्र में जैन धर्म को दर्शाने वाली प्राचीन एवं अर्वाचीन चित्रों एवं हस्तकलाओं की प्रचुर सामग्री का संग्रह किया गया है। दुर्लभ, कलापूर्ण, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की प्रदर्शन योग्य सामग्री के साथ तेरापंथ के आचार्यों को सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा प्रदत्त राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से संबंधित प्रतीक चिह्न, प्रशस्ति पत्र तथा अन्य सामग्री को यहां पर शो विंडो में कलापूर्ण ढंग से सुसज्जित किया गया है। मूल दीर्घा में ऐतिहासिक दस्तावेज, चित्र, रेखांकन तथा हस्त लेखों का विशाल संग्रह 40 टेबल शो केसों में प्रदर्शित किया गया है। नारियल, काष्ठ, तुम्बा और कागज की लुग्दी एवं जीर्ण-शीर्ण कपड़े से बनी अद्भुत कलापूर्ण सामग्री यहां प्रदर्शित है।

इस वर्ष आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के उपलक्ष में पूज्यप्रवर को उपहृत चंदन की लकड़ी से हस्त निर्मित पंखी कला दीर्घा में प्रदर्शन हेतु रखी गई।

अगस्त 2011 से जून 2012 तक देश विदेश के 2538 दर्शनार्थियों ने कला प्रेक्षा का अवलोकन किया। तुलसी कला दीर्घा के लिए श्रद्धेय मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुदर्शन' का लम्बे समय से महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है, एतदर्थ हार्दिक कृतज्ञता। कला दीर्घा के विकास हेतु मुनिश्री कीर्तिकुमारजी एवं मुनिश्री जयंतकुमारजी का भी समय-समय पर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ हार्दिक कृतज्ञता। कला दीर्घा विभाग के निदेशक श्री ताराचंद रामपुरिया की सेवाओं हेतु आभार।

पूज्यप्रवर को उपहृत चंदन की लकड़ी से हस्त निर्मित पंखी

अन्य उल्लेखनीय कार्य

गुवाहाटी में चिंतन गोष्ठी

दिनांक 20 नवम्बर को तेरापंथ भवन, गुवाहाटी में साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी के सान्निध्य में तेरापंथी सभा, गुवाहाटी की आयोजना में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण, संचालिका समिति सदस्यगण एवं प्रवृत्तियों से जुड़े कार्यकर्तागण उपस्थित थे। कार्यक्रम में जैन विश्व भारती द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी दी गई। गुवाहाटी की स्थानीय संघीय संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारीगण सहित अच्छी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति थी। इस अवसर पर जैन विश्व भारती की संचालिका समिति सदस्य श्री निर्मल डाकलिया, कोलकाता एवं श्री धनपत दूगड़, कोलकाता ने संस्था की गतिविधियों के विकास के लिए रु 11-11 लाख के अनुदान की घोषणा की, एतदर्थ सहयोगी परिवारों के प्रति हार्दिक आभार। श्री बसंत सुराणा, गुवाहाटी ने जय भिक्षु निलयम में एक फ्लैट के लिए रु. 4 लाख के अनुदान की स्वीकृति प्रदान की, इस हेतु उनके प्रति हार्दिक आभार। इस कार्यक्रम की सफलता में तेरापंथी सभा, गुवाहाटी एवं जैन विश्व भारती के संचालिका समिति सदस्य श्री कन्हैयालाल डूंगरवाल व श्री विजयसिंह डागा के विशेष सहयोग हेतु हार्दिका आभार।

बाल दिवस समारोह का आयोजन

दिनांक 14 नवंबर 2012 को परिसर स्थित नेहरू बालोद्यान में नगरपालिका उपाध्यक्ष याकूब शेख की अध्यक्षता में 'बाल दिवस समारोह' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विमल विद्या विहार के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए विचित्र वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया एवं जैन विश्व भारती की ओर से समस्त बच्चों को टाफियां एवं बिस्किट वितरित किये गये। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य समणी डॉ. मल्लीप्रज्ञाजी ने उद्बोधन प्रदान किया।

चेन्नई एवं बैंगलोर में चिंतन गोष्ठी

वृहद् श्रावक समाज को जैन विश्व भारती की गतिविधियों से अवगत करवाने तथा इसके भावी विकास व विस्तार पर विचार विमर्श करने हेतु दिनांक 4 फरवरी 2012 को चेन्नई में तथा दिनांक 5 फरवरी 2012 को बैंगलोर में चिंतन गोष्ठियां आयोजित की गई। इन चिंतन गोष्ठियों में अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र चोरड़िया ने जैन विश्व भारती की विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रमों व निर्माणाधीन योजनाओं को प्रस्तुत किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुमेरमल सुराणा ने जैन विश्व भारती की वित्तीय स्थिति प्रस्तुत की। प्रधान ट्रस्टी श्री रणजीतसिंह कोठारी ने निर्माणाधीन महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर के बारे में जानकारी प्रदान की। चेन्नई में आयोजित संगोष्ठी में निर्माणाधीन महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर के लिए श्री प्यारेलाल पितलिया ने रु. 5 लाख, श्री

प्रकाशचंद मुथा ने रु. 1 लाख एवं श्री मेघराज लुणावत ने रु. 1 लाख के अनुदान की स्वीकृति प्रदान की। सभी सहयोगी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार। चेन्नई में संगोष्ठी की आयोजना व व्यवस्थाओं में जैन विश्व भारती के ट्रस्टी श्री धर्मचंद लूंकड़, संचालिका समिति सदस्य श्री प्रकाशचंद मुथा एवं श्री मेघराज लुणावत के विशेष सहयोग हेतु हार्दिक आभार। बैंगलोर में संगोष्ठी की आयोजना व व्यवस्थाओं में जैन विश्व भारती के उपाध्यक्ष श्री इंदरचंद दुधेड़िया, ट्रस्टी श्री नरपतसिंह बोरड़िया व श्री नवरत्नमल बच्छावत एवं संचालिका समिति सदस्य श्री बहादुरसिंह सेठिया के विशेष सहयोग हेतु हार्दिक आभार। दोनों संगोष्ठियों की आयोजना में स्थानीय संघीय संस्थाओं के कार्यकर्त्ताओं के सहयोग व सहभागिता हेतु हार्दिक धन्यवाद। दोनों संगोष्ठियों के कुशल संयोजन हेतु डॉ. वन्दना कुण्डलिया के प्रति आभार।

चेन्नई गोष्ठी

बैंगलोर गोष्ठी

स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन

होली के अवसर पर दिनांक 6 मार्च 2012 को जैन विश्व भारती के समस्त कर्मीगण के लिए स्नेह मिलन कार्यक्रम कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें संस्था के समस्त कर्मीगण की सहभागिता रही। अनेक कर्मीगण ने हास्यात्मक प्रस्तुतियां देकर सबका मनोरंजन किया तथा सभी ने एक दूसरे को होली की बधाई एवं शुभकानाएं दी। संभवतः इस प्रकार के आयोजन का यह प्रथम अवसर था।

जैन विश्व भारती को प्राप्त SIROs की मान्यता का नवीनीकरण

जैन विश्व भारती को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्राप्त Recognition of Scientific and Industrial Research Organisations (SIROs) की मान्यता का दिनांक 01.04.2012 से 31.03.2015 तक के लिए नवीनीकरण हुआ। इस संबंध में भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने अपने पत्र दिनांक 23 अप्रैल 2012 के माध्यम से हमें सूचित किया है। इस कार्य में जैन विश्व भारती सचिवालय में कार्यरत विधिक एवं मानव संसाधन प्रमुख डॉ. विजयश्री शर्मा के विशेष सहयोग हेतु हार्दिक धन्यवाद।

आचार्यश्री तुलसी के 16वें महाप्रयाण दिवस पर भजन संध्या का आयोजन

दिनांक 07 जून 2012 को अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यश्री तुलसी के 16वें महाप्रयाण दिवस के अवसर पर जैन विश्व भारती स्थित तुलसी स्मारक में भजन संध्या का आयोजन समणी मधुरप्रज्ञाजी एवं विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी आदि समणीवृंद के सान्निध्य में किया गया। प्रसिद्ध भजन गायक श्री मनोज दाधीच ने इस अवसर पर तुलसी स्तुति में सुन्दर प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में सुजानगढ़ के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्री राजेन्द्रसिंह चौधरी, सुजानगढ के न्यायिक अधिकारी श्री रामपाल चौधरी व श्री राजेश दड़िया उपस्थित थे।

लाडनूं के गणमान्य नागरिकों सहित जैन विश्व भारती एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही। सान्निध्य प्रदान करवाने हेतु समणीवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। कार्यक्रम के कुशल संयोजन हेतु समणी डॉ. कुसुमप्रज्ञाजी के प्रति कृतज्ञता।

आचार्यश्री महाप्रज्ञजी का 93वां जन्म दिवस का सम्मोहपूर्वक आयोजन

दिनांक 17 जून 2012 को आचार्यश्री महाप्रज्ञजी का 93वां जन्मदिवस "शासन गौरव" मुनिश्री धनंजयकुमारजी एवं सेवाकेन्द्र व्यवस्थापिका साध्वीश्री प्रमोदश्रीजी के सान्निध्य में अहिंसा भवन, जैन विश्व भारती में समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में जैन विश्व भारती व विश्वविद्यालय परिवार सहित लाडनूं नगर के श्रावक–श्राविकाओं की अच्छी उपस्थिति रही। सान्निध्य प्रदान करवाने हेतु मुनिवृंद एवं साध्वीवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

जैन विश्व भारती का इतिहास

परम पूज्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के इंगितानुसार जैन विश्व भारती के इतिहास लेखन का कार्य आदरास्पद मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने किया है। जैन विश्व भारती के चार दशकों के गौरवशाली के इतिहास के एक–एक पृष्ठ को मुनिश्री ने अपनी कुशल लेखनी से शब्दों में उतारा है। वैसे तो सन् 2009 से ही मुनिश्री इस कार्य में लग गये थे लेकिन गत लगभग एक वर्ष से मुनिश्री ने गुरु इंगित का अत्यन्त निष्ठा के साथ पालन करते हुए लगभग प्रतिदिन चार–पांच घण्टे का समय इस कार्य के लिए नियोजित किया है। लेखन का कार्य लगभग संपन्न हो चुका है। ग्रंथ प्रकाशनाधीन है। मुनिश्री के कुशल संपादन एवं निष्ठापूर्ण श्रम हेतु हार्दिक कृतज्ञता। इस कार्य में मुनिश्री मोहजीतकुमारजी को 'शासनश्री' मुनिश्री सुखलालजी का महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, तदर्थ मुनिश्री के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

जैन विश्व भारती की भूमि के नामांतरण से पुनः परिवर्तन हेतु अपील दायर

वर्ष 2001 में भू–राजस्व अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत जैन विश्व भारती द्वारा धारित 98 बीघा 12 बिस्वा लीज होल्ड भूमि का नामांतरण राजस्थान सरकार जरिए नगरपालिका लाडनूं के नाम से इन्द्राज कर दिया गया था। यह भूमि पूर्व में जैन विश्व भारती के नाम से ही थी एवं इसका नामांतरण पुनः परिवर्तित होना अपेक्षित था। लंबे समय से यह कार्य विलंबित था। जैन विश्व भारती प्रबंधन के निर्णयानुसार एवं जयपुर के वरिष्ठ एडवोकेट श्री संकेत पारीक की सलाह अनुसार दिनांक 25.07.2012 को इस नामांतरण आदेश को जिला कलेक्टर कार्यालय नागौर में अपील दायर कर चुनौती दी गई एवं नामांतरण को पुनः दुरस्त किये जाने हेतु अपील के माध्यम से निवेदन किया गया है। जिला कलेक्टर कार्यालय से इसकी सुनवाई के लिए अगली तारीख 14.08.2012 सुनिश्चित की गई है।

त्रैमासिक गृह पत्रिका 'कामधेनु' का प्रकाशन

जैन विश्व भारती द्वारा संचालित गतिविधियों, विशिष्ट कार्यक्रमों, इतिहास आदि से संस्था के सदस्यों एवं समाज के विशिष्ट महानुभावों को अवगत कराने की दृष्टि से गत वर्ष से त्रैमासिक गृह पत्रिका 'कामधेनु' का नियमित रूप से प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका के संपादन में परामर्शक के रूप में डॉ. अवधेश प्रसाद सिंह, संपादक डॉ. वन्दना कुण्डलिया एवं सम्पादन सहयोग हेतु श्री राजेन्द्र खटेड़ के उल्लेखनीय श्रम एवं सेवाओं हेतु आभार।

आर्थिक पक्ष

जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण, ट्रस्टीगण एवं संचालिका समिति के सदस्यगण के द्वारा अनेक योजनाओं में सहयोग प्राप्त हुआ, एतदर्थ हार्दिक आभार। इसके अलावा समाज के अनेक उदारमना महानुभावों, परिवारों एवं ट्रस्टों का विभिन्न रूपों में विभिन्न योजनाओं में सहयोग प्राप्त हुआ, एतदर्थ सभी सहयोगीगण के प्रति हार्दिक आभार।

श्रद्धा प्रणति

जैन विश्व भारती की प्रत्येक गतिविधि के सशक्त आधार हैं हमारे पूज्यवर आचार्यश्री महाश्रमणजी। पूज्यश्री द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन और संप्रेषित ऊर्जा ही हमें निरंतर विकासोन्मुख रखती है। पूज्यप्रवर के असीम अनुग्रह के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए हर शब्द अल्प है। हम पूज्यप्रवर के श्रीचरणों में अपनी अनंत-अनंत श्रद्धा समर्पित करते हैं। श्रद्धेय 'मंत्री मुनि' मुनिश्री सुमेरमलमलजी 'लाडनूं' के पावन पथ प्रदर्शन एवं कृपादृष्टि हेतु हार्दिक कृतज्ञता। श्रद्धेया महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी एवं आदरास्पद मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी के प्रेरक मार्गदर्शन हेतु हम उनके प्रति कृतज्ञ हैं।

जैन विश्व भारती के पूर्व प्रभारी संत प्रेक्षा प्राध्यापक प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी का जैन विश्व भारती की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सदैव दिशा-निर्देश प्राप्त होता रहा। आपके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। जैन विश्व भारती के वर्तमान प्रभारी संत मुनिश्री कीर्तिकुमारजी के युगीन चिंतन व मार्गदर्शन हेतु हार्दिक कृतज्ञता। 'शासनश्री' मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुदर्शन', 'शासनश्री' मुनिश्री सुखलालजी, 'शासनश्री' मुनिश्री किशनलालजी, 'शासन गौरव' मुनिश्री धनंजयकुमारजी, मुनिश्री जयकुमारजी, मुनिश्री कुमारश्रमणजी, मुनिश्री विश्रुतकुमारजी का जैन विश्व भारती की आध्यात्मिक गतिविधियों के सम्यक् संचालन व इसको गतिमान रखने के लिए हमेशा मौलिक चिंतन प्राप्त होता रहता है। आप सभी के प्रति कृतज्ञता। कोलकाता में प्रवासित साध्वीश्री कनकश्रीजी आदि साध्वीवृंद का संस्था की विभिन्न प्रवृत्तियों में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, इस हेतु साध्वीवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। जैन विश्व भारती में प्रवासित समणी नियोजिका ऋजुप्रज्ञाजी, पूर्व समणी नियोजिका मधुरप्रज्ञाजी, विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी, समणी कुसुमप्रज्ञाजी आदि समणीवृंद का विशेष दिशा-निर्देशन समय-समय पर प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ हार्दिक कृतज्ञता। समस्त चारित्रात्माओं व समण-समणीवृंद के प्रेरक मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता।

आचार्यों की कृपादृष्टि से जैन विश्व भारती में चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद का प्रवास लगभग निरन्तर मिलता रहता है। वर्ष 2011 में यहां प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी आदि ठाणा 6 का लगभग 1 वर्ष का प्रवास रहा। वर्तमान में फरवरी 2012 से 'शासन गौरव' मुनिश्री धनंजयकुमारजी आदि ठाणा 5 यहां प्रवासित हैं। मुनिवृंद एवं समणीवृंद का विभिन्न गतिविधियों में महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ तथा समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों में सान्निध्य प्राप्त हुआ, एतदर्थ सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

लाडनूं सेवाकेन्द्र में गत वर्ष सेवाकेन्द्र व्यवस्थापिका साध्वीश्री कमलश्रीजी एवं जिनरेखाजी तथा इस वर्ष सेवाकेन्द्र व्यवस्थापिका साध्वीश्री प्रमोदश्रीजी आदि साध्वीवृंद का समय-समय पर मार्गदर्शन तथा विभिन्न कार्यक्रमों में सान्निध्य प्राप्त होता रहा, एतदर्थ हार्दिक कृतज्ञता।

आभार ज्ञापन

जैन विश्व भारती का वार्षिक प्रतिवेदन सम्पन्न करने के साथ मैं उन सभी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिन्होंने अपना अमूल्य समय और श्रम देकर संस्था की प्रवृत्तियों को उत्तरोत्तर उन्नत बनाने में अपना पूर्ण योगदान दिया है।

इस द्विवर्षीय कार्यकाल की संपन्नता पर मैं सर्वप्रथम जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र चोरड़िया के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिनके कुशल मार्गदर्शन, दूरदर्शी चिंतन, सबको साथ लेकर चलने की कला एवं आत्मीय सहयोग से संस्था का विकास कार्य निरन्तर गतिमान रहा। कुलपति श्री झूमरमल बैंगानी के समय-समय पर प्राप्त महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन हेतु हार्दिक आभार। प्रधान ट्रस्टी श्री रणजीतसिंह कोठारी जैन विश्व भारती के विकास एवं आर्थिक सुदृढ़ीकरण हेतु निरंतर प्रयासरत रहे, आपके सहयोग हेतु हार्दिक आभार। सभी ट्रस्टीगण के सहयोग हेतु हार्दिक आभार। वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुमेरमल सुराणा, उपाध्यक्ष श्री बजरंगलाल बोथरा, श्री बसंतकुमार पारख, श्री भीकमचंद नाहटा, श्री इंदरचंद दुधेड़िया, श्री धनपतसिंह दूगड़ हमारी विभिन्न प्रवृत्तियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे, सभी के प्रति हार्दिक आभार। संयुक्त मंत्री श्री विजयसिंह चोरड़िया एवं श्री अरविन्द गोठी का विभिन्न कार्यों हेतु निरन्तर सहयोग मिलता रहा, एतदर्थ आभार। कोषाध्यक्ष श्री पारस बोहरा के एकाउन्ट संबंधी कार्यों में महत्त्वपूर्ण सहयोग हेतु आभार।

जैन विश्व भारती के वर्तमान प्रभारी श्री बुधसिंह सेठिया का विभिन्न गतिविधियों हेतु समय-समय पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, तदर्थ हार्दिक आभार। परामर्शक मण्डल के सदस्यों तथा पूर्व पदाधिकारीगण के मार्गदर्शन हेतु हार्दिक आभार। संचालिका समिति के सदस्यों, सभी उपसमितियों एवं विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशक, संयोजक, सह संयोजक एवं सदस्यगण के सहयोग हेतु आभार।

आदरणीय श्री लालचंद सिंघी, श्री कन्हैयालाल छाजेड़, श्री मांगीलाल सेठिया, श्री टोडरमल लालानी, श्री चैनरूप चिण्डालिया, श्री बच्छराज नाहटा, श्री के.सी. जैन, श्री अजय चौपड़ा, श्री स्वरूपचंद बरड़िया आदि का समय-समय पर बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ, एतदर्थ सभी के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

आदरणीय श्री रतनलाल चौपड़ा का सभी गतिविधियों में समय-समय पर मार्गदर्शन तथा केन्द्र के साथ संवादों के सम्प्रेषण में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहा, एतदर्थ उनके प्रति हार्दिक आभार। केन्द्र के साथ संवादों के सम्प्रेषण में श्री हेमन्त बैद का भी निरन्तर सहयोग मिलता रहा, इस हेतु आभार।

श्री हेमन्त नाहटा परिचालन प्रमुख के रूप में अपनी मानद सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उनकी मानद सेवाओं व सहयोग हेतु आभार।

पूज्यवरों के प्रवासकाल में पूज्यवरों की अपेक्षानुसार चिकित्सा तथा जैन विश्व भारती व वृद्ध साध्वी सेवा केन्द्र में निरन्तर प्रवासित चारित्रात्माओं की अपेक्षानुसार चिकित्सा में डॉ. विजयसिंह घोड़ावत पूर्ण जागरूकता के साथ अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। डॉ. घोड़ावत की सेवाओं हेतु हार्दिक आभार।

जैन विश्व भारती के अंकेक्षक के रूप में एन. के. बोरड एण्ड कंपनी, जयपुर की सेवाओं हेतु हार्दिक धन्यवाद। श्री सुरेन्द्र शाह का एकाउन्ट संबंधी कार्यों में निरंतर सहयोग प्राप्त हुआ। कोलकाता कार्यालय के एकाउन्ट अंकेक्षण कार्य में श्री नीतिन जैन (सी.ए.) की मानद सेवाओं हेतु हार्दिक धन्यवाद।

सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार जिनके सहयोग से संस्था की विकास योजनाओं की क्रियान्विति में गति प्राप्त हो सकी। सम्पूर्ण श्रावक श्राविका समाज एवं ज्ञात अज्ञात रूप में विभिन्न महानुभावों का कार्य संचालन में सहयोग मिला, एतदर्थ हार्दिक धन्यवाद।

तेरापंथ विकास परिषद्, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा,

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, अमृतवाणी आदि सभी केन्द्रीय संघीय संस्थाओं एवं मित्र परिषद तथा तेरापंथ सचिवालय–दिल्ली से प्राप्त सहयोग के लिए हार्दिक आभार।

पूज्यवरों के सान्निध्य में आयोजित जैन विश्व भारती के विभिन्न कार्यक्रमों की आवास, भोजन, आयोजना आदि व्यवस्थाओं के नियोजन में वहां की स्थानीय प्रवास व्यवस्था समितियों का सहयोग प्राप्त होता है। इस वर्ष आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति, केलवा, आचार्यश्री महाश्रमण मर्यादा महोत्सव व्यवस्था समिति, आमेट एवं आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति, जसोल के उल्लेखनीय सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

राजस्थान सरकार, नागौर जिला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटी, लाडनूं के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विभागों, लाडनूं की सभी संघीय एवं सामाजिक संस्थाओं एवं स्थानीय व्यक्तियों के सहयोग हेतु हार्दिक धन्यवाद। जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय परिवार के सहयोग हेतु आभार।

जैन विश्व भारती के निदेशक श्री राजेन्द्र खटेड़ का विभिन्न प्रवृत्तियों एवं व्यवस्थाओं के संचालन में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यालय में एकाउण्ट संबंधी कार्य में श्री दिनेश सोनी, श्री संजय बोथरा, विधिक व मानव संसाधन संबंधी कार्यों में डॉ. विजयश्री शर्मा, कम्प्यूटर संबंधी कार्य में श्री मनीष भोजक, श्री सुनील महती, परिसर की व्यवस्थाओं में श्री सम्पतराज खटेड़, अतिथि गृहों की व्यवस्थाओं में श्री सुशील मिश्रा, श्री अमीलाल चाहर एवं कोलकाता कार्यालय में श्री सम्पतमल बैगानी, श्रीमती मधुमिता गुहा व श्री राकेश बैगानी ने निष्ठापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन किया है। सभी को हार्दिक धन्यवाद। संस्था के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारीगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

जैन विश्व भारती के केन्द्रीय कार्यालय के विभिन्न विभागों में लगभग 60 कर्मचारी कार्यरत हैं। सभी कर्मचारी प्रदत्त दायित्व का निष्ठाभाव से निर्वहन करते हैं, जिनसे संस्था की गतिविधियों को गति प्राप्त होती है।

जैन विश्व भारती की सूचनाओं एवं समाचारों के सम्प्रेषण व्यवस्थित और नियमित रूप से चलने हेतु स्थानीय सभी दैनिक समाचार पत्रों एवं अखिल भारतीय तेरापंथ टाइम्स, विज्ञप्ति, अणुव्रत आदि सभी संघीय एवं सामाजिक पत्र–पत्रिकाओं के प्रति आभार। संस्कार चैनल पर सूचनाओं व कार्यक्रमों के प्रसारण तथा संघीय साहित्य के प्रचार–प्रसार में सहयोग हेतु मित्र परिषद के प्रति आभार।

मैं उपर्युक्त सभी महानुभावों को हार्दिक धन्यवाद देता हूं, कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं एवं आशा करता हूं कि जैन विश्व भारती को आप सबका सक्रिय सहयोग, सद्भावना एवं मार्गदर्शन निरंतर मिलता रहेगा।

द्विवर्षीय कार्यकाल की सम्पन्नता पर किसी भी प्रकार की भूलों के लिए मैं सरल हृदय से सभी से क्षमायाचना करता हूं।

जैन विश्व भारती की विकास यात्रा के दौरान प्राप्त उपलब्धियों तथा विभिन्न रचनात्मक प्रवृत्तियों का लेखा–जोखा आप सभी महानुभावों के समक्ष प्रस्तुत किया है। गणाधिपति गुरुदेव श्रीतुलसी, आचार्यश्री महाप्रज्ञजी तथा आचार्यश्री महाश्रमणजी के स्वर्णिम स्वप्नों व भविष्य की सुन्दर परिकल्पनाओं के अनुरूप विभिन्न सम्भावनाओं को साकार करने में हम सब मन, वचन और कर्म से कृत संकल्पित हों, यही अपेक्षा है। आप सभी के प्रति हार्दिक मंगलकामनाओं के साथ –

ॐ अर्हम्

जितेन्द्र नाहटा
मंत्री

STATEMENT OF ACCOUNTS 2011-2012

N. N. Borar & Company
Chartered Accountants

AUDITOR'S REPORT

1. We have examined the Balance Sheet of JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN as at 31st March, 2012 and also the income and expenditure account for the year ended on the date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. We have conducted the audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

3. The accounts of Kolkata Office and Mahapragya International School, Tamkore maintained at Kolkata and Tamkore respectively have been audited by another firm of Chartered Accountants and such audited accounts including notes on accounts have been incorporated at appropriate places in the annexed Balance Sheet, Income and Expenditure account and Schedule L of Notes on accounts.

4. We further report that :
   a) We have obtained all the information and explanation which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit.
   b) Proper books of accounts have been kept by the Institution.
   c) The balance sheet and income and expenditure account dealt with the report are in agreement with the books of accounts.
   d) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the statements, subject to notes appearing thereon, give a true and fair view :
      i) In the case of balance sheet of the state of affairs as at 31st March, 2012 and
      ii) In the case of income and expenditure account of the excess of expenditure over income for the year ended on that date.

For N. K. Borar & Company
Chartered Accountants
FRN : 004844C

(SURENDRA SHAH)
Partner

Place : Jaipur
Dated : 11.06.2012

103, Brij Anukampa, Ashok Marg, C - Scheme, Jaipur - 302 001
Ph.: 2360571 E-mail : nkborar@gmail.com

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2012

Figures of previous Year (Rs)	Liabilities	Schedule	(Rs)	Figures of current year (Rs)	Figures of previous year (Rs)	Assets	Schedule	(Rs)	Figures of current year (Rs)
	Trust Funds					**Fixed assets**			
67917543.73	**(A) General fund**				368253662.61	JVB,Ladnun	B-1	371287590.97	
1302000.00	As per last balance sheet		95619894.45		25264380.80	VVV,Ladnun	B-2	27173010.87	
69219543.73	Add: Life membership fees of the institution		1491000.00		104225310.40	MIS,Jaipur	B-3	104092361.41	
9555198.00			97110894.45		51056.00	MIS,Tamkore	B-4	205577.00	502758540.25
16835152.72	Add: Stock of Literature Publication as on 31.03.2010		0.00		62674346.00	Investments	C		65361659.00
95619894.45	Less: Excess of Expenditure over income as per annexed Income and Expenditure account		2423836.24						
	(Previous year Excess of income over expenditure)		94687058.21			**Current assets, loans and advances**	D		
53968951.00	**(B) Corpus funds/specific funds**	A	59693551.00		14728481.31	Current assets		20470538.60	
72815430.00	**(C) Building funds**				4326644.08	Loans & advances		3407286.73	23877825.33
	As per last Balance Sheet	72815430.00							
	Addition during the year	18805000.00	91620430.00						
349592221.69	**(D) Revaluation Reserve**								
	(On revaluation of Land & Building)								
	As per last Balance Sheet	349592221.69							
	Less: Depreciation for the year	13009764.00	336582457.69	**682583496.90**					
	Current liabilities								
	(subject to confirmation)								
1161214.00	For Suppliers & expenses		3323332.08						
1344120.47	For Others		1007765.00						
182.00	Advance against sale of literature		38637.00						
4933129.00	Staff security fund(net of Loans)		4927530.00						
88739.00	Income tax deducted at source		117264.00	9414528.08					
579523881.61	**Total**			**691998024.98**	579523881.61	**Total**			**691998024.98**

NOTES ON ACCOUNTS : SCHEDULE 'L'

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE

FOR JAIN VISHVA BHARATI

For N K BORAR & COMPANY
Chartered Accountants

Place : Jaipur
Date : 11.06.2012

(S.K.Choraria)
President

(J.K. Nahata)
Secretary

(P.Bohra)
Treasurer

(SURENDRA SHAH)
Partner

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2012

Figures of previous year (Rs)	Expenditure	Sch.	Figures of current year (Rs)	Figures of previous year (Rs)	Income	Sch.	Figures of current year (Rs)
15533664.36	To Office & administrative expenses	'E'	13358544.29	50253527.29	By Donations & subscriptions		18175326.81
8403166.50	" Literature publication expenses		9730552.00	2881920.62	" Income from Investments		4175144.16
5763406.00	" Depreciation	'B'	5485688.00	1552037.33	" Miscellaneous receipts		1436695.00
1521366.00	" Social science department expenses	'G'	2064156.00	5673063.00	" Sale of publications (Net)		6111190.25
376427.00	" Deficit of Shrimad Acharya Shri Tulsi Mahapragya Manav Kalyan Kendra, Bidasar	'I'	365747.00	1.508411.00	" Increase in Stock of Sahitya		809477.00
50640.40	" Deficit of Mahapragya International School, Jaipur	'J'	205727.68	104144.63	" Surplus of Vimal Vidya Vihar School	'H'	96452.51
150116.00	" Deficit of Mahapragya International School, Tamkore	'K'	0.00	0.00	" Surplus of Mahapragya International School, Tamkore	'K'	349851.00
207235.00	" Deficit of Saman sanskriti department	'F'	333185.00	89432.00	" Rent received		89325.00
24691.89	" Interest paid		9444.00	0.00	" Excess of expenditure over income		
13150000.00	" Contribution to various institutions		2114254.00		transferred to general fund		2423836.24
46670.00	" Ahimsa samanvay kendra expenses		0.00				
16835152.72	" Excess of income over expenditure transferred to general fund		0.00				
62062535.87	**Total**		33667297.97	62062535.87	**Total**		33667297.97

NOTES ON ACCOUNTS : SCHEDULE 'L'

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE

FOR JAIN VISHVA BHARATI

For N K BORAR & COMPANY
Chartered Accountants

Place : Jaipur
Date : 11.06.2012

(S.K.Choraria)
President

(J.K. Nahata)
Secretary

(P.Bohra)
Treasurer

(SURENDRA SHAH)
Partner

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN
SCHEDULE 'A' OF CORPUS FUNDS ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2012

S.No.	Particulars	Balance as on 01.04.2011 (Rs)	Additions during the year (Rs)	Deduction during the year (Rs)	Balance as on 31.03.2012 (Rs)
A.)	**Corpus / Specific Funds**				
	Amar Visarjan Fund	3300572.00	0.00	0.00	3300572.00
	Bidasar Shodh Nidhi Fund	314337.00	0.00	0.00	314337.00
	Bhanwarlal Pugalia Foundation Fund	500000.00	0.00	0.00	500000.00
	Bhanwarlal Rankawari Devi Jain Vidhya Vikas Nidhi	7511000.00	0.00	0.00	7511000.00
	Bheemraj Kheemchand Sethia Charitable Trust	200000.00	0.00	0.00	200000.00
	Indira Devi Sethia Scholarship Fund	50000.00	0.00	0.00	50000.00
	Rajendra Kumar Sunekaridevi Scholarship Fund	200000.00	0.00	0.00	200000.00
	Scholarship Funds	2578000.00	400000.00	0.00	2978000.00
	Girish Bhagwat P.	50000.00	0.00	0.00	50000.00
	Sh. T Okchand & Sons	75000.00	0.00	0.00	75000.00
	Santosh Industries	30100.00	0.00	0.00	30100.00
	Mahadev Lal Saraogi Student Welfare Fund	100000.00	0.00	0.00	100000.00
	Jugal Kishor Saraogi Student Welafre Fund	51000.00	0.00	0.00	51000.00
	Deepchand Manakchand Bhura Memorial Fund	121000.00	0.00	0.00	121000.00
	Gangashahar Resident Fund(For Yoga Lab.)	217303.00	0.00	0.00	217303.00
	Rajasthan Patrika Fund	500000.00	0.00	0.00	500000.00
	Jain Seva Fund	51000.00	0.00	0.00	51000.00
	Sahitya & Shodh Fund	100000.00	0.00	0.00	100000.00
	Prajya Puruskar Fund	500000.00	0.00	0.00	500000.00
	Kesari Chand Jaisukhlal Sethia Charitable Trust	100000.00	0.00	0.00	100000.00
	Kothari Seva Sadan Corpus Fund	500000.00	0.00	0.00	500000.00
	Tola Ram Bhatiudevi Dugar Fund	701000.00	0.00	0.00	701000.00
	Sita Saroqi Seva Sansthan	300000.00	0.00	0.00	300000.00
	Other Corpus Funds	17379348.00	0.00	0.00	17379348.00
	Surajmal Surana Charitable Trust Fund	700000.00	0.00	0.00	700000.00
	Development Fund	5000000.00	0.00	0.00	5000000.00
	Akashya Kosh Fund	5301000.00	0.00	0.00	5301000.00
	M.G. Saroqi Corpus Fund	0.00	5100000.00	0.00	5100000.00
	P. B. Distributors Fund	100000.00	0.00	0.00	100000.00
	Kailashwati Bharat Singh Jain Student Scholarship	51000.00	0.00	0.00	51000.00
	Sangh Sampada Samvardhan Corpus Fund	1800000.00	0.00	0.00	1800000.00
	Prakshadhyan Life Membership fees Fund	2263237.00	224600.00	0.00	2487837.00
	Prekshadhyan Sanrakshak fees Fund	282954.00	0.00	0.00	282954.00
	Tulsi Adhyatma Needam Corpus Fund	345000.00	0.00	0.00	345000.00
	Preksha Health (9 Research Granth) Fund	550000.00	0.00	0.00	550000.00
	Vimal Vidhya Vihar Corpus Fund	2146100.00	0.00	0.00	2146100.00
	Total	53968951.00	5724600.00	0.00	59693551.00
	Figures of Previous year	**58568951.00**	**2400000.00**	**7000000.00**	**53968951.00**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN
SCHEDULE "B-1" OF FIXED ASSETS ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2012

S No.	Particulars	GROSS BLOCK				DEPRECIATION					NET BLOCK	
						Charged To P&L						
		As on 01.04.2011 (Rs.)	Additions during the year (Rs)	Transfer/ adjustment during the year (Rs)	Total cost As on 31.03.2012 (Rs)	Upto 31.03.2011 (Rs)	For the year (Rs)	Deduction (Rs)	Total Upto 31.03.2012 (Rs)	Charged To Revaluation Reserve	As on 31.03.2012 (Rs)	As on 31.03.2011 (Rs)
1	Land	19863596.81	0.00	0.00	19863596.81	0.00	0.00	0.00	0.00	-	19863596.81	19863596.81
2	Roads	3551476.21	0.00	0.00	3551476.21	812410.81	136953.00	0.00	949363.81	-	2602112.40	2739065.40
3	Electric Pole	379121.00	0.00	0.00	379121.00	114366.00	13238.00	0.00	127604.00	-	251517.00	264755.00
4	**Buildings**											
4.1	General	400995426.27	0.00	0.00	400995426.27	79411578.29	4287113.00	0.00	83698691.29	11792079.00	305504655.98	321583847.98
5	**Furniture & Fixtures**											
5.1	General	8157258.21	106308.00	0.00	8263566.21	4016380.79	423422.00	0.00	4439802.79	-	3823763.42	4140877.42
5.2	Social science philosophy & research department	60221.50	0.00	0.00	60221.50	55555.50	467.00	0.00	56022.50	-	4199.00	4666.00
6	**Office Equipments**											
6.1	General	3327450.32	290065.00	875.00	3616840.32	2402001.81	244625.00	243.00	2646383.81	-	970256.51	925448.51
6.2	Social science, philosophy & research department	386210.29	0.00	0.00	386210.29	384659.79	233.00	0.00	384892.79	-	1317.50	1550.50
6.3	Light water fittings	133002.23	158723.00	0.00	291725.23	131089.73	12191.00	0.00	143280.73	-	148444.50	1912.50
6.4	Vehicles	1929310.78	5900.00	0.00	1935210.78	590852.78	201211.00	0.00	792063.78	-	1143147.00	1338458.00
6.5	Tools & Machinery	1046806.96	7075.00	0.00	1053881.96	628509.96	63622.00	0.00	692131.96	-	361750.00	418297.00
6.6	Cart & live stock	2110.87	0.00	0.00	2110.87	0.00	0.00	0.00	0.00	-	2110.87	2110.87
6.7	Audio visual equipments	126823.00	0.00	0.00	126823.00	97837.75	4348.00	0.00	102185.75	-	24637.25	28985.25
6.8	Tubewell	796737.00	0.00	0.00	796737.00	359849.75	21845.00	0.00	381694.75	-	415042.25	436887.25
6.9	Generator set	1113679.88	0.00	0.00	1113679.88	629423.38	72638.00	0.00	702061.38	-	411618.50	484256.50
6.10	Social science laboratory equipment	131075.00	0.00	0.00	131075.00	127409.25	550.00	0.00	127959.25	-	3115.75	3665.75
6.11	Tulsi Mahapragya Manav Kalyan Kendra : Bidasar medical equipments	338580.89	0.00	0.00	338580.89	317034.52	3232.00	0.00	320266.52	-	18314.37	21546.37
6.12	Manuscripts	160277.00	0.00	0.00	160277.00	101749.00	0.00	0.00	101749.00	-	58528.00	58528.00
7	**Capital Work in Progress**											
7.1	Meditation Hall	4212886.00	7138830.13	0.00	11351716.13	0.00	0.00	0.00	0.00	-	11351716.13	4212886.00
7.2	M.I.S. Tamkore Building	11722321.50	12605426.23	0.00	24327747.73	0.00	0.00	0.00	0.00	-	24327747.73	11722321.50
	Total	**458434371.72**	**20312327.36**	**875.00**	**478745824.08**	**90180709.11**	**5485688.00**	**243.00**	**95666154.11**	**11792079.00**	**371287590.97**	**368253662.61**
	Previous Year Figures	**441869196.22**	**17809635.50**	**1244460.00**	**458434371.72**	**72514047.96**	**5763406.00**	**609459.85**	**77767994.11**	**12412715.00**	**368253662.61**	**369255148.26**

Note : 1. Land includes a sum of Rs. 11000/- being cost of land purchased in earlier years , pending execution of documents
2. Cost of office equipments acquired till 31st March 89 remain included in cost of furniture and fixtures.
3. Addition to Light & water fittings represents cost of transformer which was installed in the year 2009-10 but adjusted during current year as bill was received in current year .

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

SCHEDULE "B-2' OF FIXED ASSETS OF VIMAL VIDYA VIHAR LADNUN, ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2012

S. No.	Particulars	GROSS BLOCK				DEPRECIATION					NET BLOCK	
						Charged To P&L						
		As on 01.04.2011 (Rs)	Additions during the year (Rs)	Transfer/ adjustment during the year (Rs)	Total cost As on 31.03.2012 (Rs)	Upto 31.03.2011 (Rs)	For the year (Rs)	Deduction (Rs)	Total Upto 31.03.2012 (Rs)	Charged To Revaluation Reserve	As on 31.03.2012 (Rs)	As on 31.03.2011 (Rs)
	1Buildings											
1.1	General	20150867.00	0.00	0.00	20150867.00	3083900.00	61272.00	0.00	3145232.00	792074.00	16213561.00	17066907.00
	2Furniture & Fixtures											
2.1	General	1643489.86	944992.07	0.00	2588481.13	698486.26	147759.00	0.00	846245.26	-	1742245.87	945012.80
	3Office Equipments											
3.1	Computer	562680.00	1850.00	0.00	564530.00	488181.00	45254.00	0.00	533435.00	-	31095.00	74499.00
	Computer Software	0.00	25000.00	0.00	25000.00	0.00	15000.00	0.00	15000.00	-	10000.00	0.00
	Play Group Toys	0.00	81580.00	0.00	81580.00	0.00	8119.00	0.00	8119.00	-	73461.00	0.00
3.2	Cooler	27200.00	7500.00	0.00	34700.00	15132.00	2373.00	0.00	17505.00	-	17195.00	12068.00
3.3	EPBX	20000.00	0.00	0.00	20000.00	11126.00	1331.00	0.00	12457.00	-	7543.00	8874.00
3.4	Battery	8700.00	0.00	0.00	8700.00	8310.00	234.00	0.00	8544.00	-	156.00	390.00
3.5	U.P.S	8200.00	0.00	0.00	8200.00	7631.00	341.00	0.00	7972.00	-	228.00	569.00
3.6	Off Line U.P.S	23500.00	0.00	0.00	23500.00	22447.00	632.00	0.00	23079.00	-	421.00	1053.00
3.7	Photo Copy Machine (Printer)	11800.00	0.00	0.00	11800.00	5641.00	924.00	0.00	6565.00	-	5235.00	6159.00
3.8	Risograph Machine	130000.00	0.00	0.00	130000.00	72318.00	8652.00	0.00	80970.00	-	49030.00	57682.00
3.9	Laboratory equipments	67255.00	0.00	0.00	67255.00	40010.00	4087.00	0.00	44097.00	-	23158.00	27245.00
3.10	Water Purifier	182000.00	0.00	0.00	182000.00	107488.00	11177.00	0.00	118665.00	-	63335.00	74512.00
3.11	Water Cooler	25000.00	72800.00	0.00	97800.00	6938.00	13629.00	0.00	20567.00	-	77233.00	18062.00
3.12	Electrex Blower	1100.00	0.00	0.00	1100.00	83.00	153.00	0.00	236.00	-	864.00	1017.00
3.13	Air Conditioner	23750.00	0.00	0.00	23750.00	9165.00	2188.00	0.00	11353.00	-	12397.00	14585.00
	4Tool & Machinery											
4.1	Machinery	29678.85	0.00	0.00	29678.85	26015.85	549.00	0.00	26564.85	-	3114.00	3663.00
4.2	Water Treatment Plant	87750.00	0.00	0.00	87750.00	13163.00	11188.00	0.00	24351.00	-	63399.00	74587.00
4.3	Cutter Machine	2444.00	0.00	0.00	2444.00	944.00	225.00	0.00	1169.00	-	1275.00	1500.00
4.4	Sharp Projector	46600.00	0.00	0.00	46600.00	17982.00	4293.00	0.00	22275.00	-	24325.00	28618.00
	5 Vehicles											
5.1	Bus	2568870.00	0.00	0.00	2568870.00	1779487.00	236815.00	0.00	2016302.00	-	552568.00	789383.00
	6Library books											
6.1	Library books	28718.00	10223.00	0.00	38941.00	8963.00	7744.00	0.00	16707.00	-	22234.00	19755.00
	7Audios Visual Equipments											
7.1	Musical Instruments	6670.00	6830.00	0.00	13500.00	2061.00	1204.00	0.00	3265.00	-	10235.00	4609.00
7.2	D.V.D/C.D Player	3100.00	0.00	0.00	3100.00	1286.00	272.00	0.00	1558.00	-	1542.00	1814.00
7.3	Audio Visual Equipments	12900.00	0.00	0.00	12900.00	11302.00	240.00	0.00	11542.00	-	1358.00	1598.00
7.4	Sound System	58000.00	0.00	0.00	58000.00	22381.00	5343.00	0.00	27724.00	-	30276.00	35619.00
	8Capital Work in Progress											
8.1	School Building	5994600.00	2138927.00	0.00	8133527.00	0.00	0.00	0.00	0.00	-	8133527.00	5994600.00
	Total	**31724881.71**	**3289702.07**	**0.00**	**35014583.78**	**6460500.91**	**589998.00**	**0.00**	**7049498.91**	**792074.00**	**27173010.87**	**25264380.80**
	Previous Year Figures	**25588116.71**	**6136765.00**	**0.00**	**31724881.71**	**4934302.91**	**692436.00**	**0.00**	**5626738.91**	**833762.00**	**25264380.80**	**20653813.80**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

SCHEDULE "B-3' OF FIXED ASSETS OF MAHAPRAGYA INTERNATIONAL SCHOOL JAIPUR, ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS A 31ST MARCH 2012

S. No.	Particulars	GROSS BLOCK				DEPRECIATION					NET BLOCK	
						Charged To P&L						
		As on 01.04.2011 (Rs.)	Additions during the year (Rs)	Transfer/ adjustment during the year (Rs)	Total cost As on 31.03.2012 (Rs)	Upto 31.03.2011 (Rs)	For the year (Rs)	Deduction (Rs)	Total Upto 31.03.2012 (Rs)	Charged To Revaluation Reserve	As on 31.03.2012 (Rs)	As on 31.03.2011 (Rs)
1	Land	91914567.00	0.00	0.00	91914567.00	0.00	0.00	0.00	0.00	-	91914567.00	91914567.00
	2Buildings											
2.1	General	14328041.00	0.00	0.00	14328041.00	3243800.60	128611.00	0.00	3372211.60	425611.00	10530218.41	11084440.40
2.2	Capital WIP	0.00	544902.00	0.00	544902.00	0.00	0.00	0.00	0.00	-	544902.00	0.00
	3Furniture & Fixtures											
3.1	General	1047199.27	22436.00	0.00	1069635.27	361020.27	69740.00	0.00	430760.27	-	638875.00	686179.00
	4Office Equipments											
4.1	Air Conditioner	72000.00	0.00	0.00	72000.00	40054.00	4792.00	0.00	44846.00	-	27154.00	31946.00
4.2	Computer	202320.00	0.00	0.00	202320.00	187482.00	8903.00	0.00	196385.00	-	5935.00	14838.00
4.3	Abacus Software	33000.00	0.00	0.00	33000.00	19800.00	7920.00	0.00	27720.00	-	5280.00	13200.00
4.4	Cooler	12065.00	0.00	0.00	12065.00	6712.00	803.00	0.00	7515.00	-	4550.00	5353.00
4.5	Water Cooler	60000.00	0.00	0.00	60000.00	33377.00	3993.00	0.00	37370.00	-	22630.00	26623.00
4.6	TV,DVD Player & Projector	241360.00	0.00	0.00	241360.00	135243.00	15918.00	0.00	151161.00	-	90199.00	106117.00
4.7	Water Purifier	9450.00	0.00	0.00	9450.00	5257.00	629.00	0.00	5886.00	-	3564.00	4193.00
4.8	Emergency Light	0.00	1150.00	0.00	1150.00	0.00	86.00	0.00	86.00	-	1064.00	0.00
4.9	Fire Extinguisher	0.00	6534.00	0.00	6534.00	0.00	755.00	0.00	755.00	-	5779.00	0.00
4.10	Fan	9665.00	0.00	0.00	9665.00	4259.00	811.00	0.00	5070.00	-	4595.00	5406.00
4.11	Lab Equipments	16460.00	45604.00	0.00	62064.00	4568.00	5204.00	0.00	9772.00	-	52292.00	11892.00
4.12	Musical Instruments	20438.00	3344.00	0.00	23782.00	5047.00	2559.00	0.00	7606.00	-	16176.00	15391.00
4.13	Water Tank	6200.00	0.00	0.00	6200.00	2132.00	407.00	0.00	2539.00	-	3661.00	4068.00
	5 Vehicle											
5.1	Vehicle	593903.00	0.00	0.00	593903.00	346542.00	74208.00	0.00	420750.00	-	173153.00	247361.00
	6Books											
6.1	Books	106833.00	11943.00	0.00	118776.00	53007.00	17912.00	0.00	71009.00	-	47767.00	53736.00
	Total	**108673501.27**	**635913.00**	**0.00**	**109309414.27**	**4448190.87**	**343251.00**	**0.00**	**4791441.87**	**425611.00**	**104092361.41**	**104225310.40**
	Previous year Figures	**108607945.27**	**65556.00**	**0.00**	**108673501.27**	**3582084.87**	**418095.00**	**0.00**	**4000179.87**	**448011.00**	**104225310.40**	**105025860.40**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

SCHEDULE "B-4' OF FIXED ASSETS OF MAHAPRAGYA INTERNATIONAL SCHOOL TAMKORE, ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2012

S. No.	Particulars	GROSS BLOCK					DEPRECIATION				NET BLOCK	
		As on 01.04.2011 (Rs.)	Additions Before 02.10.2011 (Rs)	Additions After 02.10.2011 (Rs)	Transfer/ adjustment during the year (Rs)	Total cost As on 31.03.2012 (Rs)	Upto 31.03.2011 (Rs)	Charged To P&L For the year (Rs)	Charged To P&L Deduction (Rs)	Total Upto 31.03.2012 (Rs)	As on 31.03.2012 (Rs)	As on 31.03.2011 (Rs)
1	Furniture General	52840.00	29012.00	0.00	0.00	81852.00	5284.00	7657.00	0.00	12941.00	68911.00	47556.00
2	Computer	0.00	140060.00	0.00	0.00	140060.00	0.00	21009.00	0.00	21009.00	119051.00	0.00
3	Cooler	0.00	7500.00	0.00	0.00	7500.00	0.00	1125.00	0.00	1125.00	6375.00	0.00
4	Fan	0.00	1780.00	0.00	0.00	1780.00	0.00	267.00	0.00	267.00	1513.00	0.00
5	Other Assets	0.00	2200.00	0.00	0.00	2200.00	0.00	330.00	0.00	330.00	1870.00	0.00
6	Sports Equipment	0.00	5744.00	0.00	0.00	5744.00	0.00	862.00	0.00	862.00	4882.00	0.00
7	Library Books	5000.00	0.00	0.00	0.00	5000.00	1500.00	525.00	0.00	2025.00	2975.00	3500.00
	Total	**57840.00**	**186296.00**	**0.00**	**0.00**	**244136.00**	**6784.00**	**31775.00**	**0.00**	**38559.00**	**205577.00**	**51056.00**
	Previous year Figures	**0.00**	**57840.00**	**0.00**	**0.00**	**57840.00**	**0.00**	**6784.00**	**0.00**	**6784.00**	**51056.00**	**0.00**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

SCHEDULE 'C' OF INVESTMENTS ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH 2012

Previous Year figures	Particulars	Maturity Dates	AS ON 31st MARCH 2012 For Staff security fund (Rs)	For Other Corpus / Specific fund (Rs)	For Mahapragya International School, Jaipur (Rs)	For Vimal Vidhya Vihar School (Rs)	Total (Rs)
	A) Government of India Bonds						
1000000.00	HDFC Saving Bonds (8%)	19-Aug-15	0.00	1000000.00	0.00	0.00	1000000.00
1000000.00	HDFC Saving Bonds (8%)	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1500000.00	HDFC Saving Bonds (8%)	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2000000.00	SBI Taxable Bonds (8%)	27-Mar-12	0.00	2000000.00	0.00	0.00	2000000.00
5500000.00	**Sub Total A**		**0.00**	**3000000.00**	**0.00**	**0.00**	**3000000.00**
	B) Fixed deposit with Companies / Post Office						
1500000.00	HDFC Limited (8.25%)	16-Oct-16	750000.00	750000.00	0.00	0.00	1500000.00
1000000.00	HDFC Limited (8.00%)	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1000000.00	HDFC Limited (8.00%)	19-Aug-16	0.00	1000000.00	0.00	0.00	1000000.00
1000000.00	HDFC Limited (8.10%)	28-Oct-15	0.00	1000000.00	0.00	0.00	1000000.00
1000000.00	HDFC Limited (8.25%)	05-Oct-13	0.00	1000000.00	0.00	0.00	1000000.00
500000.00	HDFC Limited (8.00%)	27-Sep-15	0.00	500000.00	0.00	0.00	500000.00
100000.00	T.N.Power Fin. & Infra. Dev Corp. Ltd	08-Jul-12	0.00	100000.00	0.00	0.00	100000.00
6100000.00	**Sub Total B**		**750000.00**	**4350000.00**	**0.00**	**0.00**	**5100000.00**
	C) Fixed deposits/Bonds with scheduled banks						
22000.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.25%	16-Jul-12	22000.00	0.00	0.00	0.00	22000.00
130223.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 8.75%	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
181535.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 8.50%	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
800000.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 7%	17-May-13	0.00	800000.00	0.00	0.00	800000.00
1500000.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.25%	11-Aug-12	0.00	1500000.00	0.00	0.00	1500000.00
29147.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.25%	12-Aug-12	29147.00	0.00	0.00	0.00	29147.00
26395.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 6.25%	23-Apr-12	26395.00	0.00	0.00	0.00	26395.00
511821.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 8.25%	20-Apr-12	0.00	0.00	0.00	550846.00	550846.00
150973.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.25%	15-Jul-12	0.00	0.00	0.00	163938.00	163938.00
310764.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.25%	15-Jul-12	0.00	0.00	0.00	337455.00	337455.00
305733.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 8.75%	29-Sep-13	0.00	0.00	0.00	330530.00	330530.00
0.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.75%	3-Nov-13	0.00	0.00	0.00	257233.00	257233.00
0.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.75%	3-Nov-13	0.00	0.00	0.00	299488.00	299488.00
95109.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 6.5%	7-Jun-12	0.00	0.00	0.00	95109.00	95109.00
200000.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 7.5%	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
281196.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 7.5%	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
203785.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 6.25%	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
250000.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 7.5%	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
335865.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 6.5%	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
0.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.25%	13-Sep-12	0.00	0.00	0.00	318774.00	318774.00
0.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.25%	7-Jun-12	0.00	0.00	0.00	181535.00	181535.00
0.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.00%	1-Jul-15	0.00	0.00	0.00	100000.00	100000.00
0.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.25%	21-Aug-12	0.00	0.00	0.00	37630.00	37630.00
0.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun 9.4%	4-May-13	0.00	0.00	0.00	250000.00	250000.00
1000000.00	Rajasthan Urban Co-Operative Bank, Jaipur 9.5%	6-May-12	1101169.00	0.00	0.00	0.00	1101169.00
1000000.00	Rajasthan Urban Co-Operative Bank, Jaipur 11%	24-May-15	0.00	1000000.00	0.00	0.00	1000000.00
7500000.00	State Bank Of India 9.25%	1-Feb-22	0.00	7500000.00	0.00	0.00	7500000.00
0.00	State Bank Of India 8.00%	30-Jun-12	0.00	700000.00	0.00	0.00	700000.00
1000000.00	HDFC BANK LTD (9.25%)	31-Mar-13	1000000.00	0.00	0.00	0.00	1000000.00
2500000.00	HDFC BANK LTD (9.25%)	31-Mar-13	0.00	2500000.00	0.00	0.00	2500000.00
1500000.00	HDFC BANK LTD (9.25%)	31-Mar-13	0.00	1500000.00	0.00	0.00	1500000.00
2100000.00	HDFC BANK LTD (9.25%)	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
10000000.00	HDFC BANK LTD (9.80%)	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3000000.00	HDFC BANK LTD (9.25%)	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5100000.00	HDFC BANK LTD (4.00%)	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2500000.00	HDFC BANK LTD (9.20%)	15-Apr-13	0.00	2500000.00	0.00	0.00	2500000.00
7000000.00	HDFC BANK LTD (4.00%)	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1400000.00	HDFC BANK LTD (4.00%)	-	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
0.00	HDFC BANK LTD (9.25%)	7-Jan-13	0.00	1000000.00	0.00	0.00	1000000.00
0.00	HDFC Bank @9.6%	19-Mar-13	0.00	10000000.00	0.00	0.00	10000000.00
0.00	HDFC Bank @9.6%	18-Mar-13	2000000.00	8000000.00	0.00	0.00	10000000.00
0.00	HDFC Bank @9.25%	13-Apr-13	0.00	5100000.00	0.00	0.00	5100000.00
0.00	HDFC Bank @7.75%	13-Oct-12	0.00	2500000.00	0.00	0.00	2500000.00
0.00	HDFC Bank 7.25%	30-Jun-12	0.00	2500000.00	0.00	0.00	2500000.00
0.00	HDFC BANK LTD (5.00%)	30-Apr-12	0.00	3000000.00	0.00	0.00	3000000.00
0.00	Karur Vysya Bank @ 8.75%	4-Feb-15	0.00	0.00	60000.00	0.00	60000.00
51074346.00	**Sub Total C**		**4178711.00**	**50100000.00**	**60000.00**	**2922948.00**	**57261659.00**
62674346.00	**Grand total (A+B+C)**		**4928711.00**	**57450000.00**	**60000.00**	**2922948.00**	**65361659.00**

Note 1. Investments against various funds have been segregated on the basis of records maintained by the institution.

2. Although 8% SBI Taxable Bonds for Rs. 2000000.00 matured on 27.03.2012 but are being shown under Investments as the Maturity proceeds received on 12.04.2012.

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'D' OF CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2012

Previous year figures (Rs)	Particulars			Current year figures (Rs)
	Current assets, loans & advances			
	(A) Current assets :			
	(1) Stocks :			
	(As taken, valued & certified by the Management)			
373459.76	I) Building materials		409960.76	
11073609.00	II) Sahitya stock		11883086.00	
88470.00	II) Other stock		54061.00	12347107.76
11535538.76				
	2) Cash & bank balance			
562629.89	Cash in hand		468892.39	
	Balances with banks :			
1156877.14	1) In Saving accounts	5792841.93		
1473435.52	2) In Current accounts	1861696.52	7654538.45	8123430.84
14728481.31			**Total A**	**20470538.60**
	B) Loans & advances :			
	(Recoverable in cash or in kind or for value to be received/adjusted)			
	Advances :			
11390.00	To Staff		60161.00	
62520.00	To Staff for expenses		50584.00	
133122.00	To VVV Deposit & Advances		143590.37	
60000.00	To MIS Jaipur Deposit & Advances		0.00	
20000.00	To Contractors		0.00	
440489.00	To Suppliers & others		649134.00	903469.37
927708.00	Interest Accrued on Investments			517357.07
7445.00	Rent Accrued			7442.00
923886.00	Receivable against sale of sahitya			391602.75
140796.00	Receivable against use of Electricity & Water			160169.00
0.00	Due From Jain Vishva Bharati Institute			272886.00
1292306.33	Income Tax deducted at source			847378.79
	Security deposit with :			
130581.75	Government departments		130581.75	
176400.00	Others		176400.00	306981.75
4326644.08			**Total B**	**3407286.73**
19055125.39			**Grand Total (A+B)**	**23877825.33**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'E' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2012

Previous year figures (Rs)	Particulars	Current year figures (Rs)
	Office & administrative expenses :	
2968487.00	Salary, wages & contribution to staff security fund	3196767.00
573595.00	Travelling expenses	1121652.00
278905.00	Printing & stationery	291295.50
956092.00	Electricity expenses (net) (Including repairs & maintenance expenses)	1061906.00
493314.00	Motor Car running & maintenance expenses	461269.00
2188064.00	Repairs, maintenance & renovation of building & other assets(Net)	1082695.00
301876.00	Postage , telegram & telephone expenses	367550.00
47479.00	Audit ,taxation fees & expenses	53177.00
101000.00	Legal & Professional Fees	166149.00
41562.71	Bank commission	42115.89
48188.65	Loss on sale of Fixed Assets	432.00
19833.50	Miscellaneous expenses	310510.00
1890233.00	Garden & Campus maintenance expenses(Including wages) (Net)	1344457.00
33500.90	Internet Telephone & Website Expences	127403.90
11229.00	News papers & periodicals	408701.00
212282.00	Staff welfare expenses	95496.00
28159.00	ISO Expenses	7787.00
3760688.60	Function ,publicity and Award expenses	777946.00
15795.00	Insurance charges	15685.00
150408.00	Generator expenses	527250.00
306436.00	Tube well expenses (Net)	515049.00
177196.00	Gautam Gyan Shala Expenses	199674.00
393624.00	Security expenses (Net)	527609.00
506083.00	Varsha Sanjay mess expenses	639578.00
29633.00	Sundry Balances Written off (net)	16390.00
15533664.36	**Total**	**13358544.29**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'F' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2012

Previous year figures (Rs)	Particulars	Current year Figures (Rs)
	Saman-sanskriti department expenses	
237594.00	Salary	277459.00
43302.00	Postage	59927.00
4748.00	Printing & stationery	22991.00
210.00	Miscellaneous expenses	1121.00
8384.00	Computer expenses	1900.00
5769.00	Telephone Expenses	6012.00
0.00	Travelling expenses	1050.00
3656.00	Ayojan expenses	37130.00
33891.00	Examination expenses	47118.00
337554.00	**Total (A)**	**454706.00**
130319.00	Examination & other fees realised	121523.00
130319.00	**Total (B)**	**121523.00**
207235.00	**Excess of expenditure over income (A-B)**	**333185.00**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'G' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 31ST MARCH, 2012

Previous year Figures (Rs)	Particulars		Current year Figures (Rs)
	Social science department expenses:		
	Expenditure on education & training		
583801.00	Printing & publication expenses	598436.00	
2275.00	Travelling expenses	410.00	
3188.00	Telephone expenses	11346.00	
59304.00	Postage	41086.00	
3220.00	Computer expenses	1640.00	
104227.00	Salary	98767.00	
56088.00	Commission	44950.00	
	Total expenditures on education & training	796635.00	
(598965.00)	Less : Realised from subscription and advertisement in Preksha Dhyan patrika	766603.00	30032.00
	Expenditure on services		
	Social Science & Academy Expenses		
141842.00	Ayojan Expenses	64151.00	
698.00	Books & Perodicals	1446.00	
17674.00	Computer Expenses	2915.00	
20998.00	Printing & Stationery Expenses	16976.00	
0.00	Postage Expenses	26092.00	
0.00	Conveyence Expenses	54991.00	
689445.00	Salary	1074762.00	
32160.00	Gratuity	62530.00	
78723.00	Shivir Expenses	34152.00	
11781.00	Telephone Expenses	17146.00	
36192.00	Travelling Expenses	55527.00	
155401.00	Sanskar Nirman Competition	0.00	
		1410688.00	
(85004.00)	Less : Realised from partcipants	89472.00	1321216.00
	Expenses on Research & Development		
72575.00	Mess expenses incurred	165597.00	
195656.00	Salary & contribution to staff security fund	258087.00	
1825.00	Printing & Stationery	2605.00	
104487.00	Shivir Expenses	29327.00	
7109.00	Postage & telephone expenses	12337.00	
298.00	Travelling expenses	1995.00	
0.00	Jeevan Vigyan & Agam Research Expenses	236280.00	
	Preksha Foundation Expenses	76359.00	
3040.00	Repairs & maintenance expenses	0.00	
832.00	Books & Periodical expenses	857.00	
1546.00	Miscellaneous expenses	2764.00	
		786208.00	
(179050.00)	Less : Realised from participants & Other Misc. Receipts	73300.00	712908.00
1521366.00	**Grand Total**		**2064156.00**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'H' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2012

Previous year figures (Rs)	Particulars	Current year figures (Rs)
	Vimal Vidya Vihar school	
	A) Expenses	
2799710.00	Salaries , wages & allowances	3388087.00
44812.00	Printing & stationery	41467.00
33053.00	Staff welfare expenses	36613.00
3543.00	News paper & periodicals	2689.00
182282.00	Repairs & maintenance expenses	187571.00
47352.00	Examination expenses	105475.00
15500.00	Affiliation Fees	0.00
17926.00	Postage , telegram & telephone expenses	21101.00
16017.00	Guest & function expenses	27278.00
0.00	Interest on TDS Demand	1144.00
3250.00	Advertisement expenses	50300.00
2752.00	Bank Commission	1086.00
9914.00	Travelling & conveyance expenses	14594.00
60518.00	Light & water expenses	108427.00
699531.00	Miscellaneous expenses	73721.00
526161.37	Vehicle running & maintenance expenses	668599.49
692436.00	Depreciation	588998.00
25820.00	Games expenses	61158.00
41820.00	Hostel expenses	25200.00
200.00	Lawn & garden development expenses	800.00
5222597.37	**Total A**	**5404308.49**
	B) Income	
4647734.00	Fees & other charges realised from students	5155311.00
253403.00	Interest	286265.00
17705.00	Miscellaneous Income	8185.00
407900.00	Donation Received	51000.00
5326742.00	**Total B**	**5500761.00**
104144.63	**Excess of Income over Expenditure (B-A)**	**96452.51**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'I' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2012

Previous year figures (Rs)	Particulars		Current year figures (Rs)
	Shrimad Acharya Shri Tulsi Mahapragya Manav Kalyan Kendra, Bidasar		
	A) Expenses		
35200.00	Water & light expenses		21287.00
2186.00	Printing & stationery		3315.00
313419.00	Salary		295259.00
6975.00	Postage & telegram expenses		5621.00
6010.00	Travelling expenses		4954.00
33644.00	Repairs , maintenance & cleaning expenses		39664.00
1804.00	Books & Periodicals		1831.00
2257.00	Miscellaneous expenses		14527.00
	Purchases & Opening Stock of		
126852.00	**Medicines**	98450.00	
(70223.00)	Less :- Closing stock	38299.00	60151.00
458124.00	**Total (A)**		446609.00
	B) Income		
81697.00	Fess realised from patients		80862.00
81697.00	**Total (B)**		80862.00
376427.00	**Excess of expenditure over income (A-B)**		**365747.00**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'J' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2012

Previous year figures (Rs)	Particulars	Current year figures (Rs)
	Mahapragya International School, Jaipur	
	A) Expenses	
1838271.00	Salary	1850667.00
67619.00	Printing & stationery	69237.00
27000.00	Accounting Charges	27000.00
916.90	Bank Charges	0.00
79972.00	Electric expenses	69582.00
460641.00	Conveyance expenses	459695.00
9400.00	Computer expenses	7830.00
263011.00	Books expenses	369107.00
4029.00	News Paper & Peroidicals	3626.00
1391.00	Postage & Courier expenses	2078.00
0.00	Legal & Professional Expenses	56775.00
7300.00	Staff Welfare expenses	6355.00
51500.00	Thematic Education Expenses	45500.00
212049.00	Uniform Expenses	149975.00
27378.00	Telephone expenses	37390.50
8590.00	Travelling expenses	40022.00
36136.00	Advertisement expenses	29280.00
94949.75	Function expenses	106875.00
4505.00	Repairs & maintenance expenses	51587.00
418095.00	Depreciation	343251.00
81121.00	Miscellaneous expenses	107913.00
3340.00	School registration expenses	135000.00
1027.00	Membership & Subscription Fee	472.00
66237.00	Vehicle expenses	63910.00
3764478.65	**Total A**	**4033127.50**
	B) Income	
3582529.00	Fees & other charges realised from students	3470194.00
51000.00	Donation Received	271000.00
0.00	Sundry Balances W/off	22113.75
20911.84	Interest received from bank	35687.07
59397.41	Miscellaneous Receipts	28405.00
3713838.25	**Total B**	**3827399.82**
50640.40	**Excess of expenditure over income (A-B)**	**205727.68**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'K' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2012

Previous year figures (Rs)	Particulars	Current year figures (Rs)
	Mahapragya International School, Tamkore	
	A) Expenses	
602000.00	Salary	1097549.00
2484.00	Printing & stationery	36555.00
3854.00	Water & Electricity expenses	11019.00
1620.00	News Paper & Peroidicals	1433.00
22530.00	Staff Welfare expenses	9636.00
2706.00	Examination Expenses	5600.00
46196.00	Sports & Games Expenses	0.00
6784.00	Depreciation	31775.00
16245.00	Educational Expenses	0.00
0.00	Bank Commission	516.00
0.00	Travelling And Conveyence Expenses	47015.00
0.00	Vehicle Expenses	34627.00
0.00	Wages & Frieght	16129.00
0.00	Telephone Expenses	9880.00
0.00	Donation Expenses	9900.00
0.00	General Expenses	840.00
0.00	Affiliationm Expenses	2000.00
18434.00	Student Refreshment Expenses	0.00
2000.00	Audit Fees Expenses	2000.00
29639.00	Function expenses	7350.00
69146.00	Repairs & maintenance expenses	115760.00
1235.00	Office expenses	23838.00
824873.00	**Total A**	**1463422.00**
	B) Income	
196010.00	Fees & other charges realised from students (For current year)	1159630.00
0.00	Bank Interest	12170.00
111537.00	Fees & other charges realised from students (For earlier year)	-
367210.00	Donation Received	641473.00
674757.00	**Total B**	**1813273.00**
(150116.00)	**Excess of income over expenditure (B-A)**	**349651.00**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'L' ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2012

NOTES ON ACCOUNTS

1. **Significant Accounting Policies**

i) **Method of accounting**

Accounts are maintained on mercantile basis except as under:

(a) Bills of suppliers are adjusted only after being approved by the management irrespective of date of purchase.

(b) Advance receipt of subscription in respect of Preksha Dhyan Patrika is shown as income in the year of its receipt.

ii) **Fixed Assets**

Fixed Assets are shown at cost of acquisition or construction except in case of certain Fixed Assets which have been revalued are shown at the revalued amount less accumulated depreciation.

iii) **Depreciation**

Depreciation on Fixed Assets is provided on rates specified in appendix I of Income tax rules, 1962 read with section 32 of Income tax act 1961 on written down values.The additional charge of depreciation on incremental value on account of revaluation is charged to revaluation reserve.

However no Depreciation is Provided on Manuscripts as in the opinion of the Management, the value of Manuscripts appreciates over a period of time.

iv) **Investments**

Investments are stated at cost

v) **Closing Stock**

Stocks at the year end are valued at cost except Literature Publication which is valued at 40% of printed price.

2. Donation and Subscription includes Donation of Rs.52.00 lacs received for Social Science Research.

3. Balances of Sundry Debtors/Creditors, Loans and Advances, Security Deposits paid and received, current liabilities and other debit and credit balances are subject to confirmation. In the opinion of Management, all the current assets, loans and advances and Deposits given have a realizable value equal to the value stated in the books of accounts and accordingly they have been shown as good.

4. In the opinion of management, realizable value of each of the fixed assets of the institution is greater than the book value of each of the Fixed Assets, hence no impairment of the Asset has been recognized by the management at the year end.

5. Figures of previous years have been re-grouped/re-arranged, where ever necessary to make them comparable with figures of current year.

6. The break up of expenses in to various activities or departments has been done by the management .

7. Schedule 'A' to 'L' form an integral part of the balance sheet and income and expenditure account and have been duly authenticated.

Place : Jaipur
Dated: June 11, 2012

For Jain Vishva Bharati

For N K BORAR & COMPANY
Chartered Accountants

(S. K. Choraria)	(J. K. Nahata)	(P. Bohra)	(Surendra Shah)
President	Secretary	Treasurer	Partner